खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 31 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-149

कानपुर ने प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान को कनपुरिया अंदाज में ललकारा

दुश्मन कहीं भी हो 'हौंक' दिया जाएगा

कानपुर, 30 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कानपुर में हजारों करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए एक बार फिर आतंक और पाकिस्तान पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भारत में आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई में तीन सूत्र स्पष्ट रूप से तय कर दिए हैं। पहला, भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा। उसका समय, जवाब देने का तरीका और जवाब देने की शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगी। दूसरा, भारत अब एटम बम की गीदड़ भभकी से नहीं डरेगा और न ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा। तीसरा, आतंक के आका और आतंक परस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा। पाकिस्तान का स्टेट और नॉन स्टेट एक्टर का खेल अब नहीं चलने वाला है। अगर मैं सीधे-सीधे कनपुरिया भाषा में कहूं तो दुश्मन कहीं भी हो, हौंक दिया जाएगा। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के परिजनों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चकेरी एयरपोर्ट पर मुलाकात की। पीएम ने शुभम की पत्नी से बातचीत की और उन्हें दिलासा दिया। पीएम ने सुभम परिवार से कहा कि आतंक के खिलाफ भारत की लड़ाई जारी है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने बटन दबाकर 47,600 करोड़ रुपए की 15 विकास परियोजनाओं का उपहार दिया। पीएम मोदी ने चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन पर सजकर खड़ी मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ट्रेन में वंचित वर्ग के बच्चों ने सफर तय किया। इस दौरान पीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक भी वितरण किया।

पीएम मोदी ने कहा, कानपुर में विकास का यह कार्यक्रम 24 अप्रैल को होने वाला था, लेकिन पहलगाम हमले के कारण मुझे अपना कानपुर द्वारा रद करना पड़ा। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में हमारे कानपुर के बेटे शुभम द्विवेदी भी इस बर्बरता का शिकार हुए। उनके परिवार की पीड़ा, कष्ट और आक्रोश हम सब महसूस कर सकते हैं। हमारी बेटियों, बहनों का वही आक्रोश ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया ने देखा है। ▶10 पर

- दुश्मन धोखे में न रहे, ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ
- अब भारत पर परमाणु बम की गीदड़ भभकियां नहीं चलेंगी
- 47,600 करोड़ की 15 विकास परियोजनाओं का दिया उपहार
- पहलगाम में मारे गए शुभम के परिजनों से मिले पीएम मोदी

ऑपरेशन सिंदूर आत्मनिर्भर भारत की सफलता का संदेश है : योगी

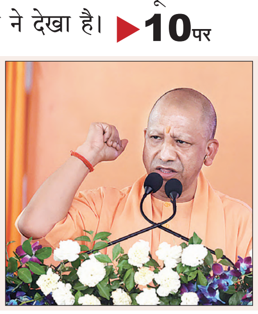

कानपुर, 30 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऑपरेशन सिंदूर की प्रभावशाली कामयाबी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर सराहना की और बधाई दी। सीएम योगी ने भारतीय सेना के पराक्रम को सलाम करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत के शौर्य और पराक्रम के कारण आज पूरी दुनिया भारत के शक्ति और सामर्थ्य को एक उदाहरण के रूप में मान रही है। सीएम योगी ने कहा कि भारत की न्यू डिफेंस पॉलिसी के अंतर्गत दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट करके भारतीय सेना जिस शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है, ▶10 पर

इंडोनेशियाई थिंक टैंक और शिक्षाविदों से बोले सलमान खुर्शीद

कश्मीर में सबसे बड़ी समस्या थी अनुच्छेद 370 के हटने से खत्म हो गई

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन सिंदूर' आउटरीच मिशन पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने इंडोनेशिया में कहा कि अनुच्छेद 370 के हटने से जम्मू-कश्मीर में लंबे समय से चली आ रही अलगाववाद की समस्या खत्म हो गई है।

सलमान खुर्शीद ने यह बात इंडोनेशियाई थिंक टैंक और शिक्षाविदों के सदस्यों के साथ बातचीत में कही। सलमान खुर्शीद ने कहा, कश्मीर में लंबे समय से बड़ी समस्या थी। इसका एक बड़ा हिस्सा संविधान के अनुच्छेद 370 में सरकार की सोच में झलकता था, जिससे किसी तरह यह आभास होता था कि यह देश के बाकी हिस्सों से अलग है। लेकिन, अनुच्छेद 370 को आखिरकार हटा दिया गया।

संविधान के अनुच्छेद 370 ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा दिया था, जिसे 5 अगस्त, 2019 को भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने निरस्त कर दिया। निरस्तीकरण के बाद, राज्य को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया। अब ये केंद्र शासित प्रदेश हैं।

जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में एक बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ आए खुर्शीद ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद के माहौल में प्रगति हुई है। उन्होंने बाद के चुनावों में 65 प्रतिशत मतदाताओं के मतदान और केंद्र शासित प्रदेश में एक निर्वाचित सरकार के गठन का हवाला दिया।

उन्होंने कहा, इसके बाद 65 प्रतिशत भागीदारी के साथ चुनाव हुए। आज वहां एक निर्वाचित सरकार है और इसलिए, लोगों के लिए वह सब कुछ खत्म करना उचित नहीं होगा, जिससे कश्मीर में समृद्धि आई है।

दक्षिण-पूर्व एशिया के दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हैं, जिनमें भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी, बृज लाल, प्रदान बरुआ और हेमंग जोशी, तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी, सीपीआई (एम) के जॉन ब्रिटास और पूर्व भारतीय राजदूत मोहन कुमार शामिल हैं।

जकार्ता में प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को प्रमुख थिंक टैंक और शिक्षाविदों, मित्रवत विदेशी मिशनों के रेजिडेंट राजदूतों के साथ-साथ इंडोनेशिया की नेशनल मैंडेट पार्टी (पीएएन) के नेताओं के साथ व्यापक बातचीत की।

▶10 पर

'अब सिर्फ दयालु बनकर काम नहीं चलेगा...'

शशि थरूर ने सिंधु जल संधि स्थगित करने की बताई वजहें

बोगोटा, 30 मई (एजेंसियां)। कोलंबिया में ऑल पार्टी डेलिगेशन का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान से सिंधु जल संधि पर करार अच्छी नीयत और सौहार्द के भाव से 1960 में की थी। लेकिन पिछले चार दशकों से पाकिस्तान की ओर से प्रायोजित आतंकवाद के कारण इस अच्छे नीयत का बार-बार अपमान हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल आत्मरक्षा के अपने हक का इस्तेमाल कर रहा है। बोगोटा में बोलते हुए थरूर ने कहा कि दशकों तक आतंकवाद और संघर्ष झेलने के बावजूद यह संधि लागू रही। लेकिन अब मौजूदा भारतीय सरकार ने इस संधि को स्थगित कर दिया है। उन्होंने कहा, सिंधु जल संधि को भारत ने 1960 के दशक में नेक नीयत और सौहार्द के साथ पाकिस्तान को दिया था। संधि के प्रस्तावना में ये शब्द मौजूद हैं। ▶10 पर

राजनाथ सिंह का बड़ा खुलासा

ऑपरेशन सिंदूर अपनी शर्तों पर रोका है, किसी के दबाव में नहीं

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। दो दिनों की गोवा यात्रा पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को आईएनएस विक्रांत पर सवार भारत के बहादुर नौसैनिकों के साथ बातचीत करके उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि जब तक राष्ट्र की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा आपके मजबूत हाथों में है, तब तक भारत को कोई तिरछी निगाहों से देख नहीं सकता। उन्होंने पहली बार खुलासा किया कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर अपनी शर्तों पर रोका है, किसी के दबाव में नहीं। ऑपरेशन के दौरान भारतीय सेनाओं ने न केवल आतंकवादियों बल्कि उन्हें पालने-पोसने वाले सरपरस्तों को भी स्पष्ट संदेश दे दिया है कि भारत अब सहन नहीं करता, बल्कि अब सीधा जवाब देता है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों को ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि ▶10 पर

ऑपरेशन सिंदूर से 'सबूत गैंग' खुश नहीं : भाजपा

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विवादित टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जयराम रमेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी घिरते नजर आ रहे हैं। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि पहले दिन से राहुल गांधी, जयराम रमेश और उनके लोगों ने भारतीय सेना, भारत के शौर्य पर सवाल उठाया, ये 'सबूत गैंग' खुश नहीं है। संबित पात्रा शुक्रवार को नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि जयराम रमेश ने अपने बयान में कहा कि यहां आतंकवादी घूम रहे हैं, वहां सांसद घूम रहे हैं। ▶10 पर

जम्मू-कश्मीर का विकास न रुकेगा, न थमेगा : अमित शाह

पुंछ , 30 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से मिलने के लिए शुक्रवार को पुंछ का दौरा किया। उन्होंने यहां के बाशिंदों को भरोसा दिलाया कि जम्मू-कश्मीर का विकास न रुकेगा, न थमेगा। उन्होंने कह कि हर आतंकी हमले का जवाब देना हमारी नीति है। पहलगाम का हमला कायराना था, इसलिए इस हरकत की दुनियाभर में निंदा की गई। पुंछ के लोगों ने बहादुरी का परिचय दिया है। उन्होंने हमले में मारे गए पुंछ के नागरिकों के परिजनों को नियुक्ति प्रमाण पत्र भी दिए । शाह ने पाकिस्तान की कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया और पुंछ में सबसे अधिक नुकसान हुआ। आजादी के बाद पहली बार पुंछ पर गोलीबारी की गई। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया पाकिस्तान के हमले की निंदा कर रही है। भारतीय सशस्त्र बलों ने नौ पाकिस्तानी हवाई ठिकानों को नष्ट करके मुंहतोड़ जवाब दिया और परिणामस्वरूप उन्हें संघर्ष विराम के लिए आगे आना पड़ा। अमित शाह ने आगे कहा कि 7 मई की रात को भारतीय सशस्त्र बलों ने एक निर्णायक अभियान चलाया, ▶10 पर

अंकिता भंडारी मर्डर केस में भाजपा नेता के बेटे समेत 3 को उम्रकैद

उत्तराखंड में 2 साल 8 महीने बाद कोर्ट का फैसला

कोटद्वार, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा नेता और पूर्व मंत्री के बेटे पुलकित आर्य समेत 3 को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। पुलकित के अलावा उसके दो कर्मचारी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को भी सजा सुनाई गई है। कोटद्वार जिला कोर्ट ने इस मामले में 2 साल 8 महीने के बाद फैसला दिया है। तीनों दोषियों पर 50 -50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। कोर्ट ने तीनों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। अंकिता ऋषिकेश में पुलकित आर्या के रिसॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट थी। 18 सितंबर, 2022 को अंकिता गायब हो गई थी।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

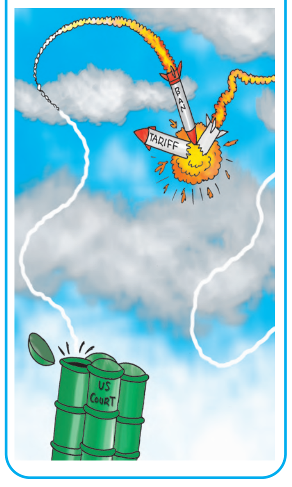

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 25^0

क्या फिर से होगी नोटबंदी?

500 रुपए के नोट बैन करने की मांग से हलचल तेज

अमरावती(आंध्र प्रदेश), 30 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने 500 रुपये और उससे अधिक मूल्य के नोटों को बंद करने का आह्वान करते हुए कहा कि इस तरह के कदम से भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता बढ़ेगी। वाईएसआर कडप्पा जिले में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के वार्षिक महानाडु सभा में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नायडू ने 500 रुपये जैसे बड़े नोटों को बंद करने की वकालत की और डिजिटल भुगतान को और अधिक बढ़ावा देने का आह्वान किया।

चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि जब मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डिजिटल करेंसी की रिपोर्ट दी थी, तो मैंने उनसे एक ही बात कही थी कि जरूरत है 500, 1000 और 2000 के नोट छापना बंद कर दीजिए। डिजिटल करेंसी को सक्षम बनाइए और बढ़ावा दीजिए। मेरा उनसे यही सुझाव है कि फिर अगर कोई भ्रष्टाचार होगा तो हम आसानी से उसका पता लगा लेंगे। उन्होंने इस अवसर पर एक बार फिर केंद्र सरकार से इस सिफारिश पर कार्रवाई करने का आग्रह किया और कहा कि दुनिया अब तेजी से डिजिटल मुद्रा की ओर बढ़ रही है। आज इस सभा से मैं एक बार फिर अनुरोध करना चाहता हूँ, आज डिजिटल करेंसी का ज़माना है।

▶10 पर

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद ब्रह्मोस को लेकर 5 बदलाव करने जा रहा भारत

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आखिरकार कबूल किया है कि भारतीय सेना की ओर से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइलों के इस्तेमाल से उनके सैन्य ठिकाने तबाह हो गए। इस घटना के बाद भारत ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली को और भी बेहतर बनाने की योजना बना रहा है। इसकी मारक क्षमता बढ़ाने, इसे पनडुब्बियों से लॉन्च करने और इसे और छोटा करने पर भारत काम कर रहा है। ब्रह्मोस मिसाइलों को रोकने में नाकामी ने पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अजरबैजान में एक कार्यक्रम में कहा कि 9-10 मई की रात को भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलों से हमला किया। उन्होंने कहा कि भारत ने रावलपिंडी हवाई अड्डे समेत पाकिस्तान के कई ठिकानों को निशाना बनाया। उनके अनुसार, पाकिस्तान की सेना भारत को जवाब देने के लिए तैयार थी, लेकिन उससे पहले ही भारत ने ब्रह्मोस से हमला कर दिया। ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। यह ध्वनि की गति से तीन गुना तेज उड़ती है और 400 किलोमीटर दूर तक लक्ष्य को मार सकती है। इसे भारत और रूस ने मिलकर बनाया है, लेकिन इसका उत्पादन भारत में ही होता है। ▶10 पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रूस बोला-रूस-भारत-चीन को मिलकर फिर से शुरू करना होगा त्रिगुट

मॉस्को, 30 मई (एजेंसियां) ।

दुनिया की बड़ी और प्रमुख ताकतों में रूस-भारत और चीन को गिना जाता है। ये तीनों देश मिलकर दुनिया में अपनी ताकत दिखा सकते हैं। शायद इसी के मद्देनजर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रूस-भारत-चीन (आरआईसी) प्रारूप के ढांचे के भीतर गतिविधियों को फिर से शुरू करने में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि यूराल पर्वतों के पर्म शहर (जहां यूरोप की सीमा एशिया से लगती है) में यूरेशिया में सुरक्षा और सहयोग की एक समान और समतापूर्ण प्रणाली बनाने पर एक अंतरराष्ट्रीय सामाजिक और राजनीतिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए लावरोव ने ये बातें कहीं। उन्होंने ये बातें ऐसे वक्त पर कही हैं, जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को सैन्य समर्थन देने की वजह से भारत और चीन के संबंधों में एक बार फिर से तल्खी देखने को मिल रही है। लावरोव ने कहा, मैं त्रिमूर्ति - रूस, भारत, चीन - के प्रारूप के भीतर जल्द से जल्द काम को फिर से शुरू करने में वास्तविक रुचि की पुष्टि करना चाहता हूं। इस त्रिगुट को कई साल पहले (पूर्व रूसी प्रधान मंत्री) येवगेनी प्रिमाकोव की पहल पर स्थापित किया गया था और जिसने तब से 20 से अधिक बार मंत्रिस्तरीय स्तर पर बैठकें आयोजित की हैं। ये बैठकें न केवल विदेश नीति प्रमुखों के स्तर पर, बल्कि तीनों देशों की आर्थिक, व्यापार और वित्तीय एजेंसियों के प्रमुखों के स्तर पर भी हो चुकी हैं। पर्म में लावरोव ने जोर देकर कहा, आज तक, जैसा कि मैं समझता हूं, भारत और चीन के बीच सीमा पर स्थिति को कैसे आसान बनाया जाए, इस पर एक समझ बन गई है, और मुझे लगता है कि इस आरआईसी तिकड़ी के पुनरुद्धार का समय आ गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नाटो भारत को चीन विरोधी साज़िशों में फंसाने की खुलेआम कोशिश कर रहा है। लावरोव ने कहा, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमारे भारतीय मित्र, और मैं यह उनके साथ गोपनीय बातचीत के आधार पर कह रहा हूं, स्पष्ट रूप से इस प्रवृत्ति को देखते हैं जिसे वास्तव में एक बड़ी उकसावे के रूप में माना जा सकता है। जून 2020 में गलवान संकट के बाद पहली बार आरआईसी तिकड़ी एक जगह जमी हुई थी। हालांकि, अक्टूबर 2024 में रूस के कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक को एक नरमी के रूप में देखा गया था, जब दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की जरूरतों को रेखांकित किया था।

पश्चिम की नीति लड़ाने वाली रही है - कुछ दिनों पहले भी लावरोव ने कहा था कि पश्चिमी देश भारत और चीन को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर रहे हैं। उन्होंने कहा था, एशिया-प्रशांत क्षेत्र के हालिया घटनाक्रमों पर गौर करें, जिसे पश्चिम ने अपनी नीति को स्पष्ट रूप से चीन विरोधी रुझान देने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र कहना शुरू कर दिया है-इस उम्मीद के साथ भी कि इससे हमारे महान मित्रों और पड़ोसी देशों भारत व चीन के बीच टकराव पैदा किया जा सकेगा। चीन के बढ़ते प्रभाव से निपटने के लिए स्थापित चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के मुखर आलोचक लावरोव ने ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका के सैन्य गठबंधन एयूकेयूएस के गठन के बाद इसकी आलोचना कम कर दी है। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और अमेरिका शामिल हैं। लावरोव ने कहा कि पश्चिमी देश एशिया में आसियान (दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन) की भूमिका को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी सहयोगी दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह यहां भी प्रभावशाली भूमिका में आना चाहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

रेत के तूफान में फंसी पाकिस्तानी फ्लाइट, बाल-बाल बची

करांची। बीती 24 मई को कराची से लाहौर जा रहा एक विमान रेत के तूफान में फंस गया। यह विमान दुर्घटना का शिकार होने से बाल-बाल बचा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। लाहौर के अल्लामा इकबाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश के दौरान विमान के अंदर भारी उथल-पुथल मच गई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये विमान निजी एयरलाइन फ्लाई जिन्ना का था। लाहौर में उतरने की कोशिश करते समय यह तेज हवाओं में फंस गया, जिससे इसकी दृश्यता कम हो गई और विमान में उथल-पुथल मच गई। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने कराची से लाहौर जा रही फ्लाइट के पायलट से लैंडिंग की कोशिशें रोकने को कहा। पायलट को मजबूरन वापस लौटकर कराची की ओर उड़ान भरनी पड़ी। ऑनलाइन शेयर की गई फुटेज में दिखाया गया है कि कैसे फ्लाइट एफएल 842 के यात्रियों को विमान के रेत के तूफान में फंसने के बाद लोग घबरा गए और तनाव में आ गए। कुछ लोग अपनी सीटों पर टिके हुए थे, जबकि कुछ लोग प्रार्थना करते हुए नजर आए।

कैंसर से बचाव में किस तरह महत्वपूर्ण साबित हो सकते टेलोमेयर

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने कैंसर से बचाव से जुड़ी एक नई प्रक्रिया खोजी है, जो टेलोमेयर नामक संरचनाओं पर केंद्रित है। टेलोमेयर गुणसूत्रों (क्रोमोसोम) के सिरे पर मौजूद सुरक्षात्मक आवरण होते हैं, जो कोशिकाओं को कैंसर से बचाने में मदद कर सकते हैं। टेलोमेयर उम्र बढ़ने और कैंसर रोकने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। उम्र बढ़ने के साथ, ये धीरे-धीरे छोटे होते हैं। जब टेलोमेयर बहुत छोटे हो जाते हैं, वे कोशिकाओं को विभाजन रोकने का संकेत देते हैं। यह एक प्राकृतिक सुरक्षा प्रक्रिया है, जो कैंसर को फैलने से रोकती है। रिपोर्ट के अनुसार, यह जानकारी एक अध्ययन में सामने आई है। शोधकर्ता वैज्ञानिक के अनुसार, हमारे डेटा से पता चलता है कि टेलोमेयर बहुत ज्यादा सक्रिय होते हैं। वे स्ट्रेस पर तुरंत प्रतिक्रिया दे सकते हैं और उम्र बढ़ने जैसी दिखने वाली सेलुलर प्रतिक्रिया को शुरू कर देते हैं। वे ऐसा कैंसर से बचने के लिए करते हैं। शोध में, यह समझने का प्रयास किया कि टेलोमेयर कैंसर से बचाव में सक्रिय भूमिका कैसे निभाते हैं। यह अध्ययन एक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। अधिकतर लोग मानते हैं कि टेलोमेयर सिर्फ निष्क्रिय रूप से छोटे होते जाते हैं। लेकिन हमारा शोध बताता है कि वे सक्रिय रूप से कोशिकाओं की सुरक्षा भी करते हैं। टेलोमेयर कोशिका चक्र को रोककर या कोशिकाओं को खुद से मरने के लिए प्रेरित करके, उन कोशिकाओं को नष्ट करने में मदद करते हैं, जिसमें गुणसूत्र क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। खोज से टेलोमेयर का एक नया कैंसर-रोधी कार्य सामने आया है, जो पहले ज्ञात नहीं था। इस खोज से कैंसर के नए उपचारों की राह खुल सकती है। यदि टेलोमेयर को लक्षित कर कैंसर कोशिकाओं को नष्ट कराया जाए, तब यह एक प्रभावी उपचार रणनीति बन सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2022 में करीब 2 करोड़ नए कैंसर मामलों का पता चला और 97 लाख लोगों की इस बीमारी से मृत्यु हुई।

भारत की ब्रह्मोस मिसाइल का करिश्मा देख आश्चर्यचकित हुई दुनिया, बढ़ी मांग

कीव। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने अपनी ब्रह्मोस मिसाइल का करिश्मा दिखाया है। ब्रह्मोस ने जो कहर पाकिस्तान में बरपाया, उसकी ताकत देखकर भारत ही नहीं, रूस के दुश्मन भी डरे हुए हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ब्रह्मोस मिसाइल को भारत और रूस ने मिलकर डेवलप किया था। यूक्रेन के पास पहले से ही अमेरिका की एटीएसीएमएस, ब्रिटेन और फ्रांस की स्टॉर्म शैडो जैसी लंबी दूरी की मिसाइलें हैं। इनका इस्तेमाल अब तक सिर्फ यूक्रेन की सीमा में रूसी ठिकानों पर हो रहा था। लेकिन जर्मनी के ताजा फैसले ने यूक्रेन को रूस के अंदर हमला करने की ताकत दी है। एटीएसीएमएस मिसाइलें 300 किलोमीटर तक मार कर सकती हैं, जबकि स्टॉर्म शैडो 250 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक सटीक निशाना लगाती हैं। टॉरस मिसाइल, जो यूक्रेन को नहीं मिली, वह 481 किलो ग्राम के वॉरहेड के साथ दुश्मन के बंकरों और रडार स्टेशनों को तबाह कर सकती है। रूस में इसे पी-800 ओनिक्स के नाम से जाना जाता है। सटीक हमलों से ब्रह्मोस मिसाइल गेम चेंजर साबित हुआ है। यही कारण है कि यूक्रेन और उसका समर्थन करने वाले पश्चिमी देशों की सांसें अटक गई हैं। यूक्रेन को डर है कि रूस भी ब्रह्मोस जैसी ताकत से वैसी ही तबाही मचा सकता है, जैसी पाकिस्तान में हुई है। पिछले तीन साल से रूस के साथ जंग में उलझा यूक्रेन अपने सहयोगियों से हथियारों के लिए गिड़गिड़ा रहा है।

न्यूयॉर्क में 9/11आतंकी हमले के नायक पूर्व पुलिस कमिश्नर बर्नार्ड केरिक का 69 वर्ष की आयु में निधन

न्यूयॉर्क , 30 मई (एजेंसियां) ।

संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में 9/11(11 सितंबर, 2001) के आतंकवादी हमले के समय के नायक पूर्व पुलिस कमिश्नर बर्नार्ड बी. केरिक नहीं रहे। उन्होंने गुरुवार को 69 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। उनके जीवन का कुछ हिस्सा विवादों में रहा। इस वजह से उन्हें जेल की हवा भी खानी पड़ी। उन्हें 11 सितंबर को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमलों के समय की गई जवाबी कार्रवाई के लिए नायक के रूप में सम्मानित किया गया। बाद में संघीय भ्रष्टाचार और कर अपराधों में दोषी ठहराए जाने के बाद उनकी प्रतिष्ठा पर आंच आई। खबर के अनुसार, एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने एक्स पोस्ट में केरिक की मृत्यु की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूर्व पुलिस अधिकारी कुछ समय से बीमार थे। कराटे में ब्लैक बेल्ट, मुंडा सिर और उभरी हुई बाइसेप्स वाले एक आत्मविश्वासी हाई स्कूल ड्रॉपआउट, केरिक ने 1993 के मेयरल अभियान के दौरान गिउलिआनी के अंगरक्षक रहे। इसके बाद रुडोल्फ डब्ल्यू. गिउलिआनी के शिष्य के रूप में वरिष्ठ सार्वजनिक पदों पर पहुंचे।

साल अगस्त 2000 में उन्हें न्यूयॉर्क शहर का पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया। तब उनके पास कॉलेज की डिग्री नहीं थी। इस वजह से उनकी नियुक्ति के लिए प्रशासन की आलोचना भी हुी। बाद में उन्होंने 2002 में डिग्री हासिल की। केरिक की न्यूयॉर्क पर आतंकी हमले के समय की भूमिका से प्रभावित होकर महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने ब्रिटिश साम्राज्य के कमांडर के रूप में नियुक्ति दी।

पुलिस विभाग से विदा होने के बाद केरिक ने पूर्व मेयर की फर्म गिउलियानी पार्टनर्स के लिए सुरक्षा सलाहकार के रूप में काम करके लाखों डॉलर कमाए। बाद में केरिक ने अपनी खुद की परामर्श फर्म स्थापित की। उन्होंने जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय, गुयाना के राष्ट्रपति भरत जगदेव और संयुक्त अरब अमीरात के शासक परिवार को सलाह दी। हाल ही में वह कतर में राजशाही के सुरक्षा सलाहकार थे।

2003 में इराक पर आक्रमण के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने केरिक को उस देश के अंतरिम प्राधिकरण के लिए आंतरिक मंत्री नियुक्त किया। उन्होंने हजारों पुलिस अधिकारियों की भर्ती की और अपहरणकर्ताओं और विद्रोहियों का पीछा करने के लिए एक स्वाट टीम का गठन किया। 2004 में राष्ट्रपति ने उन्हें होमलैंड सुरक्षा विभाग का प्रमुख नियुक्त किया था, लेकिन एक सप्ताह बाद ही उन्हें हटा दिया गया।

साल 2020 में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने केरिक को पूर्ण क्षमा प्रदान किया। केरिक ट्रंप के आखिर तक कट्टर समर्थक बने रहे। पिछले महीने ही केरिक ने शिकायत की थी कि राष्ट्रपति ट्रंप के राजनीतिक दुश्मन उन पर हमला करने और उन्हें चुप कराने के लिए कानून और उसे लागू करने वाली एजेंसियों का बार-बार इस्तेमाल कर रहे हैं।

बर्नार्ड बेली केरिक का जन्म 04 सितंबर, 1955 को नेवार्क में हुआ था। वह फोर्ड मोटर कंपनी के मशीनिस्ट डोनाल्ड आर. केरिक के ज्येष्ठ पुत्र थे। उनके दादा यूक्रेन से पेंसिल्वेनिया आए थे। यहां वह कोयला खनिक बन गए।

उनकी मां पेट्रीसिया जोआन (बेली) केरिक, आयरिश-अमेरिकी थीं। केरिक का पालन-पोषण पैटरसन एन.जे. में हुआ। उन्होंने ईस्ट साइड हाई स्कूल में पढ़ाई की, लेकिन 1972 में पढ़ाई छोड़ दी। 1974 में वे सेना में भर्ती हुए और दक्षिण कोरिया में सैन्य पुलिस में सेवा की।

राजतंत्र वापसी की मांग को लेकर काठमांडू में दूसरे दिन भी प्रदर्शन

काठमांडू,30 मई (एजेंसियां) ।

नेपाल में राजतंत्र की पुनर्स्थापना को लेकर शुरू हुआ प्रदर्शन आज शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के नेतृत्व में काठमांडू के माइतीघर में प्रदर्शन किया गया।

गणतंत्र दिवस के दिन से ही देश में गणतंत्र व्यवस्था के विरोध में आरपीपी का अनिश्चितकालीन प्रदर्शन शुरू हुआ है। गुरुवार को काठमांडू के रत्नपार्क में हुआ था। आज यह प्रदर्शन माइतीघर में हो रहा है। इस प्रदर्शन आरपीपी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन सहित सभी बड़े नेता सहभागी हो रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान लोग राजसंस्था की पुनर्बहाली और हिन्दू राष्ट्र घोषित करने को लेकर नाराबाजी कर रहे हैं। प्रदर्शन के कारण उस क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था पर प्रभाव पड़ा है। जिला प्रशासन ने प्रदर्शन को देखते हुए **सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।**

गुरुवार के प्रदर्शन में 10 हजार से अधिक समर्थकों के उपस्थिति से राजतंत्र समर्थक काफी उत्साहित हैं। वहीं इनके प्रदर्शन के विरोध में सत्तारूढ़ दल नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के तरफ से भी उसी स्थान पर, लेकिन अलग समय में प्रदर्शन किया गया, जिसमें महज कुछ सौ लोग ही मौजूद थे।

इसे लेकर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने राजतंत्र समर्थकों के प्रदर्शन का विरोध करने के लिए एक सार्वजनिक अपील की थी। पूरी पार्टी ने काठमांडू की सड़कों पर अपने समर्थक उतरने के लिए जोड़ लगाया, लेकिन राजा समर्थकों की भीड़ के आगे सतारूढ़ दल के नेताओं की एक न चल पाई। आरपीपी की प्रवक्ता खुशबू ओली ने कहा कि सतारूढ़ दल के तरफ से भिड़ंत करने की पूरी तैयारी थी, लेकिन हमारी संख्या के आगे वो टिक नहीं पाए और खुद ही सड़क छोड़ कर चले गए। उनका कहना है कि शुक्रवार के प्रदर्शन के दौरान कल से भी अधिक भीड़ जमा होने वाली है।

विदेशी एजेंडा और सेना के प्रहार के बीच मिलने लगे बांग्लादेश में तख्तापलट के संकेत

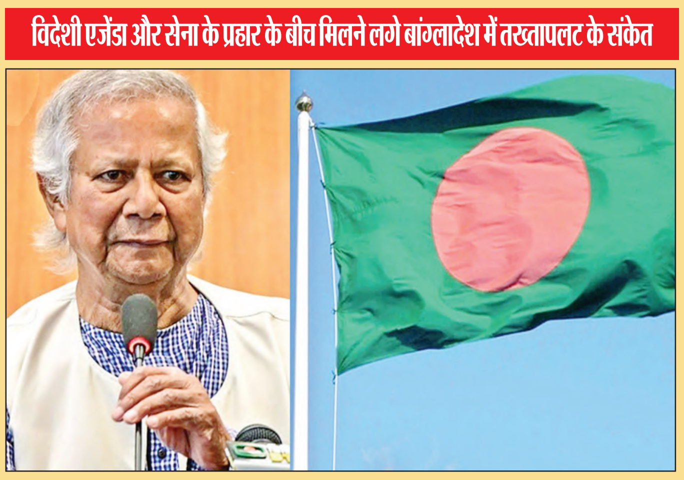

क्या बांग्लादेश में तख्तापलट होने वाला है शेख हसीना का अचानक एक्टिव होना क्या मैसेज दे रहा है अंतरिम सरकार चला रहे मोहम्मद यूनुस पर सत्ता छोड़ना नहीं चाहते। अमेरिका-चीन रोज नई चालें चल रहे हैं। इस बीच बांग्लादेश के आर्मी चीफ जनरल वाकर-उज-जमान ने यूनुस को अल्टीमेटम दे दिया है, 2025 के अंत तक चुनाव कराओ या सत्ता छोड़ो। आखिर भारत की चेतावनी सच साबित हो रही है। इस टकराव की जड़ में है युनुस का प्रस्तावित रखाइन कॉरिडोर, एक गलियारा जो कॉक्स बाजार से म्यांमार के राखाइन प्रांत तक जाता है। अमेरिका इस कॉरिडोर को मानवीय मदद का रास्ता बता रहा है, लेकिन सेना इसे 'ब्लडी कॉरिडोर' कह रही है। जनरल वाकर के अनुसार, यह बांग्लादेश की संप्रभुता पर हमला है और देश को म्यांमार के सैन्य शासन व उग्रवादी संगठनों के साथ संघर्ष में झोंक सकता है। सूत्रों के मुताबिक, बिना जनता के जनादेश के सरकार चला रहे युनुस चीन, पाकिस्तान और अमेरिका के साथ गहरे सामरिक समझौते करना चाहते हैं। यहां तक कि उन्होंने भारत के संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास लालमनिरहाट एयरबेस चीन को सौंपने का संकेत भी दिया है।

ट्रंप का टैरिफ बहाल, ट्रेड कोर्ट के फैसले पर संघीय अपील न्यायालय ने रोक लगाई

वाशिंगटन, 30 मई (एजेंसियां) ।

वाशिंगटन डीसी की एक संघीय अपील न्यायालय ने गुरुवार को यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड के तीन जजों के पैनल के फैसले पर रोक लगा दी। संघीय अपील न्यायालय के आदेश से ट्रंप के प्रशासन को फिलहाल राहत मिल गई। तीन जजों के पैनल ने ट्रंप को झटका देते हुए उनके कुछ देशों के खिलाफ लगाए गए अत्यधिक टैरिफ को रोक दिया था। फैसले में कहा गया था कि राष्ट्रपति ने संघीय कानून के तहत इस तरह का टैरिफ जारी करने में अपने अधिकारों का अतिक्रमण किया। यह टैरिफ अवैध है।

खबर के अनुसार, संघीय अपील न्यायालय ने राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापक टैरिफ के अधिकांश भाग को अवरुद्ध करने वाले फैसले को अस्थायी रूप से रोकते हुए आपातकालीन शक्तियों के कानून के तहत लगाए टैरिफ को फिलहाल बहाल कर दिया। संघीय सर्किट के लिए यूएस अपील न्यायालय ने संक्षिप्त आदेश जारी किया। न्याय विभाग ने तीन जजों के पैनल के फैसले के खिलाफ संघीय अपील न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

ट्रंप प्रशासन ने 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्ति अधिनियम का हवाला देते हुए टैरिफ को उचित ठहराया था। मगर जजों के पैनल ने इस तर्क को खारिज कर दिया था। ट्रंप प्रशासन ने कल ही संकेत दिया था कि वह इस फैसले को संघीय सर्किट अपील न्यायालय में चुनौती देगा। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने टैरिफ के कारणों का बचाव करते हुए फैसले पर प्रतिक्रिया दी थी कि अन्य देशों के साथ अमेरिका के व्यापार घाटे ने राष्ट्रीय आपातकाल पैदा कर दिया है। इससे अमेरिकी समुदाय को काफी नुकसान हुआ है।

देसाई ने कहा था कि इन जजों को यह तय नहीं करना चाहिए कि राष्ट्रीय आपातकाल को कैसे ठीक से परिभाषित किया जाए। राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका को प्राथमिकता देने का वचन दिया है। वह इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। टैरिफ ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के एजेंडे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पाकिस्तान के पीएम का कबूलनामा

हमले की तैयारी में थे हम, लेकिन भारत ने पहले ही दाग दिया ब्रह्मोस

कराची, 30 मई (एजेंसियां) । ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कई सैन्य एयरबेस को तबाह कर दिया था। पहले तो पाकिस्तान इस चीज को नकारता रहा। लेकिन अब पाकिस्तान ने इस बात को स्वीकार कर लिया है। दरअसल इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बड़ी बात को स्वीकार करते हुए कहा है कि 9 से 10 मई की रात को भारत के हमले के दौरान पाकिस्तानी सेना अचानक फंस गई। भारत ने रावलपिंडी के हवाई अड्डे सहित प्रमुख सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए ब्रह्मोस मिसाइल का इस्तेमाल किया।

शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान ने 10 मई को सुबह की नमाज के बाद भारत पर हमला करने की योजना बनाई थी। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान के कुछ करने से पहले ही भारत की लंबी दूरी की सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों ने पाकिस्तान के कई प्रांतों में कई ठिकानों को निशाना बनाया। शरीफ ने कहा कि उन्हें सुबह-सुबह हुए हमले की जानकारी मुनीर ने दी, जिन्हें अब फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया है। इंडिया टुडे ने पाक पीएम के हवाले से कहा, हमारे सशस्त्र बल फज्र की नमाज के बाद सुबह 4.30 बजे कार्रवाई करने के लिए तैयार थे। लेकिन उन्हें उस समय तक का वक्त ही नहीं मिल सका। उससे पहले ही भारत ने एक बार फिर ब्रह्मोस का इस्तेमाल करते हुए रावलपिंडी के हवाई अड्डे सहित पाकिस्तान के कई प्रांतों को निशाना बनाया।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने 9 और 10 मई की रात को बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान में 9 आतंकवादी ठिकानों पर हमला कर उन्हें तबाह कर दिया। इस हमले में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। इसके बाद पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए भारत पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, हालांकि भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। इसके बाद भारत ने फिर कार्रवाई की और ब्रह्मोस से हमले कर पाकिस्तान के कई एयरबेस को तबाह कर दिया, जिसके बाद पाकिस्तान घुटनों के बल आ गया।

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना की भूमिक बेहद अहम रही है। दरअसल भारतीय वायुसेना के हमलों में पाकिस्तान के कई एयरबेस और रडार सिस्टम बर्बाद हो गए। इन हमलों ने पाकिस्तान की सेना और सरकार को घुटनों के बल ला दिया। यही कारण था कि पाकिस्तान की सेना पाकिस्तान से यात्री विमानों को उडऩे दे रही थी, ताकि भारतीय सेना के हमलों को रोका या टाला जा सके। वहीं भारतीय सेना नहीं चाहती थी कि गलती से भी किसी यात्री विमान को नुकसान पहुंचाया जाए।

अब पूर्ण क्षमता से काम करेगा सुप्रीम कोर्ट

तीन नए जज हुए शामिल, जस्टिस विजय बिश्नोई ने हिन्दी में ली शपथ

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। अंग्रेजी बोलने और सुनने के आदी सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को हिन्दी चली। सुप्रीम कोर्ट के नवनियुक्त न्यायाधीश विजय बिश्नोई ने हिंदी में शपथ ली। गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्नोई ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश पद की शपथ हिन्दी में ली।

जस्टिस बिश्नोई गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पद से प्रोन्नत होकर सुप्रीम कोर्ट आएं है लेकिन वे मूलत: राजस्थान के रहने वाले हैं और राजस्थान हाई कोर्ट ही उनका मूल हाई कोर्ट है। राजस्थान हिन्दी भाषी प्रदेश है। जस्टिस विजय बिश्नोई को प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) बीआर गवई ने शपथ दिलाई और जस्टिस गवई ने भी गत 14 मई को सीजेआइ पद की शपथ हिन्दी में ली थी।

सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को तीन नये न्यायाधीशों जस्टिस एनवी अंजारिया, जस्टिस विजय बिश्नोई और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर ने सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश पद की शपथ ली। सीजेआइ बीआर गवई ने तीनों न्यायाधीशों को पद की शपथ दिलाई। तीन में से दो न्यायाधीशों एनवी अंजारिया और अतुल एस चंदुरकर ने अंग्रेजी में पद की शपथ ली जबकि जस्टिस विजय बिश्नोई ने हिन्दी में शपथ ली। तीन नये न्यायाधीशों के पद गृहण करने के बाद सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की कुल संख्या बढ़ कर 34 हो गई है जो सुप्रीम कोर्ट की पूर्ण कार्यक्षमता है। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआइ को मिला कर न्यायाधीशों के कुल मंजूर पद 34 हैं। तीन नये न्यायाधीशों के आने के बाद सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश का कोई भी पद रिक्त नहीं है। हालांकि नौ जून को जस्टिस बेला त्रिवेदी सेवानिवृत होंगी और उसके बाद एक रिक्ति फिर हो जाएगी।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस हृषिकेश राय की सेवानिवृत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों के तीन पद रिक्त हो गए थे। जिन्हें भरने के लिए प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम की 26 मई को बैठक हुई जिसमें कोलेजियम ने कर्नाटक हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया, गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्नोई और बांबे हाई कोर्ट के न्यायाधीश अतुल एस चंदुरकर को सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश के रूप में पदोन्नति करने की सिफारिश की थी।

इसके बाद सरकार ने कोलेजियम की सिफारिश स्वीकार करते हुए तीनों न्यायाधीशों की सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश पद पर नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी और आज शुक्रवार को तीनों न्यायाधीशों ने पद की शपथ लेकर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

जब कोलेजियम ने इनके नामों की सिफारिश की थी उस समय जस्टिस अंजारिया कर्नाटक हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे, उनका मूल हाई कोर्ट गुजरात हाई कोर्ट है, जस्टिस विजय बिश्नोई गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे, उनका मूल हाई कोर्ट राजस्थान हाई कोर्ट है और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर बांबे हाई कोर्ट के न्यायाधीश थे।

जस्टिस अंजारिया 21 नवंबर 2011 को गुजरात हाई कोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त हुए थे जिसके बाद छह सितंबर 2013 को वह स्थाई न्यायाधीश बने और 25 फरवरी 2024 को वह कर्नाटक हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने।

जस्टिस विजय बिश्नोई आठ जनवरी 2013 को राजस्थान हाई कोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्ति हुए जिसके बाद सात जनवरी 2015 को स्थाई न्यायाधीश बने और पांच फरवरी 2024 को वह गुवाहाटी हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश नियुक्त हुए। जस्टिस अतुल एस चंदुरकर 1988 में अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत हुए बांबे हाई कोर्ट और नागपुर में उन्होंने वकालत की। 21 जून 2013 को वह बांबे हाई कोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्ति हुए।

पूर्व न्यायाधीश पर आपत्तिजनक टिप्पणी वाले वीडियो पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने पूर्व न्यायाधीश बेला एम त्रिवेदी पर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए संबंधित वीडियो दिखाने पर रोक लगाने के साथ ही उसे यूट्यूब चैनल से तत्काल हटाने का निर्देश दिया है।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति ए एस चंद्रूकर की पीठ ने शुक्रवार को अपने आदेश में 'वरप्रैड मीडिया इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' के एडिटर इन चीफ अजय शुक्ला को वीडियो को अपने चैनल से हटाने का निर्देश दिया।

शीर्ष न्यायालय ने अपने आदेश में कहा,हम रजिस्ट्री (सुप्रीम कोर्ट की) को अजय शुक्ला के खिलाफ स्वत: संज्ञान अवमानना का मामला दर्ज करने का निर्देश देते हैं। यूट्यूब चैनल को प्रतिवादी पक्ष बनाया जाएगा। अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल से अनुरोध है कि वे इस मामले में अदालत की सहायता करें। अंतरिम आदेश के तहत हम यूट्यूब चैनल को वीडियो के प्रसारण को रोकने और तत्काल इसे हटाने का निर्देश देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वीडियो में शीर्ष अदालत की एक पूर्व न्यायाधीश के खिलाफ अपमानजनक आरोप हैं।

पीठ ने कहा,श्री शुक्ला ने उक्त वीडियो क्लिप में इस न्यायालय की एक वरिष्ठ न्यायाधीश के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की हैं। यूट्यूब पर व्यापक रूप से प्रसारित इस तरह के अपमानजनक आरोपों से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचने की आशंका है।

शीर्ष अदालत ने स्वत: संज्ञान लेकर न्यायालय की अवमानना का आपराधिक मामला शुरू किया। पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि भारत का संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, लेकिन इस अधिकार का दुरुपयोग न्यायाधीशों के खिलाफ अपमानजनक आरोप लगाने के लिए नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने कहा,इसमें कोई संदेह नहीं है कि संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। इस तरह के अधिकार पर उचित प्रतिबंध हैं और इस न्यायालय के न्यायाधीश के बारे में अपमानजनक आरोप लगाने या न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाले अपमानजनक आरोप लगाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

पाक हमले का शिकार बने घरों को मात्र 6500 का मुआवजा

जम्मू में पाकिस्तानी ड्रोन से हुआ था लाखों का नुकसान

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 30 मई।

रिहाड़ी इलाके के निवासी इसे मुआवजा नहीं बल्कि एक क्रूर मजाक कह रहे हैं, सरकार ने जम्मू शहर में पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद जिन लोगों के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें प्रति घर मात्र 6,500 रुपए दिए हैं।

भारतीय सेना द्वारा रोके गए ड्रोन ने घनी आबादी वाले इलाके में मलबा फैला दिया, जिससे कई घर क्षतिग्रस्त हो गए और कई निवासी घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद, जिला प्रशासन और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने घटनास्थल का दौरा किया और पीड़ितों को पर्याप्त मुआवजा देने का आश्वासन दिया। पर हफ्तों बाद, मुआवजा आया मरम्मत दल या पुनर्निर्माण निधि के साथ नहीं, बल्कि 6,500 रुपए के मामूली चेक के साथ। रिहाड़ी के कई लोगों के लिए, यह विडंबना और भी तीखी हो सकती है। प्रभावित निवासियों में से एक रंजीत कुमार कहते थे कि वे मेरे घर के बाकी हिस्सों को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं, शायद इस तरह से कम से कम यह राशि तर्कसंगत लगेगी।

यह मुआवजा नहीं है। यह मजाक है, साफ और स्पष्ट। इसी घर में रहने वाले नीरज गुप्ता ने इस राशि को बेतुका बताया और कहा, टूटी हुई खिड़कियों के शीशे बदलने में भी 30,000 रुपए खर्च होते हैं।

6,500 रुपए का हम क्या करेंगे? इसे फ्रेम करके दीवार पर टांग दें, ताकि सरकार की चिंता का एहसास हो? दरअसल सरकार द्वारा सभी प्रभावित परिवारों के लिए एक समान मुआवजा दिया गया, लेकिन हर मामले में नुकसान की वास्तविक सीमा का हिसाब नहीं लगाया गया।

चाहे घर की कुछ टाइलें टूटी हों या छत गिर गई हो, सरकार ने मुआवजे की एक ही झाड़ू चलाई, 6,500 रुपए की।

यह सिर्फ पैसे की बात नहीं है, यह सम्मान की बात है। एक अन्य निवासी ने नाराजगी में कहा, हमें मदद की उम्मीद थी। इसके बजाय हमें सरकारी मुहरों के साथ अपमान मिला। सरकार के इस क्रूर मजाक के प्रति इलाके में गुस्सा और अविश्वास का माहौल है।

जबकि सरकार मुआवजा जारी करने के साथ मामले को बंद मान सकती है, निवासी अब मांग कर रहे हैं कि प्रशासन मरम्मत के काम की जिम्मेदारी ले। कई लोगों ने यह भी कहा कि सरकार अपना पैसा वापस ले ले और हमें हमारे घर वापस दे दो। एक ऐसे शहर में जो अक्सर सीमा पार तनाव की अग्रिम पंक्ति में रहता है, इस घटना ने आपदा प्रतिक्रिया तंत्र के साथ बढ़ते मोहभंग में एक और परत जोड़ दी है। फिलहाल, रिहाड़ी में, घरों से ज्यादा टूटी हुई एकमात्र चीज शासन में भरोसा हो सकता है।

हालांकि रिहाड़ी में पाक गोलाबारी के दौरान क्षतिग्रस्त हुए घरों को केवल 6,500 प्रदान किए जाने की कुछ रिपोर्टों के जवाब में, जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि निर्धारित मानदंडों के अनुसार, गोलाबारी से सीधे प्रभावित होने वाले मुख्य घर को 1,20,000 की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। आस-पास के घरों, जिन्हें मामूली क्षति हुई है, लेकिन वे सीधे प्रभावित नहीं हुए हैं, को मामूली संरचनात्मक क्षति के मुआवजे के लिए मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार प्रत्येक को 6,500 प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा, गोलाबारी के कारण मामूली रूप से घायल हुए व्यक्तियों को जिला प्रशासन द्वारा तत्काल राहत के रूप में प्रत्येक को 10,000 की राशि दी गई है, जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को प्रत्येक को 35,000 की सहायता दी गई है।

जिला प्रशासन सभी प्रभावित परिवारों की चिंताओं को दूर करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से उत्पन्न होने वाली हर वास्तविक आवश्यकता को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जा रहा है। हम प्रभावित निवासियों के साथ एकजुटता में खड़े हैं और हर संभव तरीके से उनका समर्थन करने के अपने संकल्प की पुष्टि करते हैं।

एलओसी और इंटरनेशनल बॉर्डर पर बिछेगा बंकरों का जाल

जम्मू, 30 मई (ब्यूरो)। पाकिस्तान से सटी 814 किमी लंबी एलओसी और 264 किमी लंबे इंटरनेशनल बॉर्डर पर अब बंकरों के जाल नजर आएंगे। केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के इरादों को भांपते हुए सीमा पर बंकरों की संख्या दोगुनी करने का फैसला लिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज पुंछ में एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

दरअसल आपरेशन सिंदूर के आरंभ होते ही पाक सेना ने जम्मू कश्मीर की पाकिस्तान से सटी सीमाओं पर जबरदस्त गोलों की बरसात कर दी जिस कारण 21 लोगों की मौत हो गई। सैकड़ों मकान ढह गए। ड्रोन व मिसाइल हमलों के शिकार जम्मू शहर के लोग भी हुए तो चारों ओर से बंकरों के निर्माण की मांग की जाने लगी। आधिकारिक तौर पर अभी तक सीमाओं पर 90 हजार के करीब बंकर बनाए जा चुके हैं जिनकी संख्या अब दोगुनी की जाएगी।

याद रहे करगिल युद्ध के दौरान करगिल भारत का पहला अपने किस्म का प्रथम कस्बा था जहां लोग रातों को अपने मेहनत मजदूरी कर, पेट काट कर, धन जोड़ कर बनाए गए घरों में नहीं बल्कि पत्थरों के बिछौने रूपी बंकरों में काटते थे।

करगिल युद्ध के बाद करगिल कस्बे समेत एलओसी के कई कस्बों में शायद ही कोई घर होगा जहां बरामदे में बंकर का निर्माण न किया गया होगा। देखा जाए तो आज यह बंकर इन परिवारों के लिए जीवन का एक अभिन्न अंग हो गया है जिसके बिना मौत तो पूरी है जिन्दगी अधूरी है।

करगिल कस्बे के लोगों को बंकरों की आवश्यकता करगिल युद्ध के दो साल पहले तक नहीं थी।

ऐसा इसलिए था क्योंकि तब पाक तोपें किसी प्रकार की मौत की बरसात नहीं करती थीं लेकिन न जाने क्यों फिर उनका रुख परिवर्तन हो गया और अब वे समय-असमय बस इसी ताक में रहते हैं कि किसी प्रकार एलओसी से सटे कस्बों को भूतहा बना दिया जाए।

ऐसी ही हालत एलओसी पर 1947 से ही थी।

पर बंकरों की कमी के चलते सीमावासियों को मौत को गले लगाने पर मजबूर होना पड़ रहा था। फिर 1995 में तारबंदी के कार्य के शुरू होने के साथ ही तब अपनी जान बचाने के लिए बंकरों की सहायता लेने के लिए जब बंकरों का निर्माण आरंभ किया गया था तो यह कार्य जितना आसान लगा था उतना था नहीं।

खुदाई के लिए एक चोट अगर गांव वालों द्वारा जमीन पर डाली जाती थी तो पाकिस्तानी तोपों की ओर से एक गोला उनके पास दागा जाता था। जिस कठिनाई से कस्बे वालों ने बंकरों का निर्माण किया था वे ही जानते हैं। हमेशा आग उगलने वाली भारत-पाक नियंत्रण रेखा से सटे इन खतरनाक हो चुके कस्बों में जीवन भी अब बंकरों तक सीमित हो गया है। जो कोई घर से बाहर कार्य के लिए निकलता है वह भी बंकरों के करीब ही कार्य करना पसंद करता है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि जैसे ही आसमान में वे धुएं का सफेद गुबार देखते हैं तो बंकरों की ओर दौड़ पड़ते हैं। यह सफेद गुबार असल में वह धुआं होता है जो पाकिस्तानी तोपों के गोलों के छोड़ने से पैदा होता है।

हालांकि पाकिस्तानी गोलाबारी की आशंका को पहचानने के लिए करगिल कस्बे के लोगों ने और भी निशानियां रखी हुई हैं। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि यह बंकर सभी को बचा पाते हों बल्कि वे कई इन गोलों की बरसात का शिकार हो जाते हैं जो बंकरों तक नहीं पहुंच पाते हैं और वे भी अपने आप को नहीं बचा पाते हैं जिनके बंकरों को कभी कभी तोप के गोल उड़ा देते हैं।

महाराष्ट्र की राजनीति में नया मोड़

एनसीपी के दोनों गुटों के विलय के बीच अहम भूमिकाओं को लेकर टकराव की आशंका

मुंबई, 30 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एन-सीपी) के दो धड़ों के बीच विलय को लेकर अटकलों के बढ़ने के साथ ही अजित पवार के खेमे के सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल जैसे प्रमुख नेता कथित तौर पर विलय के खिलाफ हैं। सूत्रों के अनुसार, दोनों नेताओं ने विलय होने की स्थिति में सत्ता के बंटवारे और पार्टी के प्रमुख पदों को लेकर अपनी चिंताएँ व्यक्त की हैं। विलय से प्रफुल्ल पटेल और सुप्रिया सुले के बीच प्रमुख केंद्रीय मंत्री पदों के लिए प्रतिद्वंद्विता शुरू हो सकती है, जबकि इस बात को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि क्या जयंत पाटिल को मंत्री पद मिलेगा या वे राज्य अध्यक्ष के पद पर बने रहेंगे। आंतरिक मतभेदों के कारण प्रगति में बाधा उत्पन्न होने के

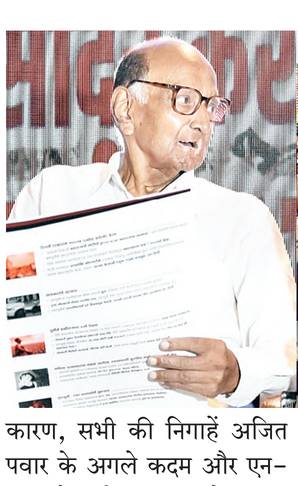

कारण, सभी की निगाहें अजित पवार के अगले कदम और एन-सीपी के भविष्य पर इसके प्रभाव पर टिकी हैं।

हालांकि, सुनील तटकरे ने विलय की चर्चाओं को खारिज करते हुए कहा कि अभी तक कोई आधिकारिक प्रस्ताव नहीं मिला है। सूत्रों ने आगे बताया कि इसी तरह एनसीपी (एसपी) नेता अनिल देशमुख ने भी स्पष्ट किया है कि विलय की चर्चाएं महज मीडिया की अटकलें हैं और पार्टी के भीतर इस पर विचार-विमर्श नहीं हुआ है। हाल ही में शरद पवार ने अपने खेमे में विभाजन को स्वीकार किया, जिसमें एक समूह विलय के पक्ष में था और दूसरा दक्षिणपंथी ताकतों से लड़ने के लिए इसका विरोध कर रहा था। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अंतिम निर्णय सुप्रिया सुले जैसे युवा नेताओं के हाथ में होगा। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अजित पवार गुट पर कटाक्ष करते हुए उनके विरोधाभासी रुख की ओर इशारा किया। उन्होंने टिप्पणी की कि वे शरद पवार को अपना नेता मानते हैं और एकता में रुचि दिखाते हैं, लेकिन वे विलय का विरोध करते हैं और मोदी की मुख्य दुकान के साथ-साथ अपनी छोटी दुकान को बनाए रखना पसंद करते हैं।

हाल ही में एक साक्षात्कार में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शरद पवार की दृढ़ता और कार्य नैतिकता की प्रशंसा की, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि एनसीपी के दो धड़ों के बीच विलय की बातचीत के बीच भाजपा वरिष्ठ पवार के प्रति अपना रुख नरम कर सकती है। हालांकि, महाराष्ट्र के महायुति गठबंधन में भी दरार देखी जा सकती है, जहां भाजपा विधायकों और मंत्रियों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हालिया राज्य दौरे के दौरान कथित तौर पर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के खिलाफ शिकायतें उठाई हैं। अपने गठबंधन के बावजूद, भाजपा नेताओं को इस बात की चिंता बढ़ रही है कि पवार का गुट पुणे, सांगली, पिंपरी-चिंचवाड़, परभणी, जालना और बीड जैसे प्रमुख जिलों में वर्तमान में भाजपा के वर्चस्व वाले स्थानीय स्वशासन निकायों पर नियंत्रण करने के लिए रणनीतिक रूप से पैंतरेबाज़ी कर रहा है।

'पहले आतंकवाद का खात्मा करो'

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ की 'शांति वार्ता' की इच्छा पर भारत की खरी-खरी

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर से जवाब के बाद पाकिस्तान के सुर बदले नजर आ रहे हैं। पाकिस्तानी पीएम शाहबाज शरीफ ने हाल ही में भारत के साथ शांति वार्ता की इच्छा जाहिर की है। इस मामले में भारत की तरफ से दो टूक जवाब सामने आया है। इस्लामाबाद को कड़ा संदेश देते हुए भारत ने गुरुवार को दोहराया कि पाकिस्तान के साथ बातचीत तभी संभव होगी जब वह सीमा पार आतंकवाद को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएगा।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हाल ही में कश्मीर, आतंकवाद, जल और व्यापार सहित सभी लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए भारत के

साथ शांति वार्ता करने की अपनी इच्छा व्यक्त की थी। इस पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को अपनी साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि हम दोहराना चाहेंगे कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते।

जायसवाल ने यह बात तब कही जब उनसे तेहरान में शरीफ की भारत के साथ शांतिपूर्ण समझौता सुनिश्चित करने के संबंध में हाल की टिप्पणियों के बारे में पूछा गया था। बता दें कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ ने इस सप्ताह की शुरुआत में तेहरान की यात्रा के दौरान कहा था कि वह कश्मीर, आतंकवाद, जल और व्यापार सहित कई विवादास्पद मुद्दों पर भारत के साथ बातचीत फिर से शुरू करना चाहेंगे।

जायसवाल ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत पाकिस्तान के साथ केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को सौंपने और आतंकवाद के मुद्दे पर ही बातचीत करेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को उन आतंकवादियों को भारत को सौंपना होगा, जिनकी सूची हमने कुछ साल पहले उन्हें सौंपी थी।

सिंधु जल संधि की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कहा कि जहां तक सिंधु जल संधि का सवाल है, यह तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन नहीं छोड़ देता। इससे पहले पीएम मोदी ने कहा था कि आतंकवाद और वार्ता एक साथ नहीं चल सकते। आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, साथ ही पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।

द ट्रेटर्स से एक्टिंग में डेब्यू करने जा रही बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर, कहा

एक्टिंग तो मेरे खून में है

फिल्म निर्माता-निर्देशक बोनी कपूर की बेटी और अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर अब अभिनय जगत की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अंशुला प्राइम वीडियो की सीरीज 'द ट्रेटर्स' से डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, जिसे करण जौहर होस्ट करेंगे। होस्ट करण जौहर ने शुक्रवार को सीरीज के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अंशुला से पूछा, क्या आप गेम में आगे बढ़ने के लिए किसी को धोखा दे सकती हैं?

जवाब देते हुए अंशुला ने बताया, आपने मुझे मासूम और शांत कहा, मैं ऐसी दिख सकती हूं, मैं प्यारी भी दिख सकती हूं, लेकिन एक्टिंग तो मेरे खून में है। मैं आत्मविश्वास से भरपूर हूं और यही मेरी खूबी है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान करण जौहर ने बताया कि यह शो झूठ, धोखे और ड्रामे से भरा है। वह न सिर्फ गेम को कंट्रोल करेंगे, बल्कि 20 प्रतियोगियों के बीच होने वाले झगड़े और साजिशों को भी करीब से देखेंगे।

प्राइम वीडियो इंडिया के हेड ऑफ ओरिजिनल्स निखिल माधोक ने कहा, प्राइम वीडियो पर हम हमेशा कुछ नया और अलग पेश करने की कोशिश करते हैं। 'द ट्रेटर्स' के साथ हम एक ऐसे फॉर्मेट में उतर रहे हैं जैसा भारत ने पहले कभी नहीं देखा। ट्रेलर तो सिर्फ एक झलक है। यह एंटरटेनमेंट को एक नए लेवल पर ले जाएगा। यह ट्रस्ट और धोखे की सबसे बड़ी परीक्षा है, जहां खिलाड़ी हर वक्त शक और साजिश के माहौल में खेलते हैं और उनका माइंड ही उनका सबसे बड़ा हथियार होता है। हमें इस शानदार प्रोजेक्ट पर काम करने की खुशी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के भारतीय वर्जन में 20 मशहूर हस्तियां हैं, जिनमें अंशुला कपूर के साथ अपूर्वा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरौजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जानवी गौर, जैस्मीन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, निकिता लूथर, राज कुंद्रा, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और ऊर्फी जावेद समेत अन्य के नाम शामिल हैं। ये 20 कंटेस्टेंट राजस्थान के शानदार सूर्यगढ़ पैलेस में नकद पुरस्कार और खिताब जीतने के लिए आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेंगे। यह शो 12 जून से शुरू होगा और हर गुरुवार रात 8 बजे प्राइम वीडियो पर इसका प्रीमियर होगा।

शानदार कहानी के साथ, फिल्म षष्ठिपूर्ति उच्च तकनीकी मानकों वाली होगी : आकांक्षा सिंह

डॉ. राजेंद्र प्रसाद और अर्चना अभिनीत फिल्म षष्ठीपूर्ती, जिसमें रूपेश और आकांक्षा सिंह मुख्य भूमिका में हैं और पवन प्रभा द्वारा निर्देशित, रूपेश द्वारा एमएए एएआईई प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित है।पहले से रिलीज हो चुके गाने, टीजर और ट्रेलर ने दर्शकों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। मल्ली रावा, देवदास और परम्परा जैसी परियोजनाओं से तेलुगु दर्शकों को प्रभावित करने वाली आकांक्षा सिंह अब षष्ठीपूर्ती लेकर आ रही हैं। फिल्म के प्रचार के हिस्से के रूप में, उन्होंने मीडिया से बातचीत की। मैं काफी समय बाद तेलुगु सिनेमा में वापसी कर रहा हूँ। महामारी ने मेरे लिए एक बड़ा ब्रेक ला दिया। शुरुआत में, नानी की बहन दीप्ति गंटा द्वारा निर्देशित मीट क्यूट को सिनेमाघरों में रिलीज़ करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन अंततः इसे ओटीटी पर रिलीज़ किया गया। अब षष्ठीपूर्ती को सिनेमाघरों में रिलीज़ किया जा रहा है।

फिल्म अद्भुत और तकनीकी रूप से बेहतरीन है। इलैयाराजा का संगीत निश्चित रूप से सभी को प्रभावित करेगा।षष्ठीपूर्ती में मैं जानकी नाम की एक लड़की का किरदार निभा रही हूँ। मैं कहानी सुनने के लिए हैदराबाद आई थी और जैसे ही मैंने इसे सुना और अपनी भूमिका के बारे में जाना, मैंने इसे करने के लिए हामी भर दी। आज के समय में ऐसी कहानियों की बहुत ज़रूरत है। मैंने एक ग्रामीण लड़की की भूमिका निभाई है और मैं एक मंदिर की कोषाध्यक्ष के रूप में नजर आऊँगी। मैं इस फ़िल्म में एक पारंपरिक तेलुगु महिला के रूप में नजर आऊँगी।

जान्हवी, मौनी, तमन्ना, खुशी : भारतीय अभिनेत्रियाँ बन रहीं ग्लोबल फैशन आइकन

भारतीय अभिनेत्रियाँ अब वैश्विक फैशन जगत में अपना परचम लहरा रही हैं, लक्ज़री ब्रांड्स के लिए नई ग्लोबल एंबेसडर बन रही हैं। यह बदलता परिदृश्य भारत के बढ़ते प्रभाव और भारतीय सौंदर्य की अंतरराष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है। ये अभिनेत्रियाँ न केवल प्रतिष्ठित ब्रांड्स का चेहरा बन रही हैं, बल्कि वैश्विक रेड कार्पेट पर भी अपनी शैली का जादू बिखेर रही हैं। जबसे अंतरराष्ट्रीय फैशन जगत ने भारतीय सिनेमा की इन अदाकाराओं को अपना नया म्यूज बनाया है, लक्ज़री फैशन ब्रांड्स इन सितारों के साथ तेजी से साझेदारी कर रहे हैं, क्योंकि वे इनकी गहरी और वैश्विक प्रभावशीलता को पहचानते हैं। यह केवल सुंदर तस्वीरों के लिए नहीं, बल्कि यह दर्शाने के लिए भी है कि अब दुनिया भारतीय फैशन और प्रभाव को किस नज़र से देख रही है।

जान्हवी कपूर: कान्स फिल्म फेस्टिवल में जान्हवी ने अपनी विंटेज धडङ ब्लैक हॉल्टर बैकलेस ड्रेस में शानदार डेब्यू किया। यह ड्रेस ऑड्री हेपबर्न की झलक देती थी, जिसे जान्हवी ने अपनी अनूठी स्टाइल से और भी खास बना दिया। उनका यह लुक वैश्विक फैशन जगत में खूब सराहा गया।

मौनी रॉय: कान्स फिल्म फेस्टिवल में मौनी की दूसरी प्रस्तुति भी उतनी ही यादगार रही, जितनी 2023 में उनकी पहली उपस्थिति थी। इस बार मौनी ने कैरोलीन कॉउचर का एक बेहतरीन नेवी ब्लू ऑफ-शोल्डर गाउन पहना और शोपार्ड के शानदार गहनों के साथ अपने लुक को पूरा किया, जो बिल्कुल जादुई अंदाज़ में था।

तमन्ना भाटिया: मिलान फैशन वीक में तमन्ना भाटिया ने रोबर्टो कावाली के एनिमल प्रिंट वाले आउटफिट में शिरकत की, तो सभी की नज़रें उन्हीं पर टिकी रहीं। फ्रिंज डिटेलिंग और बोल्ड अंदाज़ में उन्होंने यूरोपीय स्क्वायर की सैर करते हुए अपने लुक को पूरी तरह से अपना बना लिया, जो उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है।

खुशी कपूर: खुशी कपूर एक चमचमाती विविएन वेस्टवुड की गिल्डेड चैनमेल गाउन में किसी लाखों में एक जैसी लग रही थीं। उनकी यह खूबसूरत और एलिगेंट पसंद कार्टियर ज्वैलरी और डायर बैग के साथ पूरी हुई, जिससे उनका लुक और भी निखर गया।

इन सहयोगों का मक़सद सिर्फ सुंदर तस्वीरें नहीं हैं, बल्कि यह दिखाना भी है कि अब दुनिया भारतीय फैशन और प्रभाव को किस नज़र से देख रही है। हमारी अभिनेत्रियाँ अब अंतरराष्ट्रीय रेड कार्पेट्स पर शिरकत कर रही हैं और लक्ज़री ब्रांड्स के साथ काम कर रही हैं, ये साबित कर रही हैं कि बेहतरीन फैशन की कोई सीमा नहीं होती।

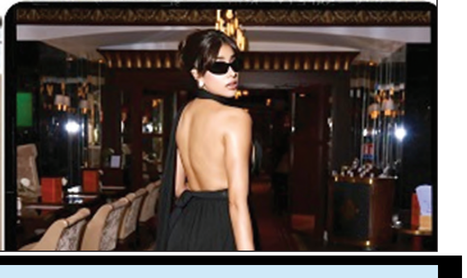

श्वेता त्रिपाठी बनेंगी थिएटर निर्माता लाएंगी समलैंगिक मुद्दे पर नाटक

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी जल्द ही थिएटर निर्माता के रूप में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। वह एक मशहूर ब्रिटिश नाटक 'कॉक' का मंचन करेंगी। यह उनका पहला प्रोडक्शन होगा, जिससे वह थिएटर की दुनिया में कदम रख रही हैं। इस नाटक का पहला शो 6 जून को दिल्ली में मैक्स मुलर भवन में होगा। फिर 10 जून को मुंबई में पृथ्वी थिएटर में इसका प्रदर्शन होगा।

प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए श्वेता [illegible] कहा, मुझे थिएटर हमेशा से बहुत पसंद रह[illegible] है। थिएटर में सब कुछ सीधे-सादे तरीके [illegible] सामने आता है, कोई भी चीज छुपाई नह[illegible] जा सकती। 'कॉक' बनाना मेरे लिए एक[illegible] व्यक्तिगत और रचनात्मक फैसला है, मेर[illegible] मानना है कि कहानियों में दुनिया की सार[illegible] सच्चाई और खूबसूरती दिखनी चाहिए। श्वेत[illegible] अपनी थिएटर प्रोडक्शन कंपनी ऑलमायट[illegible] के तहत इस नाटक का निर्माण कर रही हैं[illegible] इस नाटक का निर्देशन यूके में रहने वाल[illegible] मनीष गांधी कर रहे हैं। इसमें रिताशा राठौड़[illegible] तन्मय धनानिया, साहिर मेहता और हर्ष सिंह[illegible] जैसे कलाकार शामिल हैं।श्वेता के लिए इस नाटक पर काम करना बेहद खास बात है, क्योंकि यह नाटक समलैंगिक प्यार और प्राइड मंथ को सेलिब्रेट करता है। जून महीने को एलजीबीटीक्यू समुदाय के लिए प्राइड मंथ के रूप में मनाया जाता है और ये कहानियां उन्हें सम्मान देने के लिए समर्पित हैं। इसलिए, इस महीने में इस नाटक को दिखाना बहुत मायने रखता है। यह नाटक माइक बार्टलेट नाम के ब्रिटिश लेखक ने लिखा है और मनीष गांधी इसका निर्देशन कर रहे हैं। यह नाटक बहुत गहरी और भावुक कहानी है। इसमें बताया गया है कि इंसान अपनी पहचान और अपने प्यार के बारे में कैसे सोचता है और ये चीजें कैसे बदलती रहती हैं। कहानी एक ऐसे आदमी की है जो अपने लंबे समय के पुरुष साथी और एक नई महिला के प्रति अपनी भावनाओं के बीच उलझा हुआ है। नाटक उसके दिल की भावनाओं को सीधे-सादे तरीके से पेश करता है।

व्हाइट वन-शोल्डर ड्रेस में पलक तिवारी ने दिखाया कातिलाना अंदाज़

सोशल मीडिया सेंसेशन और एक्ट्रेस पलक तिवारी ने एक बार फिर अपने फैशन सेंस से फैंस को दीवाना बना दिया है। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह व्हाइट वन-शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं। ब्लू बैकग्राउंड के सामने स्टाइलिश पोज़ देती पलक का यह लुक काफी एलिगेंट और ग्लैमरस लग रहा है।तस्वीरों में पलक ने सिंपल लेकिन स्टाइलिश व्हाइट ड्रेस पहनी है, जिसमें लेस डिटेलिंग और प्लीटेड हेमलाइन है। इसके साथ उन्होंने हाथों में कई ब्रैसलेट्स पहन रखे हैं जो उनके लुक को कम्प्लीट कर रहे हैं। बाल खुले और मेकअप न्यूड टोन में रखा गया है, जो उनके नेचुरल ब्यूटी को और निखार रहा है।फैंस के कमेंट्स भी देखने लायक हैं। एक यूजर ने लिखा- अब तक की सबसे खूबसूरत लड़की, तो किसी ने उन्हें फैशन डीवा कहा।

पोस्ट पर अब तक 50 हजार से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं और कमेंट्स की बौछार लगी हुई है।पलक तिवारी ने कुछ ही समय में इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना ली है। चाहे वो म्यूज़िक वीडियो हो, रेड कार्पेट इवेंट्स हों या सोशल मीडिया पोस्ट्स, हर बार उनका लुक चर्चा में आ ही जाता है। उनका ये लेटेस्ट फोटोशूट इस बात का सबूत है कि वह सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि फैशन में भी ट्रेंडसेटर बन चुकी हैं।

शुक्र आज करेंगे मेष राशि में गोचर

आज 31 मई 2025 को सुबह 11:42 मिनट पर शुक्र मेष राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में 29 जून तक रहेगा। इस ग्रह का शुभ-अशुभ असर लव लाइफ, पैसा, ऐश्वर्य, आनंद, मकान, वाहन, ज्वैलरी, कॉस्मेटिक सामान आदि मामलों पर होता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि 31 मई 2025 को शुक्र मेष राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में 29 जून तक रहेगा। 29 जून को शुक्र वृषभ राशि में प्रवेश कर जाएंगे। वैवाहिक जीवन में भी शुक्र की स्थिति का असर पड़ता है, यदि कुंडली में शुक्र अच्छी स्थिति में है तो दांपत्य जीवन सुखद रहता है। वहीं शुक्र की दुर्बल स्थिति व्यक्ति के वैवाहिक जीवन को खराब कर सकती है।

शनि व बुध शुक्र के मित्र ग्रहों में आते है। शुक्र ग्रह के शत्रुओं में सूर्य व चन्द्रमा है। शुक्र के साथ गुरु व मंगल सम सम्बन्ध रखते हैं। वृषभ एवं तुला राशि के स्वामी शुक्र कन्या राशि में नीच राशिगत संज्ञक तथा मीन राशि में उच्चराशिगत संज्ञक कहे गए हैं।

शुक्र को रचनात्मकता और रोमांस का ग्रह माना जाता है। यह जातक के जीवन विलासिता की स्थिति लेकर आता है। यह जातक के जीवन में प्रेम संबंधों को प्रभावित करता है। शुक्र को विवाह के लिए प्रमुख ग्रहों में से एक माना जाता है। ज्योतिष में शुक्र का विशेष स्थान है। शुक्र देव के शुभ होने पर जातक का सुप्त भाग्य भी जाग जाता है। शुक्र के शुभ होने पर मां लक्ष्मी की भी विशेष कृपा होती है। मां लक्ष्मी को धन की देवी कहा जाता है।

मां लक्ष्मी की कृपा से व्यक्ति का जीवन सुखमय हो जाता है और दुख-दर्द हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। शुक्र ऐश्वर्य,विलासिता और पूर्णतः भौतिकवादी वस्तुओं के कारक हैं। शुक्र को सभी ग्रहों में सबसे चमकदार ग्रह माना जाता है। चूंकि शुक्र एक शुभ ग्रह है इसलिए कुंडली में इसकी अच्छी स्थिति से जातकों को जीवन में कई सुख सुविधाएँ मिलती हैं लेकिन मुख्य रुप से प्रेम, भौतिक सुखों में इसकी मजबूती से वृद्धि होती है।

प्रभाव

शुक्र के पास अमृत संजीवनी है और शुक्र पृथ्वी के साथ है। वस्तुओं की लागत बढ़ सकती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी शुभ असर देखने को मिलेगा। ललित कलाओं की तरफ आप का रूझान हो सकता है। यदि आप मनोरंजन के क्षेत्र से जुड़े हैं तो आपको शुभ फल प्राप्त होगा। वहीं मीडिया आदि के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को भी यह शुक्र लाभ कराने वाला होगा। जॉब और बिजनेस से संबंधित परेशानियां दूर होंगी। जॉब बदलने का विचार मन में है तो यह समय आपके लिए उत्तम रहेगा। व्यवहार में सौम्यता लाएगा। शुक्र का गोचर मान सम्मान में वृद्धि और

प्रमोशन का कारक भी बन सकता है। इस दौरान भटकाव की स्थिति से बचना होगा।

शुक्र के उपाय

मां लक्ष्मी अथवा मां जगदम्बा की पूजा करें। भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे और कुत्ते को दें। शुक्रवार का व्रत रखें और उस दिन खटाई न खाएं। चमकदार सफेद एवं गुलाबी रंग का प्रयोग करें। श्री सूक्त का पाठ करें। शुक्रवार के दिन सफेद वस्त्र, दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग-बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि वस्तुएं दान करें।

पांच राशियों के लिए शुभ समय

शुक्र की चाल में बदलाव होने से मेष, मिथुन, सिंह, धनु और मकर राशि वाले लोगों के लिए अच्छा समय रहेगा। इन 3 राशियों के नौकरीपेशा और बिजनेस करने वाले लोगों को फायदा हो सकता है। कामकाज की तारीफ होगी और आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं। किस्मत का साथ मिलेगा। दुश्मनों पर जीत मिलेगी। लव लाइफ और दांपत्य जीवन में सुख मिलेगा।

तीन राशि वालों के लिए मिला जुला समय

शुक्र के राशि परिवर्तन करने से वृष, कुंभ और मीन राशि वाले लोगों के लिए मिला-जुला समय रहेगा। इन राशि वालों की सेहत में सुधार होगा लेकिन रोजमर्रा के कामों में रुकावटें आ सकती है। पैसा खर्चा हो सकता है। दांपत्य सुख में कमी आ सकती है। साझेदारी संबंधी मामलों में उलझनें आ सकती हैं। बिजनेस के जरूरी फैसले सोच-समझकर लेने होंगे।

चार राशि वालों के लिए अशुभ

शुक्र के राशि बदलने से कर्क, कन्या, तुला और वृश्चिक राशि वाले लोगों को संभलकर रहना होगा। इन राशियों के लोगों के फालतू खर्चे बढ़ सकते हैं। दांपत्य सुख में कमी आ सकती है। राज की बातें उजागर हो सकती है। मेहनत बढ़ेगी। अपोजिट जेंडर वालों से संबंध बिगड़ सकते हैं। विवाद और दौड़-भाग भी हो सकती है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

इन राशियों को शुक्र गोचर से रहेना होगा सावधान

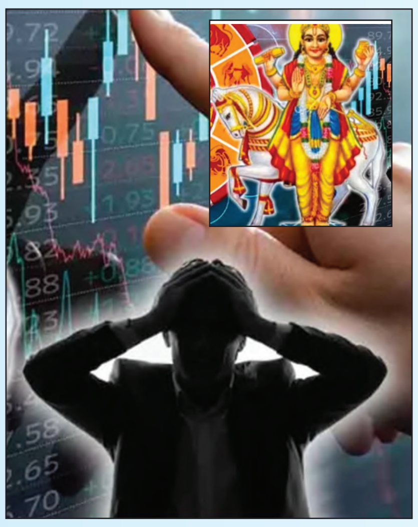

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों का गोचर जीवन में बड़ा असर डालता है। शुक्र को धन और वैभव का ग्रह माना जाता है। 31 मई (शनिवार) को शुक्र का मेष राशि में गोचर होगा, जो कि सभी राशियों के जीवन में असर डालेंगी।

मेष –शुक्र के गोचर से मेष राशि के जातकों को बहुत ही सावधान रहने की जरूरत है। इस दौरान हर बड़े फैसले से पहले सलाह लेने की जरूरत है। लापरवाही नुकसान दे सकती है। इस दौरान क्रोध और अहंकार आपके काम को बिगाड़ सकता है, इसलिए विनम्रता को बनाए रखें।

वृषभ–वृषभ वालों को इस गोचर में कुछ नुकसान उठाना पड़ सकता है। सेहत बिगड़ सकती है, इसलिए इसका विशेष ध्यान रखें। ऑफिस में सहकर्मियों से बहस से बचें, क्योंकि विवाद की स्तिथि बन सकती है। निवेश से पहले बहुत सावधानी बरतें, क्योंकि नुकसान की पूरी-पूरी संभावना है। अपना काम पूरी मेहनत के साथ करें।

कर्क–कर्क राशि के जातकों को नौकरी के दौरान बहुत ही काम करना पड़ सकता है। व्यवसाय करने वाले जातकों को लाभ कम मिलेगा। खर्चे बढ़ेंगे। यह आपको काफी मानसिक तनाव देने वाला होगा।

कन्या–शुक्र का गोचर कन्या राशि वालों को बहुत ही नुकसान देकर जाएगा। व्यवसाय में अचानक से नुकसान होना शुरू होगा, जिससे तनाव की स्थिति बनेगी। आपको अपने व्यवहार में विनम्रता लानी होगी, जिससे कोई विवाद पैदा न हो। किसी से भी मतभेद आपको आर्थिक रूप से तोड़ सकता है। रुपयों को उधार न दें।

शुक्र गोचर से जून में बदलेगा इन पांच राशियों का भाग्य
मेष से मीन राशियों तक पड़ेगा प्रभाव

शुक्र ग्रह 4 महीने के लंबे अंतराल के बाद अपनी उच्च राशि मीन को छोड़कर महीने के आखिरी दिन 31 मई को मेष राशि में प्रवेश करेंगे। शुक्र का यह गोचर 31 मई को सुबह 11 बजकर 17 मिनट पर होगा। मेष राशि में शुक्र का गोचर होने के बाद शुक्र के शुभ प्रभाव में कई गुना वृद्धि होगी। शुक्र गोचर के दौरान मिथुन और वृश्चिक सहित कई राशियों के जीवन में सुख सुविधाएं बढ़ेंगी और प्रेम संबंधों के मामले में आपको शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आपका पारिवारिक जीवन भी खुशियों से भर जाएगा और इस गोचर के शुभ प्रभाव से आपको जून के महीने में धन लाभ कमाने के कई शानदार मौके मिलेंगे।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए शुक्र आपके पहले भाव में गोचर कर रहा है और इस गोचर के कारण आपको धन संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। आप जितना भी पैसा कमाएंगे, उसे बचाने में मुश्किल होगी। रिश्तों में भी कुछ दिक्कतें आ सकती हैं कार्यक्षेत्र में आपको अपने वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों के साथ संबंध बनाए रखने में परेशानी हो सकती है। काम का दबाव भी आप पर बढ़ सकता है। व्यापार में भी कुछ नुकसान हो सकता है, जिसके कारण आप अपेक्षित लाभ नहीं कमा पाएंगे। खर्चों में वृद्धि होगी और समृद्धि सीमित रहेगी। जीवनसाथी के साथ तालमेल की कमी के कारण खुशियों में कमी आ सकती है। आंखों में दर्द और जलन की समस्या हो सकती है।

वृषभ राशि –वृषभ राशि के जातकों के लिए शुक्र 12वें भाव में गोचर कर रहा है। इस गोचर के कारण आप अपने भविष्य को लेकर चिंतित रहेंगे और आध्यात्मिक रूप से झुकाव महसूस करेंगे। इस दौरान आपको अधिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव बढ़ सकता है, जिसके लिए आपको अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए योजना बनाने की आवश्यकता है। व्यापार में ध्यान और योजना की कमी के कारण लाभ में कमी आ सकती है। लापरवाही के कारण धन हानि हो सकती है और जीवनसाथी का सहयोग न मिलने से निराशा और दुख हो सकता है। पैरों और जांघों में दर्द की समस्या हो सकती है।

मिथुन राशि –मिथुन राशि के जातकों के लिए शुक्र आपके 11वें भाव में गोचर कर रहा है। इस गोचर के कारण आपको अपने बच्चों से अधिक खुशी मिलेगी और उनका सहयोग आपको प्रसन्न रखेगा। आप अधिक लाभ कमाने में सफल रहेंगे और आपको कार्यक्षेत्र में नई नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आपको विदेश में भी नौकरी करने का अवसर मिल सकता है। सट्टा कारोबार में आपको अधिक लाभ होगा। आप अधिक धन कमाने और उसे बचाने में सक्षम होंगे। आप इस दौरान धन संचय भी कर सकते हैं और जीवनसाथी के साथ खुशी के पल बिताएंगे और उनका स्नेह प्राप्त करेंगे। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होगी।

कर्क राशि –कर्क राशि के जातकों के लिए शुक्र दसवें भाव में गोचर कर रहा है। इस गोचर के कारण आप अपनी सुख-सुविधाओं में वृद्धि कर पाएंगे। संपत्ति में निवेश कर पाएंगे और आय और व्यय के बीच अच्छा संतुलन बनाए रखने में सक्षम होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको काम का दबाव और नौकरी में बदलाव का सामना करना पड़ सकता है। काम का दबाव बढ़ने से तनाव भी बढ़ सकता है और व्यापार में आप अधिक लाभ नहीं कमा पाएंगे और यदि आप कमाते भी हैं, तो आप अपनी गति को बनाए रखने में सक्षम नहीं होंगे। आप अच्छा पैसा कमा सकते हैं, लेकिन आप अधिक खर्चों से नहीं बच पाएंगे, जो आपकी चिंता का कारण बन सकता है। जीवनसाथी के साथ समझ की कमी के कारण अशांति हो सकती है, जो आपको परेशान कर सकती है। आपको सिरदर्द और उच्च रक्तचाप की समस्या हो सकती है।

सिंह राशि –सिंह राशि के जातकों के लिए शुक्र नौवें भाव में गोचर कर रहा है। इस गोचर के कारण आप अधिक गुणी और सिद्धांतवादी बनेंगे। आप तीर्थ यात्राओं पर अधिक फोकस करेंगे। आप किसी दूसरे स्थान पर भी जा सकते हैं, कार्यक्षेत्र में आपको नौकरी में अधिक लाभ और उन्नति मिलेगी। आपको नए नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आप इस दौरान अच्छी मात्रा में धन अर्जित करने में भाग्यशाली रहेंगे। आप धन संचय भी कर पाएंगे और व्यापार में आपको नए व्यापारिक ऑर्डर मिल सकते हैं, जो आपको इस दौरान उच्च स्तर का लाभ प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। आप इस दौरान अपने जीवनसाथी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने में सक्षम होंगे और उच्च स्तर की खुशी का आनंद लेंगे।

कन्या राशि– कन्या राशि के जातकों के लिए शुक्र आठवें भाव में गोचर कर रहा है। इस गोचर के कारण आप असुरक्षित महसूस कर सकते हैं और खुशियों में कमी आ सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ भी रोमांचक नहीं लगेगा और इसके बजाय आपको निराशा का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में आपको नुकसान हो सकता है क्योंकि आप अपने व्यवसाय को ठीक से नहीं संभाल पाएंगे। आप अपने व्यवसाय की उचित समय-सारणी नहीं बना पाएंगे। अहंकार संबंधी समस्याएं आपके जीवनसाथी के साथ आपकी खुशियों को भंग कर सकती हैं और इस वजह से आप एक स्वस्थ रिश्ते को बनाए रखने में सक्षम नहीं हो सकते। आपको आंखों में दर्द हो सकता है और यह आपकी आंखों में जलन के कारण हो सकता है।

तुला राशि –तुला राशि के जातकों के लिए शुक्र आपके सातवें भाव में गोचर कर रहा है और इस गोचर के कारण आपको नए दोस्त, सहयोगी आदि मिल सकते हैं। प्रभावी संबंध बनाए रखने में भी कुछ बाधाएं आ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आप पर काम का दबाव बढ़ सकता है और आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रभावी संबंध बनाए रखने में भी सक्षम हो सकते हैं। व्यापार में आप इस दौरान मध्यम लाभ बनाए रखने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। आपके अपने व्यापारिक भागीदारों के साथ तटस्थ संबंध हो सकते हैं। आपको अपने जीवनसाथी के साथ मध्यम संबंध बनाए रखने की सलाह है। आपको बड़ी स्वास्थ्य समस्याएं नहीं होंगी, लेकिन आपको इस दौरान खांसी और सर्दी होने की संभावना है।

वृश्चिक राशि –वृश्चिक राशि के जातकों के लिए शुक्र छठे भाव में गोचर कर रहा है और इस गोचर के कारण आपको रिश्तों में समस्याएं और अधिक लाभ प्राप्त करने में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको अपेक्षित लाभ नहीं मिलेगा क्योंकि आप पर काम का दबाव अधिक रहेगा। व्यापार में आपको प्रतिस्पर्धा के कारण परेशानी हो सकती है। आपके रिश्ते में गलतफहमी के कारण गरमागरम बहस हो सकती है। आपको इस दौरान अपने जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है, जिससे आपको परेशानी हो सकती है।

धनु राशि – धनु राशि के जातकों के लिए शुक्र पांचवें भाव में गोचर कर रहा है। इस गोचर के कारण आप अपने भविष्य और उसकी प्रगति के बारे में चिंतित रहेंगे। आपको कर्ज का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी नौकरी में अधिक दक्षता दिखाने में सक्षम नहीं हो सकते हैं और इस वजह से आपको काम में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। व्यापार में आपको अधिक लाभ प्राप्त करने में अपेक्षित सफलता नहीं मिलेगी क्योंकि आप अपने प्रतिस्पर्धियों के साथ उलझ सकते हैं। आपको अपने जीवनसाथी के साथ अपने रिश्ते में सुरक्षित महसूस नहीं होगा, क्योंकि मतभेद होने की संभावना है। आपको अपने बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है क्योंकि उन्हें एनीमिया की समस्या हो सकती है।

मकर राशि – मकर राशि के जातकों के लिए शुक्र चौथे भाव में गोचर कर रहा है और इस गोचर के कारण आप असुरक्षित महसूस कर सकते हैं। आपको परिवार में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको अपने सहकर्मियों के साथ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और इससे काम से संबंधित विकास की तीव्रता कम हो सकती है। व्यापार में आप मध्यम लाभ प्राप्त कर सकते हैं और आपको प्रतिस्पर्धियों से उच्च समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपको इस दौरान अपने जीवनसाथी के साथ पारिवारिक मुद्दों के कारण विवादों का सामना करना पड़ सकता है। आपको इस दौरान जांघों और पैरों में दर्द हो सकता है और यह तनाव के कारण हो सकता है।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों के लिए शुक्र आपके तीसरे भाव में गोचर कर रहा है और इस गोचर के कारण आप इस दौरान अपना स्थान बदल सकते हैं। आप अधिक भाग्य की कामना कर सकते हैं और आपको वह मिल भी सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको नौकरी के क्षेत्र में विस्तार की अधिक गुंजाइश दिखाई दे सकती है। आप अधिक लाभ से प्रेरित हो सकते हैं। व्यापार में आप अपनी अपेक्षाओं के अनुसार अधिक लाभ कमा सकते हैं और आपको आगे नए व्यावसायिक अवसर भी मिल सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी के साथ आसान समायोजन के कारण अधिक खुशी देख सकते हैं। आप में अधिक साहस हो सकता है।

मीन राशि – मीन राशि के जातकों के लिए शुक्र दूसरे भाव में गोचर कर रहा है। इस गोचर के कारण आपको अधिक विकास प्राप्त करने, लाभ की कमी और आत्मविश्वास की कमी का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको इस दौरान अच्छे समय की कमी के कारण नौकरी बदलने की आवश्यकता हो सकती है। व्यापार में आपको इस दौरान अधिक नुकसान हो सकता है क्योंकि आप अपने वर्तमान व्यवसाय में प्रभावी रणनीतियों का पालन नहीं कर रहे हैं। आपको अपने जीवनसाथी के साथ अपनी भाषा का ध्यान रखने की आवश्यकता है और यदि आप ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपको असंतुलित आहार के कारण पाचन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

सूर्य पर्वत पर हो गोल निशान, तो जानें कैसा होगा आपका जीवन?

अपने हाथ को आप दिन में कई बार देखते होंगे। यदि आपको ऐसे में पता चल जाए कि आपकी अनामिका उंगली यानी रिंग फिंगर के नीचे अगर गोलाकार चिह्न बना है, तो कैसा रहेगा। यह निशान आपको आपके भविष्य के बारे में क्या बता सकता है। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, सूर्य पर्वत पर गोलाकार निशान को बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा व्यक्ति यदि किसी सरकारी नौकरी की तैयारी पूरी मेहनत से करता है, तो उसे सफलता मिलने की संभावना बहुत अधिक होती है।

यदि किसी कारण से सरकारी नौकरी नहीं मिलती है, तो भी वह सरकार से जुड़े काम करने पर सफलता हासिल कर सकता है। यदि सरकारी नौकरी नहीं मिली, तो प्राइवेट सेक्टर में नौकरी करते हुए भी वह प्रशासनिक पद या लीडरशिप के रोल में रह सकता है।

पद और प्रतिष्ठा मिलती है

दरअसल, सूर्य को पिता, मान-सम्मान, पद और प्रतिष्ठा का कारक भी मान जाता है। लिहाजा, सूर्य पर्वत के नीचे गोले का निशान बताता है कि व्यक्ति के पिता भी प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे। उसे पिता से भी अच्छी खासी संपत्ति मिलेगी। ऐसे लोगों को पैतृक संपत्ति से लाभ भी होता है। इसके अलावा ऐसे जातकों को समाज में बहुत मान-सम्मान मिलता है। वे जहां भी जाते हैं, राजाओं की तरह उनका सम्मान किया जाता है।

धार्मिक और ईमानदार होते हैं

सूर्य को धर्म से जोड़कर भी देखा जाता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, सूर्य पर्वत पर गोल निशान वाले लोग बहुत धार्मिक होते हैं। पूजा-पाठ और धर्म-कर्म में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। इन्हें कोई गलत बात बर्दाश्त नहीं होती है। अपने काम के प्रति ऐसे लोग बहुत ईमानदार होते हैं।

विषम परिस्थिति में नहीं डरते

सूर्य पर्वत पर गोले का निशान सात्विक जीवन और उच्च विचार का भी संकेत देता। ऐसे लोगों के विचार बहुत अच्छे होते हैं और वे समाज की भलाई के लिए सोचते हैं। यदपि उन्हें कई बार गुस्सा बहुत तेज आता है। मगर, यह गुस्सा किसी को नुकसान पहुंचाने की जगह लोगों की भलाई के लिए होता है।

जून में केवल शादी के पांच मुहूर्त, इसके बाद करना होगा पांच महीने इंतजार

6 जुलाई को देवशयनी एकादशी के दिन सृष्टि के संचालन कर्ता विष्णु संचालन का दायित्व देवाधिदेव महादेव को सौंपकर योग निद्रा में चले जाएंगे। इसके साथ ही मांगलिक कार्य नहीं होंगे।देवउठनी एकादशी से फिर से विवाह के शुभ मुहूर्त शुरू होंगे। जून माह में सबसे कम विवाह मुहूर्त हैं। इसके बाद पांच माह विवाह नहीं होंगे।

गुरु के अस्त होने से नहीं होंगे विवाह

ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि 9 जून को एक माह के लिए गुरु अस्त हो जाएंगे। इसके बाद मांगलिक कार्य के लिए 4 माह 22 दिन इंतजार करना होगा।

जून गर्मी की तपिश और लंबे दिनों वाला महीना होता है, जो खुशी और विकास के मौसम की शुरुआत करता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, जून में विवाह समारोहों के लिए सबसे कम तिथियां उपलब्ध हैं। 2, 4, 5, 7 और 8 जून शादी करने के लिए अनुकूल हैं।

जून 2025: जानिए शुभ विवाह मुहूर्त

2 जून, सोमवार: सुबह 8 बजकर 21 मिनट से रात 8 बजकर 34 मिनट तक, नक्षत्र मघा।

4 जून , बुधवार: सुबह 8 बजकर 29 मिनट से 5 जून सुबह 5 बजकर 32 मिनट तक, नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी, हस्त।

5 जून, बृहस्पतिवार: सुबह 5 बजकर 23 मिनट बजे से सुबह 9 बजकर 14 मिनट तक, नक्षत्र हस्त।

7 जून , शनिवार: सुबह 9 बजकर 40 मिनट से सुबह 11 बजकर 18 मिनट तक, नक्षत्र स्वाती।

8 जून , रविवार: दोपहर 12 बजकर 18 मिनट से दोपहर 12 बजकर 42 मिनट तक, नक्षत्र विशाखा, स्वाती।

6 जुलाई को देवशयनी एकादशी

भगवान विष्णु 6 जुलाई को देवशयनी एकादशी के दिन योग निद्रा में चले जाएंगे और एक नवंबर को देवउठनी एकादशी के दिन जागेंगे। गुरु ग्रह, जिसे बृहस्पति भी कहा जाता है, नौ जून को अस्त हो जाएंगे और नौ जुलाई को उदय होंगे। गुरु अस्त होने के बाद कोई मांगलिक रार्य नहीं होते हैं।

संपादकीय

'सिंदूर' की सियासत

पाक परस्त आतंकवाद और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर खूब सियासत हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी शहर-शहर जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं। खूब तालियां और नारेबाजी बटोर रहे हैं। विपक्ष और खासकर कांग्रेस साररूप में 'ऑपरेशन सिंदूर' और मोदी सरकार की विदेश नीति को नाकाम करार दे रही है। विपक्ष की व्याख्या है कि मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत अकेला रहा, जबकि पाकिस्तान के साथ चीन, तुर्किये, अजरबैजान आदि देश सक्रिय रूप से जुड़े रहे। विपक्ष सेना के शौर्य, पराक्रम और प्रहारों की प्रशंसा कर रहा है, लेकिन सरकार को हर स्तर पर नाकाम आंक रहा है। सरकार और सेना को विभाजित कैसे किया जा सकता है? सेना भी सरकार का ही हिस्सा है और राजनीतिक नेतृत्व के निर्देश पर ही काम करती है। क्या कांग्रेस, तृणमूल, सपा, शिवसेना (उद्धव) और वामपंथी दल इसीलिए संसद के विशेष सत्र की मांग कर रहे हैं, ताकि उनके सवालों पर विमर्श को केंद्रित किया जा सके और वे शब्द संसदीय रिकॉर्ड में दर्ज किए जा सकें? ताकि विपक्ष प्रधानमंत्री समेत सत्ता-पक्ष की घेराबंदी कर सके? बेशक हम संसद के आपातकालीन सत्र के खिलाफ नहीं हैं, संसद लोकतंत्र का अंतिम और निर्णायक मंच है, लेकिन उस सत्र से देश को हासिल क्या होगा? विपक्ष वही सवाल संसद में भी दोहरा सकता है, जो अब भी कर रहा है और मीडिया में खूब छप रहे हैं और टीवी चैनलों पर चिल्ल-पौं भी जारी है। ऐसी ही सियासत के लिए संसद सत्र हररोज नहीं बुलाए जा सकते। मॉनसून सत्र एक माह दूर ही है। संसद सत्र की कार्यवाही पर करोड़ों रुपए खर्च होते हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी जारी है। बहुत से निष्कर्ष अभी हासिल किए जाने हैं। बेशक विपक्ष के विरोध का केंद्र प्रधानमंत्री मोदी ही हैं और विरोध के मद्देनजर फर्जी नेरेटिव भी गढ़े जा रहे हैं। सत्ता-पक्ष 1947-48 के दौर में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु की ऐतिहासिक गलतियों को दोहराएगा और बाद में प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी की नाकामियों को भी गिनाएगा। आखिर इतिहास पर रोने-धोने से देश को हासिल क्या होगा? देश के सामने अद्र्धसत्य ही आएंगे, क्योंकि उस दौर की पीढ़ी तो लगभग दिवंगत हो चुकी है। इतिहास पूर्वाग्रहों पर आधारित हैं। दरअसल आज नेहरु-इंदिरा के नाम पर वोट भी नहीं मिलते। सवाल है कि एक सशस्त्र ऑपरेशन चलाने, आतंकियों के 9 प्रमुख अड्डे मिट्टी-मलबा कर देने और 172 आतंकियों को ढेर कर देने के निष्कर्ष के तौर पर चंद सवाल ही पूछे जा रहे हैं कि देश को क्या मिला? क्या आतंकवाद खत्म हो गया? क्या हाफिज सईद, मसूद अजहर सरीखे खूंखार आतंकी सरगनाओं को भारत को सौंपने की शर्त तय हुई है? यह सब कुछ अनर्गल है। बहरहाल सियासत के प्रतीक के तौर पर अब 'सिंदूर' मिल गया है। भाजपा भी घर-घर जाकर महिलाओं को उपहार के तौर पर 'सिंदूर' बांटेगी। क्या सिंदूर कोई भी, किसी भी समय, बांट सकता है अथवा यह वैवाहिक रस्मों की एक पवित्र प्रक्रिया है? भाजपा ने 9 जून से एक माह का राष्ट्रीय अभियान शुरू करना तय किया है। इस तारीख पर, बीते वर्ष 2024 को, प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उसी की सालगिरह मनाई जा रही है। मोदी पहली बार 26 मई, 2014 को देश के प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने यह तारीख गुजरात की जनता के साथ साझा की है। अब 'सिंदूर' ऐसा प्रतीक भाजपा के हाथ लगा है कि वह देश की जनता को सेना, युद्ध और आतंकवाद के आधार पर भावुक बना सकती है, लिहाजा पार्टी के पक्ष में एक राजनीतिक धुरवीकरण भी हो सकता है। भाजपा का नया जनाधार भी तैयार हो सकता है।

> विपक्ष की व्याख्या है कि मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत अकेला रहा, जबकि पाकिस्तान के साथ चीन, तुर्किये, अजरबैजान आदि देश सक्रिय रूप से जुड़े रहे। विपक्ष सेना के शौर्य, पराक्रम और प्रहारों की प्रशंसा कर रहा है, लेकिन सरकार को हर स्तर पर नाकाम आंक रहा है। सरकार और सेना को विभाजित कैसे किया जा सकता है? सेना भी सरकार का ही हिस्सा है और राजनीतिक नेतृत्व के निर्देश पर ही काम करती है। क्या कांग्रेस, तृणमूल, सपा, शिवसेना (उद्धव) और वामपंथी दल इसीलिए संसद के विशेष सत्र की मांग कर रहे हैं, ताकि उनके सवालों पर विमर्श को केंद्रित किया जा सके और वे शब्द संसदीय रिकॉर्ड में दर्ज किए जा सकें? ताकि विपक्ष प्रधानमंत्री समेत सत्ता-पक्ष की घेराबंदी कर सके? बेशक हम संसद के आपातकालीन सत्र के खिलाफ नहीं हैं, संसद लोकतंत्र का अंतिम और निर्णायक मंच है, लेकिन उस सत्र से देश को हासिल क्या होगा? विपक्ष वही सवाल संसद में भी दोहरा सकता है

हिन्दी पत्रकारिता दिवस- 30 मई, 2025

हिन्दी पत्रकारिता को व्यवसाय नहीं, मिशन बनाना होगा

ललित गर्ग

> पत्रकारिता की न केवल आजादी के संघर्ष में बल्कि उससे पूर्व के गुलामी की बेड़ियों में जकड़े राष्ट्र की संकटपूर्ण स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, नये बनते भारत में यह भूमिका अधिक महसूस की जा रही है, क्योंकि तब से आज तक समाज की आवाज़ उठाने, सत्ता से सवाल पूछने और जनभावनाओं को मंच देने में इसका योगदान अविस्मरणीय रहा है। हिंदी पत्रकारिता या स्थानीय पत्रकारिता, लोगों को उनकी भाषा में जानकारी उन तक पहुँचाता है और देश भर में ज्ञान के व्यापक प्रसार को सुगम बनाता है।

भारत में हिन्दी पत्रकारिता की न केवल आजादी के संघर्ष में बल्कि उससे पूर्व के गुलामी की बेड़ियों में जकड़े राष्ट्र की संकटपूर्ण स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, नये बनते भारत में यह भूमिका अधिक महसूस की जा रही है, क्योंकि तब से आज तक समाज की आवाज़ उठाने, सत्ता से सवाल पूछने और जनभावनाओं को मंच देने में इसका योगदान अविस्मरणीय रहा है। हिंदी पत्रकारिता या स्थानीय पत्रकारिता, लोगों को उनकी भाषा में जानकारी उन तक पहुँचाता है और देश भर में ज्ञान के व्यापक प्रसार को सुगम बनाता है। हर साल 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है, दरअसल दो शताब्दी पूर्व ब्रिटिशकालीन भारत में जब तत्कालीन हिन्दुस्तान में दूर दूर तक मात्र अंग्रेजी, फ़ारसी, उर्दू एवं बांग्ला भाषा में अखबार छपते थे, तब देश की राजधानी "कलकत्ता" से हिन्दी भाषा में 'उदन्त मार्तण्ड' के नाम से पहला हिन्दी समाचार पत्र वर्ष 1826 को छपा था। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने इसे साप्ताहिक के तौर पर शुरू किया था। इसके प्रकाशक और संपादक भी वे खुद थे। भले ही अब यह समाचार पत्र बंद हो गया है, लेकिन इसने हिंदी पत्रकारिता के सूर्य को उदित कर दिया था जो आज भी देदीप्यमान है। उन्नीसवीं शताब्दी के अंत और बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में हिंदी के अनेक दैनिक समाचार पत्र निकले जिनमें हिन्दुस्तान, भारतोदय, भारतमित्र, भारत जीवन, अभ्युदय, विश्वमित्र, आज, प्रताप, विजय, वीर अर्जुन आदि प्रमुख हैं। बीसवीं शताब्दी के चौथे-पांचवें दशकों में अमर उजाला, आर्यावर्त, नवभारत टाइम्स, नई दुनिया, जागरण, पंजाब केसरी, नव भारत आदि प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र सामने आए। लोकतंत्र में मीडिया चौथे स्तंभ के रूप में खड़ा है, पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से हम देश की वर्तमान स्थिति से अवगत रहते हैं। पत्रकार अथक परिश्रम करते हैं, ताकि समाचार हमारे घर तक तुरंत पहुंचे। चाहे अखबारों के जरिए हो, टीवी चैनलों के जरिए हो या सोशल मीडिया के व्यापक प्रभाव के जरिए, नित-नये बनते एवं बदलते समाज में पत्रकारिता की शक्ति को कम करके नहीं आंका जा सकता। यह हमारे दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और सूचित संवाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिन्दी पत्रकारिता में क्रांतिकारिता का रंग गणेश शंकर विद्यार्थी ने भरा था। उन्होंने उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर से 9 नवंबर 1913 को 16 पृष्ठ का 'प्रताप' समाचार पत्र शुरू किया था। यह काम शिव नारायण मिश्र, गणेश शंकर विद्यार्थी, नारायण प्रसाद अरोड़ा और कोरोनेशन प्रेस के मालिक यशोदा नंदन ने मिलकर किया था। शिव नारायण मिश्र और गणेश शंकर विद्यार्थी ने 'प्रताप' को अपनी कर्मभूमि बना लिया। विद्यार्थीजी के समाचार पत्र प्रताप से क्रांतिकारियों को काफी बल मिला। मुंशी प्रेमचंद महान् लेखक-कहानीकार होने के साथ-साथ हिन्दी के क्रांतिकारी एवं जुझारू पत्रकार थे, उनकी पत्रकारिता भी क्रांतिकारी थी, लेकिन उनके पत्रकारीय योगदान को लगभग भूला ही दिया गया है। जंगे-आजादी के दौर में उनकी पत्रकारिता

ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध ललकार की पत्रकारिता थी। वे समाज की कुरीतियों एवं आडम्बरों पर प्रहार करते थे तो नैतिक मूल्यों की वकालत भी करते थे। मेरा सौभाग्य है कि मैं राजस्थान के यशस्वी पत्रकार स्व. श्रीरामस्वरूप गर्ग के पुत्र होने के नाते विरासत में पत्रकारिता के मूल्यों को आत्मसात करने का मौका मिला। उन्होंने 1936 एवं उसके बाद के दौर में 'राष्ट्रवाणी' एवं 'परिवर्तन' जैसी पत्रिकाओं का प्रकाशन एवं सम्पादन किया। वे राजस्थान के प्रतिष्ठित दैनिक नवज्योति के साप्ताहिक रूप में निकले प्रारंभिक अंकों के सम्पादक रहे। इसका प्रारंभ पण्डित जवाहरलाल नेहरू के निजी सचिव रहे श्री रामनारायण चौधरी ने किया था। आज जबकि हिन्दी देश एवं दुनिया में सर्वाधिक बोली एवं प्रयोग की जाने वाली तीसरी भाषा बन चुकी है, ऐसे में सहज ही हिन्दी पत्रकारिता का मूल्य बढ़ा है। निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि 'न खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो।' उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए हिन्दी पत्रकारिता को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह गए हैं। अर्थात कलम को हथियार से भी ताकतवर बताया गया है। पर खबरनवीसों की कलम को तोड़ने, उन्हें कमजोर करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निस्तेज करने के लिए बुरी एवं स्वार्थी ताकतें सत्ता, तलवार और तोप का इस्तेमाल कर रही हैं। लेकिन तलवार से भी धारदार कलम इसीलिये इतनी प्रभावी है कि इसकी वजह से बड़े-बड़े राजनेता, उद्योगपतियों और सितारों को अर्श से फर्श पर आना पड़ा। हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता कई संकटों का सामना कर रहे हैं- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, साम्प्रदायिकता एवं अंधधार्मिकता, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच हिन्दी पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों को आधार देने वाली संस्थाओं पर गंभीर प्रभाव के कारण ही यह भूमिका महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके हिन्दी पत्रकारिता की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमले हो रहे हैं। कभी-कभी भारत में हिन्दी पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर सख्त पहरे जैसा भी प्रतीत होता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि बड़ी सचाई है कि इन्हीं पत्रकारों के बल पर हमें आजादी मिली है। पत्रकारिता लोकहित में सरकार को कदम उठाने का रास्ता सुझाती रहती है, इसीलिए उसकी विश्वसनीयता होती है। मगर सरकारें जब उसके मूल स्वभाव को ही बदलने का प्रयास करती हैं, तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रहार करती हैं। ऐसे में पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ न होकर प्रचारतंत्र में तब्दील होने लगती है। पत्रकारिता आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियों को दूर करने में मदद करती है। उसका लाभ उठाने के बजाय अगर उसका गला घोटने का प्रयास होगा, तो सही अर्थों में विकास का दावा नहीं किया जा सकता, नया भारत-सशक्त भारत निर्मित नहीं किया जा सकता। अगर कोई सरकार सचमुच उदारवादी और लोकतांत्रिक होगी, तो वह आलोचना से कुछ सीखने का प्रयास करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी हिन्दी पत्रकारिता के प्रति हमारे अविश्वसनीय समर्थन को दोहराने की बात कही है जो लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है।' हिन्दी पत्रकारिता कभी मिशन था, आज व्यवसाय बन गया है। आजादी के आंदोलन तक मिशन रहा। धीरे-धीरे इसमें व्यापारी आने लगे। औद्योगिक घराने उतर गए। इनका उद्देश्य समाज सेवा नही रहा, व्यापार हो गया। ये व्यापार करने लगे। वह छापने लगे जिससे इन्हें लाभ हो। डिजिटल युग में टीआरपी और व्यूज़ ही सफलता का पैमाना बन गए हैं। गंभीर पत्रकारिता की जगह सनसनीखेज खबरें, गॉसिप, और 'डिबेट तमाशों' ने ले ली है। तथ्य की जगह धारणा, विश्लेषण की जगह उत्तेजना, और संवाद की जगह शोर ने कब्जा कर लिया है। एंकर शोर मचाकर चीखकर पाठकों को आकर्षित करन में लगे हैं। हिन्दी पत्रकारिता ऐसी अनेक चुनौतियों एवं विसंगतियों का सामना कर रही है। बीते कुछ वर्षों में पत्रकारिता का स्तर चिंताजनक रूप से गिरा है, जबकि पत्रकारों की प्रसिद्धि, प्रभाव और पहुंच पहले से कहीं अधिक बढ़ी है। यह विरोधाभास क्यों? पत्रकार बड़े होते जा रहे हैं, पर पत्रकारिता एवं उसके मूल्य-मानक क्यों सिकुड़ रहे है? आज फेसबुक पत्रकार, न्यूज पोर्टल चलाने वाले पत्रकार, यूट्यूब चैनल चलाने वाले पत्रकारों की देश में बाढ़ सी आ गई है। टीवी पत्रकारिता का वर्चस्व बढ़ रहा है, बड़े एवं बहु-संस्करणों के दैनिक अखबार भी तेजी से बढ़ रहे हैं। आन लाइन समाचार पत्रों की रोज गिनती बढ़ती जा रही है। जिसे देखो पत्रकारिता कर रहा है। इतना सब होने के बावजूद पिछले कुछ साल में खबर एवं हिन्दी पत्रकारिता की विश्वसनीय घटी है। पत्रकारिता का स्तर गिरा है। पत्रकार का सम्मान घटा है। पहले माना जाता कि अखबार में छपा है तो सही होगा, किंतु मीडिया में आई खबर की आज कोई गारंटी देने को तैयार नहीं। पहले हिन्दी पत्रकारिता वैचारिक-क्रांति होती थी, आज खबर प्रधान बन गयी है, विचार लुप्त है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाना तभी सार्थक होगा जब उसे व्यवसाय नहीं, मिशन के तौर पर नये व्यक्ति, नये समाज, नये राष्ट्र का प्रेरक बनायेंगे।

देश दुनिया से

जीवन हो सतरंगा

आज का जमाना शुद्ध मार्केटिंग का जमाना है। हर कंपनी कुछ न कुछ बेचने के प्रयास में लगी है। न कंपनी होना गलत है और न अपना माल बेचना। समस्या यह है कि लगभग हर जगह अधूरा सच बताकर, गलत सूचना देकर, या जानबूझकर जानकारी छुपाकर बेचने की कोशिश नजर आती है। भावनाओं का दोहन करके अनावश्यक रूप से आवश्यकताएं गढक़र सामान बेचा जा रहा है। हमें वो वस्तुएं और सेवाएं खरीदने के लिए ललचाया जा रहा है जिनकी हमें आवश्यकता ही नहीं है। बच्चों, किशोरों और युवाओं को ही नहीं, महिलाओं तक को इस कमजोरी का शिकार बनाया जा रहा है। परिणाम यह है कि हमारा खर्च बढ़ता जा रहा है, घरों के बजट गड़बड़ा रहे हैं और बजट का संतुलन बनाए रखने के लिए हम या तो अत्यधिक व्यस्त और भागदौड़ वाला जीवन जी रहे हैं या फिर मानसिक परेशानियां झेलने के लिए विवश हैं। इन सबका परिणाम है कि हम अक्सर अवसर चूक जाने के डर, पीछे रह जाने के डर, अपराधबोध, पछतावा, तनाव, चिंता और अवसाद आदि के शिकार होकर जीवन बर्बाद कर रहे हैं। भारतीय समाज का सामान्य वातावरण ऐसा है कि यहां मानसिक समस्याओं के बारे में ज्यादा बातचीत नहीं होती, इस मामले में हम पश्चिमी समाज की तरह जागरूक नहीं हैं। अक्सर तो लोगों का पता ही नहीं होता कि वे मानसिक समस्याओं से जूझ रहे हैं और अगर कुछ महसूस भी होता हो तो इस बारे में किसी को बताने का कोई लाभ नहीं नजर आता क्योंकि समस्या की जड़ तक जाए बिना फालतू की सलाहें या ताने मिलने शुरू हो जाते हैं। ऐसे में व्यक्ति चुप्पी साधकर खुद में ही सीमित हो जाता है, परिवार से भी कट जाता है और नशे का शिकार हो जाता है, अपराध की दुनिया में चला जाता है या अपने जीवन को समाप्त करने का कदम उठा लेता है। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का यही महत्व है। मानसिक स्वास्थ्य, दरअसल, मानसिक कल्याण की एक स्थिति है, जो लोगों को जीवन की मुश्किलों से निपटने, अपनी क्षमताओं का एहसास करने, हालात से सबक लेने, अच्छी तरह से काम करने और अपने समुदाय के लिए योगदान करने में सक्षम बनाती है। यही कारण है कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के लिए सतत प्रयत्न की आवश्यकता है। मानसिक समस्याएं और विकार हमें कई तरीकों से कमजोर बना देते हैं, इसलिए मानसिक समस्याओं पर बात करना आज की अनिवार्य आवश्यकता हो गया है। सच्चाई यह है कि कुछ सामान्य नियमों का पालन करें तो एक भी पैसा खर्चे बिना हम अपने मानसिक विकारों से छुटकारा पा सकते हैं। प्रकृति ने हमारे शरीर को एक संपूर्ण आत्मनिर्भर यंत्र बनाया है, लेकिन इसकी खूबियों से परिचित न होने के कारण ही हम आधा-अधूरा जीवन जीने पर विवश हैं। जिस प्रकार एक बीज में पूरा वृक्ष छिपा होता है, वैसे ही हमारा शरीर भी संभावनाओं का खजाना है। इन संभावनाओं को समझना और उन्हें पल्लवित-विकसित होने का अवसर देना ही हमारे जीवन का उद्देश्य है। अगर हम इतनी सी बात समझ लें और उस पर अमल करें तो हमारा जीवन सतरंगा हो जाता है, खुशी के रंगों से भर जाता है, जीवन संगीत हो जाता है, सार्थक हो जाता है। इसमें जो सबसे बड़ी खूबी है वो यह है कि जीवन को सतरंगा बनाने के लिए विशेष भागदौड़ की आवश्यकता नहीं है, दिन-रात परेशान रहने की आवश्यकता नहीं है। दरअसल मामूली सी समझ, मामूली से अनुशासन और मामूली से प्रयत्न से ही यह संभव हो जाता है कि हम मनचाहा जीवन जी सकें, स्वास्थ्य का, समृद्धि का और खुशियों का आनंद ले सकें। जब संवेदनशीलता, सहृदयता और प्रेम की भावना हमारे स्वभाव की प्रकृति बन जाए, जब यह किसी रिश्ते तक ही सीमित न हो, जब यह हमारा व्यक्तित्व हो जाए तो हम पेड़ों के प्रति, पशु-पक्षियों के प्रति, कीट-पतंगों के प्रति और मानव मात्र के प्रति सहृदय हो जाते हैं, हमारा मन हर किसी के लिए प्रेम से भर जाता है, और तब हम अपनी सहृदयता के बदले में या अपने प्रेम के बदले में कुछ नहीं चाहते। जब ऐसा हो जाता है तो जीवन स्वर्ग हो जाता है। दरअसल, हमें अपनी सफलता के पैमाने को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है। हमने अपने पद और वेतन को सफलता का पैमाना मान लिया है, हमने अपने पद या समृद्धि के कारण आई ताकत को सफलता का पैमाना मान लिया है, जबकि हमारी सफलता हमारे स्वास्थ्य, हमारी समृद्धि, हमारे रिश्तों, हमारे खाली समय, अपनी नौकरी या व्यवसाय के प्रति हमारे नजरिये, सीखते रहने की आदत और समाज में हमारे योगदान पर निर्भर करती है। प्रकृति में झांकें तो हम पाते हैं कि मछली को तैरने के लिए प्रयत्न नहीं करना पड़ता, वह अनायास तैरती रहती है। उसी तरह हमारी इच्छाओं की पूर्ति सहज में अनायास ही हो जाना संभव है, अगर हम प्रकृति के इस नियम को समझ लें कि जीवन में जो हो रहा है हम उसे बिना किसी शिकायत के स्वीकार करें और अपनी स्थिति के लिए, अपने हालात के लिए खुद को जिम्मेदार मानें, खुद जिम्मेदारी लें और बात-बेबात बहस में पड़े बिना हर स्थिति और घटना का निष्पक्ष होकर अवलोकन करें।

कुछ अलग

तरक्की से भूख की ओर

लोग खुश थे कि देश तरक्की कर गया है। यहां इस खुशी को बढ़ाने वाले बहुत से बाजार थे। एक बाजार में तो शेयर बेचे और खरीदे जाते हैं। उन बाजारों में खुशी खुलती है। सरकार की पैसा लगाने वाली नीतियों के बारे में कोई और टैक्स छूट या राहत की घोषणा के साथ उनका दिल बल्लियों उछलने का सामां हो जाता है। ऐसे बाजारों की खबर अखबारों में छपती है। रोज सुबह वे अगर आसमां छू लें, तो अट्टालिकायें आकाश छूने लगती हैं। गिर कर धराशायी हो जायें तो इन प्रासादों की बत्तियां बुझ जाती हैं। लेकिन इन आंकड़ों का कोई संबंध फुटपाथी लोगों से नहीं होता। उनसे पूछने जाओ तो वे शायद इन शेयर प्रमाणपत्रों को पहचानें भी नहीं। वे तो अपने राशन कार्डों को पहचानते हैं, जिनका रंग कभी बदल कर पीला और फिर बढ़ती भीड़ के कारण न चलने पर काला हो जाता है। इन लोगों की जिंदगी आधार कार्ड की पहचान और खैराती कार्ड के एहसास के बीच लटकी रहती है। उन्हें भला इन शेयर प्रमाणपत्रों से क्या लेना? गांवों से शहरों में पेट की आग बुझाने और अपने परिवारों को जिंदा रखने के लिए आए कामगारों के हुजूम वापस अपने गांवों का रुख करते हैं, दूसरे शहरों का नहीं। जी हां, वही कामगार जो अच्छे दिनों की तलाश में कभी इन शहरों में आए थे, कि यहां उन्हें भरा हुआ टिफिन मिलेगा, और उनके बच्चे को भरी हुई पुस्तकों का बस्ता। यही उनके वे 'अच्छे दिन' थे कि जिनका वायदा उनसे हर वर्ष तिरंगा फहराने के साथ लाल किले की प्राचीर से किया जाता था। तिरंगा फहराता रहा, लोग भावुक होकर चिल्लाते रहे, 'झंडा ऊंचा रहे हमारा।' आंकड़ा शास्त्रियों ने सदा इस देश भक्त भाषण को दुलराया। देश जागरूकता और विकास की राह पर लौट गया है, सरकारी विज्ञप्तियों ने हमें बताया है। शेयर मार्किटों के सूचकांक उछल कर नए शिखर छूने लगे हैं। गोता लगाती हुई विकास दर न केवल तल पर लौटी बल्कि एक नए ज्वार का शुबहा पैदा कर रही है। सूचकांक कहते हैं, विकास दर की उछाल सम्पन्न पुराने दिनों को वापस ला रही है। इंटरनेट के रोजगारों को देखो, नौकरियां अधिक और काम करने वाले कम हैं। कार बाजारों में जाकर देख लो, छोटी कारों की बिक्री आशातीत बढ़ रही है। बेकारी की वृद्धि दर में कमी आई है। महंगाई का शोर मचाने वालो, तनिक देखो तो। अब न तो परचून कीमतों के सूचकांक, और न ही थोक कीमतों का उछाल इतना भयावह लगता है। लगता है तरक्की के आंकड़े गिरावट मुक्त हो गए। जल्द ही आर्थिक तोडफ़ोड़ की मरम्मत कर दी जाएगी। देश अच्छे दिन आने के सपनों की लीक पर लौट आएगा। स्वप्नजीवी लोग उत्सवधर्मी हो रहे हैं।

आप का नजरिया

जबरिया छुट्टी पर

विचित्र परिस्थितियों में आहूत हिमाचली व्यवस्था का चरित्र, तीन वरिष्ठ अधिकारियों पर हुई कार्रवाई से समझा जा सकता है। यह असाधारण परिदृश्य है जहां कानून व्यवस्था के जिम्मेदार ओहदे प्रश्नांकित होकर मंच से हटाए जा रहे हैं। कारण ढूंढे नहीं गए, खुद इन अधिकारियों ने पैदा किए और अगर कसूर को इंगित किया जा रहा है, तो सभी ने नौकरी के शपथपत्र, दायित्व की आचार संहिता और सरकार की परिपाटी को नजरअंदाज किया है। आश्चर्य यह कि संपूर्ण व्यवस्था के नाम पर तीनों अधिकारियों ने अपने व्यवहार को निचली पायदान पर लाकर नेगी मौत प्रकरण को ही खड़ा नहीं किया, बल्कि सरकार के लिए भी छवि के प्रश्न और मंशा के उत्तरदायित्व को आशंकित किया। न ओंकार शर्मा इतने भोले थे कि सीधे अदालत तक अपनी रिपोर्ट का परचम ले गए और न ही डीजीपी अतुल वर्मा उस रिपोर्ट में अगंभीर दिखे जो अपने ही विभाग के दूसरे अधिकारी से भिन्न दस्तावेज पेश कर रहे थे। अदालत के बाहर मीडिया की कचहरी सजा देने का तात्पर्य और निष्कर्ष जिस भूमिका तक पहुंच गए, वहां आदर्शों की होली जलाकर रावण कहां जला। जाहिर है पुलिस विभाग को गुल्ली-डंडा बनाने वालों को परिदृश्य से हटाया गया और यह भी कि सरकार और गृह सचिव के बीच बिगड़ते अर्थों की जांच ने, एक आला अधिकारी के नाम कार्रवाई लिख दी। सभी अधिकारी करियर के शानदार दौर में या तो किसी मुगालते में थे या विमल नेगी मौत प्रकरण की जांच के खुद ही कसूरवार बन गए। फिलहाल अवकाश पत्र पर इन्हें मौजूदा पद से चलता किया जा रहा, लेकिन इस अस्थायी एक्शन को स्थायी परिमाण में आते ही पता चलेगा कि किसे कितनी सजा मिली। हम एक नए डीजीपी के रूप में इंतजार की कसौटी को किसी नए पुरुषार्थ में देख पाएंगे या जाते हुए अतुल वर्मा एक खराब अध्याय बनकर रह जाएंगे। यहां सवाल 'बिल्लो के बदनाम' होने का न हो, लेकिन इससे पहले भी डीजीपी रहे शख्स की विदाई में भी आरोपों के कांटे रहे हैं। ओंकार शर्मा क्या जबरिया अवकाश के बाद वही ओंकार शर्मा रहेंगे या सचिवालय की सीढियां उनके लिए बदल जाएंगी। संजीव गांधी की पृष्ठभूमि के उजाले क्या प्रेस कान्फ्रेंस के अंधेरों से बाहर आएंगे या यह पुलिस अधिकारी अब बाबू बन जाएगा। जो भी हो, सरकार ने कानून व्यवस्था की अपनी व्याख्या में तीनों अधिकारियों को तो तहखाने में डाल दिया, लेकिन नेगी मौत प्रकरण के रहस्यों की खान में छुपे कुछ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रतीक्षा जारी है। मसला जांच के तरीके व अदालत के निर्देश के बाद सीबीआई तक क्यों पहुंचा, इससे भी आगे अब नई तफ्तीश के हर पहलू में संज्ञान बताएगा कि नेगी मौत प्रकरण से जुड़े विषय आदमखोर क्यों बने। सीबीआई अपनी फाइलों में जांच भरने से पहले दिल्ली में एफआईआर दर्ज करके, इसकी व्यापकता के अर्थ बता रही है। इधर हिमाचल में पुलिस के मनोबल को फिर से आकाशीय पारी तक ले जाने की जिम्मेदारी सरकार की है। आश्चर्य यह कि पावर कारपोरेशन की गलियों में फंसी बदनामी के भूत पुलिस ने ओढ़ लिए और एक अनावश्यक खींचतान में मामला कहीं और घूम गया। आरोपों की नुमाइश में खड़े ये तीनों अधिकारी अपनी प्रतिभा, संभावना और दक्षता क्यों गंवा बैठे, इसके ऊपर भी गंभीरता से विचार करना होगा। क्यों शिमला में पुलिस मुख्यालय या सचिवालय बदनाम होने लगा है। क्या राजधानी की संस्कृति में विभागीय निष्पक्षता, मौलिकता, प्रतिबद्धता, अनुशासन और पारदर्शिता पर आंच आने की वजह से ये अधिकारी शहीद हो गए या नौकरशाही से अफसरशाही तक नकेल डालने की अनिवार्यता नजरअंदाज होने लगी है। अंततः मुन्नी बदनाम हुई है, तो किसकी खातिर।

दृष्टि कोण

सरकारी टूरिज्म को प्रोफेशनल बनना पड़ेगा

हिमाचल प्रदेश में पर्यटन आकर्षण की दृष्टि से आने वाले घरेलु और विदेशी सैलानियों/पर्यटकों का आंकड़ा साल दर साल बढ़ रहा है। वैसे भी इंडियन हैप्पीनेस इंडेक्स-2025 के अनुसार हिमाचल प्रदेश को भारत का सबसे खुशहाल राज्य घोषित किया गया है तो दूसरे राज्यों के लोग क्यों नहीं खुशहाल हिमाचल को नजदीक से देखना पसंद करेंगे। अधिकतर पर्यटक हिमाचल में आध्यात्मिक, प्राकृतिक, धरोहर (हेरिटेज) और साहसिक गतिविधियों में शामिल होकर आनंदित होते हैं तो अनेकों भक्तजन अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु शक्तिपीठों, देवस्थलों, प्राचीन मंदिरों में दर्शन की भावना लेकर नतमस्तक होते हैं। हिमाचल के चप्पे-चप्पे पर प्रकृति की अनुपम छटा बिखेरे यहां की नदियां, खड्डें, पहाड़, जंगल और दर्रे पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। साहसिक क्रियाकलापों में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिये रॉक क्लाइंबिंग, माउंटेन बाइकिंग, पैराग्लाइडिंग, आइस स्केटिंग, ट्रेकिंग, रीवर राफ्टिंग और हेली-स्कीइंग आदि जैसी गतिविधियों में काफी गुंजाइश है। ऐसी संभावना है कि इस वित्तीय वर्ष में हिमाचल घूमने आने वाले घरेलु पर्यटकों का आंकड़ा 2 करोड़ के आंकड़े को पार कर लेगा। लिहाजा ये अनिवार्य हो जाता है कि इतनी बड़ी संख्या में आने वाले पर्यटकों को ठहरने, खाने और घूमने के लिए पर्याप्त सुविधाएं मिलें। हिमाचल प्रदेश में पर्यटन विकास को गति देने के लिए हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम का गठन साल 1972 में एक उत्प्रेरक, ट्रेंडसेटर और प्रमुख प्रेरक के रूप में कार्य करने वाली एजेंसी के रूप में किया गया था। पर्यटन विकास निगम की राज्य में होटलों और रेस्टोरेंट की एक बड़ी श्रृंखला है। वर्तमान में एचपीटीडीसी के पास 55 होटल हैं और इन होटलों में 1 हजार 111 कमरे हैं जिनमें बढ़ोत्तरी की आवश्यकता है। हिमाचल पर्यटन विकास निगम 64 रेस्टोरेंट और कैफे भी संचालित कर रहा है। इतना सब होने के बावजूद पिछले लंबे समय से निगम को हो रहा आर्थिक नुकसान सरकार के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। निगम के 35 होटल घाटे में चल रहे हैं। पर्यटन विकास निगम के सिर्फ 20 होटल ही फायदा दर्शा रहे हैं। हाल ही में पर्यटन निगम ने अपने होटलों के रेनोवेशन के साथ ही अब टेक्निकल स्टाफ और शेफ की तैनाती करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। लेकिन अधिकांश पदों पर आउटसोर्स एजेंसियों से मामूली मानदेय/वेतन पर कर्मचारियों की नियुक्तियां/भर्तियां ऐसे कर्मचारियों का शोषण ही मानी जानी चाहिए, क्योंकि महंगाई के इस दौर में भला 10-12 हजार रुपयों में कोई कैसे अपना और अपने परिवार का पालन पोषण कर सकता है। मैंने स्वयं देखा है कि किस प्रकार से एचपीटीडीसी का मेहनती स्टाफ कर्मचारियों की कमी के बावजूद निगम की साख को बनाए रखने के लिए दिनरात पर्यटकों की आवभगत में तत्पर रहता है। ऐसे कर्मचारियों को सम्मानित करना निगम का कत्र्तव्य बनता है, वहीं सरकार को चाहिए कि एचपीटीडीसी में अनुत्पादक सेवाओं में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों की फौज की छंटनी करे। यह खुशी की बात है कि हिमाचल पर्यटन निगम ने पिछले ढाई साल में अपने टर्नओवर में वृद्धि की है। 2021-22 में निगम का टर्नओवर 78 करोड़ था जो वित्तीय वर्ष 2024-25 में बढक़र 107 करोड़ पहुंच गया है। दूसरे अब सेंट्रल बाइंग यूनिट (सीवीयु) के तहत खरीददारी करने का निर्णय लिया गया है। चूंकि हर साल 30 से 40 करोड़ की खरीददारी होती है और पहले यही खरीददारी होटल के मैनेजर करते थे, लिहाजा बल्क परचेज से भी विभाग को कुछ बचत होगी। इसे लेकर पर्यटन निगम और खाद्य आपूर्ति विभाग के बीच समझौता भी हुआ है। हिमाचल प्रदेश पर्यटन निगम ऑफ सीजन में अपने होटलों में 20 फीसदी से लेकर 40 फीसदी तक डिस्काउंट भी देता है ताकि निगम के होटल पर्यटकों को आकर्षित कर सकें। सरकार को चाहिए कि वह शिमला स्थित होटल पीटर हॉफ की सेवाओं को भी पर्यटकों के लिए उपलब्ध करवाए और होटल हॉलिडे होम के कमरों के किराए में कुछ कमी लाए। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती है कि पर्यटन निगम के होटलों में अच्छा खाना परोसा जाता है। यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारी सरकारों ने अपनी नीतियों और निर्णयों के जरिए हिमाचल प्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में सतत प्रयास किए हैं। पर्यटकों की सुविधाओं को बढ़ाने और युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए सरकार ने फूड वैन की खरीद पर 30 फीसदी उपदान देने का निर्णय लिया है। साथ ही, मुख्यमंत्री पर्यटन स्टार्टअप योजना के तहत होम स्टे इकाइयों को प्रोत्साहित करने के लिए एक नई योजना भी शुरू की गई है। इस पहल से स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपको भूमि, रिअल–एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। परिवार में किसी बुज़ुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। उन लोगों की बातों का बुरा न मानें जिनकी आपके जीवन में कोई अहमियत नहीं है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मौज–मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ेगा, जो आपको तनाव दे सकता है। कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा दौड़–भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी। आपका जीवनसाथी बिना जाने कुछ ऐसा ख़ास काम कर सकता है, जिसे आप कभी भुला नहीं पाएंगे। लोगों के बीच रहकर सबका सम्मान करना आपको आता है इसलिए आप भी सबकी नजरों में अच्छी छवि बना पाते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सेहत अच्छी रहेगी। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। जरुरी कामों को समय न देना और फिजूल के कामों पर वक्त जाया करना आज आपके लिए घातक सिद्ध हो सकता है। जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं। आज किसी सामाजिक काम में हिस्सेदारी करके आपको अच्छा महसूस होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपके जीवन–साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है इसलिए साथ में अपना क़ीमती समय बिताएँ । इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जीवनसाथी की साझा यादों को तरोताज़ा कर सकता है। यदि आप किसी खेल में महारत रखते हैं तो आज के दिन आपको वो खेल खेलना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई–बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़, थोड़ी छेड़–छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। हालाँकि किसी भी चीज़ की अति नुक़सानदेह है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। प्रेमी एक–दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे।इस राशि के युवाओं की आज अपने जीवन में प्रेम की कमी महसूस होगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा–सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है– जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। वे निवेश–योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें– कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। समय को व्यर्थ गँवाने की बजाय आज किसी विदेशी भाषा को सीखना आपके वार्तालाप के तरीक़ों में वृद्धि कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करेंगे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है। बच्चों को साथ समय का पता नहीं चलता आज आप भी अपने बच्चों के साथ वक्त बिताकर यह जान जाएँगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है। अगर आज कुछ अधिक करने को नहीं है तो अपने घर के सामानों को दुरुस्त करके आप अपने को व्यस्त रख सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख़्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है– क्योंकि जल्दी ही आपको आपका जीवन–साथी मिलने वाला है। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप–रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का असली स्वाद चख सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। ग़लतफ़हमी के लम्बे दौर के बाद इस शाम आपको जीवनसाथी के प्यार का तोहफ़ा नसीब होगा। आज आप सब चिंताओं को भुलाकर अपनी रचनात्मकता को बाहर निकाल सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 31 मई 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 08:18 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 09:08 तक
योग : वृद्धि प्रातः 10:43 तक
करण : बव प्रातः 08:45 तक
चन्द्राराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 ,सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 09:09 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नकली खाद घोटाले पर किरोड़ी मीणा का शिकंजा

दूसरे दिन भी फैक्ट्रियों पर छापेमारी, कर्मचारी ताला लगाकर भागे, 5 यूनिट सीज

अजमेर/किशनगढ़, 30 मई (एजेंसियां)।

राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने किशनगढ़ इलाके में फैले नकली उर्वरक के गोरखधंधे पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को उन्होंने डींडवाड़ा, बांदरसिंदरी और चौसला गांव की खाद फैक्ट्रियों पर औचक छापेमारी की। मंत्री की कार्रवाई से हड़कंप मच गया और एक फैक्ट्री में तो कर्मचारी ताला लगाकर मौके से भाग खड़े हुए। किरोड़ी मीणा शुक्रवार सुबह डींडवाड़ा की राधिका एग्रो फैक्ट्री पहुंचे और फिर बांदरसिंदरी में एक अन्य खाद यूनिट का निरीक्षण किया। यहां से वे चौसला गांव पहुंचे जहां एक फैक्ट्री के कर्मचारियों ने खाद को बाहर फेंका और फैक्ट्री में ताला लगाकर फरार हो गए। मंत्री ने तुरंत अधिकारियों को फैक्ट्री तुड़वाकर जांच के निर्देश दिए।

अब तक की जांच में 5 फैक्ट्रियों को सीज कर दिया गया है। कृषि विभाग ने किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र की 34 फैक्ट्रियों को जांच के लिए चिन्हित किया है। अधिकारियों की मानें तो इन फैक्ट्रियों में तैयार नकली डीएपी, यूरिया, जिंक सल्फेट, जिप्सम और पोटाश की आपूर्ति सिर्फ राजस्थान में नहीं, बल्कि हरियाणा, पंजाब, बिहार जैसे राज्यों में भी की जाती रही है। किरोड़ी मीणा ने गुरुवार को किशनगढ़ की 12 खाद फैक्ट्रियों में औचक निरीक्षण किया था, जिसके बाद प्रशासन ने रातभर में सबूतों को सुरक्षित कर लिया। शुक्रवार को कार्यवाही और तेज की गई। मंत्री खुद किशनगढ़ में रुके और सुबह से ही अधिकारियों की टीम के साथ निकल पड़े। जयपुर और अजमेर की कृषि विभाग की टीमें भी सक्रिय हैं। अजमेर में आत्मा परियोजना की प्रोजेक्ट डायरेक्टर उषा चितारा ने बताया कि शुक्रवार को उदयपुरकलां की भूमि एग्रोटेक्स, गोवर्धन एग्रो और एक अन्य

फैक्ट्री तथा टीकावड़ा गांव की दो फैक्ट्रियों को सीज किया गया है। साथ ही टेम्पो, जेसीबी, ट्रेलर जैसी मशीनरी को जब्त किया गया है। गुरुवार को जिन 12 फैक्ट्रियों की जांच हुई थी, इनमें अतिशय बायोटेक इंडस्ट्रीज लिमिटेड, किशनगढ़, कमला बायो ऑर्गेनिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड, किशनगढ़, ट्रॉपिकल एग्रो सिस्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, किशनगढ़, राघव एग्रो इंडस्ट्रीज, किशनगढ़, श्री गोवर्धन एग्रो, किशनगढ़, दिव्या एग्रो फर्टिलाइजर इंडस्ट्रीज, नालू, भूमि एग्रो इंडस्ट्रीज, किशनगढ़, श्रीनाथ एग्रो इंडस्ट्रीज, किशनगढ़, एशिया डोन बायोकेयर, जयपुर, वर्दी जल एग्री टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, अजमेर शामिल हैं। दो अन्य फैक्ट्रियां भी हैं।

प्रशासन अब इन फैक्ट्रियों के मालिकों की जानकारी इकट्ठा कर रहा है। जल्द ही इनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज किए जाएंगे। डिप्टी डायरेक्टर (फर्टिलाइजर्स) नवलकिशोर मीणा के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए बड़ी कार्यवाही तय है। यह कार्रवाई बताती है कि नकली खाद का नेटवर्क न सिर्फ किसानों को लूट रहा था बल्कि पूरे उत्तरी भारत की कृषि प्रणाली के लिए खतरा बन चुका था। मंत्री किरोड़ी मीणा की इस पहल से प्रशासन की नींद टूटी है और कई जिलों में नकली खाद के सौदागरों की शामत आने वाली है।

थप्पड़कांड में नरेश मीणा को मिली जमानत

एसडीएम से मारपीट और समरावता हिंसा मामले में फंसे निर्दलीय नेता

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)।

देवली–उनियारा उपचुनाव के दौरान उपखंड अधिकारी (एसडीएम) को थप्पड़ मारने के मामले में जेल में बंद निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जस्टिस अनिल उपमन की एकल पीठ ने नरेश मीणा को इस मामले में जमानत प्रदान कर दी है। हालांकि, समरावता हिंसा मामले में दूसरी जमानत याचिका पर फैसला आना शेष है, जिसके चलते वे अभी जेल में ही रहेंगे। नवंबर 2024 में देवली–उनियारा विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के दौरान टोंक जिले के समरावता गांव में मतदाताओं ने वोटिंग का बहिष्कार किया था। उसी दिन निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा गांव के ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठे थे। उनका आरोप था कि प्रशासन जबरन मतदान करवाने की कोशिश कर रहा है। इसी तनावपूर्ण माहौल में, मीणा मतदान केंद्र पहुंचे और वहां एसडीएम अमित चौधरी को

थप्पड़ मार दिया।

घटना के बाद इलाके में तनाव और बढ़ गया। पुलिस ने नरेश को मौके पर हिरासत में लिया, लेकिन इससे माहौल और उग्र हो गया। बड़ी संख्या में समर्थकों ने न केवल पुलिस हिरासत से मीणा को छुड़ा लिया, बल्कि पथराव, लाठीचार्ज और आगजनी की घटनाएं भी हुईं। पुलिस ने हिंसा के बाद चार एफआईआर दर्ज कीं, जिनमें से दो में मीणा की गिरफ्तारी हुई थी। हालांकि, बाद में इन चारों एफआईआर को दो मामलों में सम्मिलित कर दिया गया।

जमानत याचिका पर दलीलें: घटना अचानक घटी, जानलेवा हमला नहीं थानरेश मीणा की तरफ से पैरवी करते हुए अधिवक्ता डॉ. महेश शर्मा और फतेहराम मीणा ने कोर्ट में कहा कि यह एक अचानक हुआ घटनाक्रम था। उन्होंने दावा किया कि इसे जानलेवा हमला बताकर अत्यधिक धाराएं लगाई गईं, जो तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। उन्होंने बताया कि नरेश मीणा पर कुल 26 आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें से 5 में बरी हो चुके हैं और कुछ राज्य सरकार द्वारा वापस ले लिए गए हैं। वर्तमान में उन पर केवल 12 मुकदमे लंबित हैं। वकीलों ने इस बात पर भी जोर दिया कि एसडीएम की भूमिका संदिग्ध रही है। आरोप लगाया गया कि एसडीएम द्वारा दबाव बनाकर वोटिंग करवाई जा रही थी, जिसकी जांच होनी चाहिए। साथ ही, घटना दिन में हुई जबकि एफआईआर देर रात दर्ज करवाई गई, जिससे पुलिस की मंशा पर भी सवाल खड़े होते हैं।

मुख्य सचिव ने की आज होने वाली मॉक ड्रिल ऑपरेशन शील्ड को लेकर तैयारियों की समीक्षा

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)।

प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा प्रदत्त दिशा–निर्देशों की पालना में नागरिक सुरक्षा सुदृढ़ीकरण एवं क्रियाशीलता के आकलन हेतु शनिवार को आयोजित होने वाले द्वितीय नागरिक सुरक्षा अभ्यास ऑपरेशन शील्ड की तैयारियों को लेकर शासन सचिवालय में शुक्रवार को उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की।पंत ने कहा कि अधिकारी सभी संचार माध्यमों एवं सायरनों को दुरुस्त कर संचार प्रणाली का सुदृढ़ीकरण सुनिश्चित करें। साथ ही, पूर्व में आयोजित प्रथम मॉक ड्रिल से प्राप्त अनुभवों के आधार पर अधिकारी स्वयं को वॉर सिचुएशन से निपटने हेतु और अधिक सक्षम बनाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी सिविल डिफेंस नियंत्रक अपनी परिस्थितियों के अनुसार ड्रिल और ब्लैकआउट का समय निर्धारित करें। मॉक ड्रिल के दौरान रियल टाइम परिदृश्य तैयार करने तथा ब्लैकआउट के समय और स्थान को गोपनीय रखने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को गृह मंत्रालय की गाइडलाइंस के अनुरूप समन्वय स्थापित करने, आपदा प्रतिक्रिया प्रणाली को सुदृढ़ करने एवं नागरिक सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया।

जेजेपी ने 9 हलका प्रभारी और 34 हलका अध्यक्ष घोषित किए

चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसियां)।

जननायक जनता पार्टी ने अपने संगठन नवनिर्माण के तहत कई पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण नियुक्तियां की है। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा ने जिला अध्यक्षों से विचार–विमर्श करके 9 हलका प्रभारियों और 34 हलका अध्यक्षों की नियुक्तियों की सूची जारी की। पार्टी द्वारा अंबाला कैंट में रवि बब्याल, सोहना में अख्तर अली, झज्जर में पवन शर्मा, बहादुरगढ़ में राजू दलाल, नरवाना में ईश्वर नैन, घरौंडा में सतीश कुटेल, असंध में धर्मबीर पाढा, इसराना में बलकार देशवाल और कालका में बलवंत राणा को हलका प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।वहीं जेजेपी ने हलका अध्यक्ष के पद पर नारायणगढ़ में नायब गुर्जर, अंबाला शहर में अर्मेंद्र सोंटा, अंबाला कैंट में अवतार सिंह, मुलाना में शमशेर राणा, पृथला में जगदीश जग्गी मेंबर, फरीदाबाद में कलवीर मलिक, बड़खल में सुदेश ग्रोवर, बल्लभगढ़ में सुरज अड़ाना, फरीदाबाद एनआईटी में करामत अली और तिगांव में नाहर सिंह चौहान को नियुक्त किया है।

इसी तरह पटौदी में संदीप कुंडू, बादशाहपुर में मुकेश कुमार लाकड़, गुरूग्राम में डॉ सोरभ गुप्ता, सोहना में दीपक डागर, बहादुरगढ़ में संदीप अहलावत, बादली में धर्मेंद्र गुलिया, झज्जर में कंवरभान उर्फ मिंटू ठेकेदार और बेरी में मास्टर राजीव दलाल को हलका अध्यक्ष बनाया है। इनके अलावा जींद में सुनील कंडेला, नरवाना में सुरेंद्र गोयत, जुलाना में बिजेंद्र मलिक, उचाना में विरेंद्र कौशिक, नीलोखेड़ी में विनोद रायपुर, समालखा में सुरेश आट्टा, पंचकुला में सोहन लाल गुर्जर और कालका में मयंक लांबा एमसी जेजेपी के हलका अध्यक्ष होंगे।

पानीपत समेत पूरे प्रदेश के सफाई घोटालों की होनी चाहिए सीबीआई जांच : हुड्डा

चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि तीसरी बार

सत्ता में आने के बाद भाजपा ने फिर से ताबड़तोड़ घोटालों को अंजाम देना शुरू कर दिया है। शराब, खनन, भर्ती, फसल बीमा, सहकारिता, अमृत योजना जैसे अनगिनत घोटालों के बाद, अब पानीपत नगर निगम का सफाई घोटाला उजागर हुआ है। आरटीआई के तहत मिली जानकारी के मुताबिक सफाई कार्य का ठेके देने में करोड़ों की धांधली हुई है।

आरटीआई के तहत खुलासा हुआ है नगर निगम पानीपत ने 13 मई 2022 को गलियों व सड़कों की सफाई के लिए चारों जोन का ठेका 84.08 करोड़ रुपये सालाना में दिया गया था। इस ठेके की अवधि 2 साल की थी। इसलिए यह ठेका 13 मई 2024 को समाप्त होना तय था। जिसके बाद नगर निगम को दोबारा से सफाई ठेका के नए टेंडर आमंत्रित करने थे। लेकिन नये टेंडर आमंत्रित ना करके मिलीभगत से शहरी स्थानीय निकाय ने ठेके की अवधि 30 जून तक बढ़ा दी। इसके बाद सरकार की कैबिनेट सब कमेटी की 25 जून को हुई मीटिंग में ठेकेदार कम्पनियों को अवैध लाभ देते हुए ठेके की अवधि 31 जुलाई तक बढ़ा दी गई। इसके बाद अवधि को 31 दिसंबर 2024 तक भी बढ़ा दिया गया।

संगठन सृजन अभियान के तहत

राहुल गांधी का चंडीगढ़ दौरा 4 जून को

चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसियां)।

चुप्पी अब टूटेगी, बातें अब खुलकर होंगी। 4 जून को राहुल गांधी हरियाणा कांग्रेस के नेताओं से सीधी बात करेंगे – लेकिन इस बार मुद्दा चुनाव नहीं, संगठन है। लोकसभा में विपक्ष के नेता बने राहुल गांधी अब केवल संसद में आवाज नहीं उठा रहे, बल्कि पार्टी के भीतर ज़मीन से जुड़ी नींव को फिर से मज़बूत करने में जुट गए हैं। 'संगठन सृजन अभियान' के तहत अब उनकी अगली मंज़िल चंडीगढ़ है, जहां वे हरियाणा कांग्रेस की रीढ़ माने जाने वाले नेताओं से बैठक करेंगे।

4 जून को राहुल गांधी की यह बैठक सिर्फ रस्मी मुलाकात नहीं होगी। सूत्रों की मानें तो वे हरियाणा की ज़मीनी हकीकत, संगठन की वर्तमान स्थिति और आने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति पर नेताओं से खुलकर बातचीत करेंगे।इस अभियान का मकसद है – कागज़ी संगठन से निकलकर कर्मठ कार्यकर्ताओं तक पहुंच बनाना। हरियाणा कांग्रेस में लंबे समय से गुटबाजी, संवाद की कमी और निचले स्तर पर सक्रियता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। राहुल गांधी अब इसी संवादहीनता को तोड़ने की कोशिश में हैं।सूत्र बताते हैं कि चंडीगढ़ में होने वाली बैठक में राहुल गांधी केवल वरिष्ठ नेताओं पर नहीं, बल्कि युवा चेहरों, ज़िलाध्यक्षों और सक्रिय जमीनी कार्यकर्ताओं की राय पर भी ध्यान देंगे।हरियाणा में विधानसभा चुनाव ज़्यादा दूर नहीं हैं और पार्टी की मंशा है कि संगठनात्मक ढांचे को वक्त रहते सुधार लिया जाए।

लेखनी के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में मीडिया की अहम भूमिका : नायब सिंह

चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज़ादी के बाद से लेकर आज तक राष्ट्र निर्माण में मीडिया की अहम भूमिका रही है। उन्होंने राष्ट्रहित में अपनी लेखनी को आधार बनाने वाले सभी पत्रकारों की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि मीडिया की स्वतंत्रता लोकतंत्र की मजबूती का आधार स्तंभ है और यही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के राधा कृष्णन ऑडिटोरियम में हरियाणा यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के वार्षिक अधिवेशन में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने सभी पत्रकारों को हिंदी पत्रकारिता दिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कलम के प्रहरियों को सलाम किया। अधिवेशन में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर व बाबा कपिलपुरी जी महाराज विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ अधिवेशन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महर्षि नारद मुनि के वंशज होने के नाते पत्रकारिता के धर्म का निर्वाह कर रहे सभी मीडिया बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह पावन दिवस हमारे पंचम गुरु 'श्री गुरु अर्जन देव जी' की शहादत को नमन करने का दिन भी है, जिन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। साथ ही उन्होंने अरूट महाराज की जयंती पर उन्हें नमन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विकसित भारत का सपना साकार हो रहा है और हमारा राष्ट्र विश्व में अग्रणी बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

देश की आजादी के आंदोलन में पत्रकारों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज को नई दिशा देने वाले विचार निर्माता पत्रकार ही होते हैं, जिनके निरंतर सहयोग से राष्ट्र उन्नति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मीडिया लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रहा है और हरियाणा सरकार भी मीडिया के हितों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में मीडिया का योगदान महत्वपूर्ण है। समाज में नई चेतना उत्पन्न करते हुए योजनाओं से लाभान्वित करने में मीडिया की सक्रिय भूमिका सदैव प्रशंसनीय है । उन्होंने मीडिया बंधुओं को सरकार की कुशल कार्यशैली के बारे में लोगों को अवगत कराते हुए नैतिक पत्रकारिता पर फोकस करने के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने बताया कि मीडिया फ्रेंडली माहौल सरकार दे रही है ताकि पत्रकार निर्भीक होकर अपनी लेखनी का इस्तेमाल समाज हित में कर सकें।

हरियाणा में ब्राह्मण समाज को मिला भरोसे का तोहफा : सैनी

चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसियां)। 30 मई को कैथल में तापमान अलग ही था। भगवान परशुराम जयंती पर राज्य स्तरीय समारोह में न सिर्फ धार्मिक आस्था दिखाई गई, बल्कि सामाजिक जागरूकता की नई लकीर भी खींची गई। जब हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंच से बताया कि कैथल के मेडिकल कॉलेज का नाम भगवान परशुराम के नाम पर रखा जाएगा, तो जो तालियां बजीं, वे सिर्फ प्रोत्साहन ही नहीं थीं, बल्कि यह उस समुदाय की तरफ से सम्मान की प्रतिध्वनि थी, जो लंबे समय से इसका इंतजार कर रहा था। संस्कृति से सत्ता तक, परशुराम का विस्तार मंच से बोलते हुए मुख्यमंत्री ने भगवान परशुराम की जयंती पर राजपत्रित अवकाश की भी घोषणा की। यह फैसला सरकार की संस्कृति को मान्यता देने का संकेत है, जो सालों से सिर्फ एक दिन की छुट्टी के बजाय सिर्फ कथा तक सीमित थी।मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पहरवार गांव में स्थित गौड़ ब्राह्मण महाविद्यालय की जमीन को लेकर 2013 से चले आ रहे विवाद को सुलझाने की घोषणा की । यह फैसला न केवल शिक्षण संस्थान के अस्तित्व की गारंटी देता है, बल्कि यह भी साबित करता है कि अगर प्रशासनिक इच्छाशक्ति हो, तो वर्षों पुराने मुद्दे भी सुलझाए जा सकते हैं।

उत्तर प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक सौगात मिली

बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा प्रदेश

कानपुर, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में शुक्रवार को एक नया इतिहास रचा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानपुर में प्रदेश को 44,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली तापीय विद्युत परियोजनाओं की सौगात दी। इन परियोजनाओं से प्रदेश में न सिर्फ 24.89 प्रतिशत उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि इससे औद्योगिक, कृषि और सामाजिक विकास को नई ऊर्जा मिलेगी। इन परियोजनाओं से प्रदेश की उत्पादन क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि होगी, जो प्रदेश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में अहम योगदान देगा। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश अब ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक राज्य के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की सौगात और योगी सरकार की सतत ऊर्जा नीति ने प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर किया है। आने वाले वर्षों में यह ऊर्जा विस्तार हर घर में रोशनी, हर खेत में बिजली और हर युवा को अवसर देने का आधार बनेगा।

इन तापीय परियोजनाओं के शुभारंभ से प्रदेश को बड़े लाभ होंगे। सबसे महत्वपूर्ण लाभ बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को लेकर होगा। 2017 तक उत्तर प्रदेश की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता 15,916 मेगावाट थी। योगी सरकार ने इसे बढ़ाकर 24,868 मेगावॉट तक पहुंचा दिया है और इस वर्ष के अंत तक यह क्षमता 27,184 मेगावॉट हो जाएगी। सभी नई परियोजनाओं में सुपरक्रिटिकल तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे कम कोयले में ज्यादा बिजली बनती है। इससे कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है और पर्यावरण संरक्षण को बल मिला है।

इन परियोजनाओं से प्रदेश के राजस्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। नई परियोजनाओं से उत्पादित बिजली का 75.11 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश में और 24.89 प्रतिशत असम को भेजा जाएगा। इससे प्रदेश को राजस्व प्राप्त होगा और ऊर्जा वितरण में संतुलन बनेगा। इसका लाभ हर वर्ग को मिलेगा। बिजली आपूर्ति की मजबूती से कृषि कार्यों, घरेलू उपभोक्ताओं और औद्योगिक इकाइयों को सीधा लाभ मिलेगा। सिंचाई सस्ती होगी, फैक्ट्रियों का उत्पादन बढ़ेगा और घरों में निर्बाध बिजली उपलब्ध होगी।

इन परियोजनाओं के निर्माण और संचालन से हजारों युवाओं को रोजगार मिला है। साथ ही इन परियोजना क्षेत्रों में सड़क, जल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे आधारभूत ढांचे का भी विकास हो रहा है। आगामी 10 वर्षों के लिए योगी सरकार ने 10,795 मेगावाट तापीय ऊर्जा और 28,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन की व्यापक योजना बनाई है। इससे न केवल प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा, बल्कि यह राष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति का एक मजबूत स्तंभ भी बनेगा।

दूसरी तरफ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कानपुरवासियों को मेट्रो परियोजना के विस्तार का भी बड़ा तोहफा दिया। 2,100 करोड़ से अधिक की लागत वाली यह परियोजना अब मोतीझील से कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन तक के 7 किलोमीटर लंबे नए कॉरिडोर को जोड़ेगी। इस मेट्रो विस्तार से नगर के प्रमुख बाजारों, कार्यालयों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में आवागमन सुगम हो जाएगा। इस नए सेक्शन में कुल 5 भूमिग मेट्रो स्टेशन शामिल होंगे जिनमें चुन्नीगंज, नवीन मार्केट, बड़ा चौराहा, नयागंज और कानपुर सेंट्रल हैं। यह रूट शहर के दिल से जुड़ते हुए व्यापारिक और परिवहन गतिविधियों के प्रमुख केंद्रों को जोड़ेगा। इनमें लाल इमली, जेड स्क्वायर मॉल, ग्रीनपार्क स्टेडियम, परेड मैदान, बुक मार्केट और सोमदत्त प्लाजा जैसे महत्वपूर्ण स्थान सीधे मेट्रो से जुड़ जाएंगे। मेट्रो के विस्तार से हजारों यात्रियों को ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी और उनकी यात्रा अधिक आरामदायक, सुरक्षित और समयबचाऊ होगी। इसके साथ ही, मेट्रो संचालन से निजी वाहनों पर निर्भरता घटेगी, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और वायु प्रदूषण नियंत्रित होगा। मेट्रो की तेज और नियमित सेवा से लोग कम समय में अधिक दूरी तय कर सकेंगे, जिससे ईंधन और खर्च में उल्लेखनीय बचत होगी। परियोजना से शहर की यातायात व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और कानपुर को एक स्मार्ट शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह अहम भूमिका निभाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर भावुक हो गईं ऐशन्या

ऐसा लगा कि किसी बड़े ने सिर पर हाथ रख दिया

कानपुर, 30 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले में शहीद शुभम द्विवेदी के परिजनों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुलाकात की। शहीद शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशन्या ने कहा, ऐसा लगा जैसे किसी बड़े ने सिर पर हाथ रख दिया हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करके मैं बहुत भावुक हो गई। मुलाकात के दौरान शुभम के पिता संजय द्विवेदी और मां सीमा भी मौजूद थीं। यह मुलाकात भावुक माहौल में हुई, जहां प्रधानमंत्री ने शहीद के परिवार को ढांढस बंधाया और उनके साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री ने ऐशन्या से बातचीत करते हुए उनका हालचाल जाना और कहा कि देश को आपके पति पर गर्व है, उनका बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। सरकार आपके साथ है। उन्होंने घटना पर गहरा दुःख भी जताया। मुलाकात के वक्त माहौल गमगीन हो गया और मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। परिजनों ने प्रधानमंत्री का आभार जताया और अपनी बात साझा की। प्रधानमंत्री से हुई इस मुलाकात को ऐशन्या ने एक आत्मीय और संबल देने वाला क्षण बताया। उन्होंने कहा कि देश के सबसे बड़े नेता का इस तरह आकर हालचाल पूछना उनके लिए गर्व और भावुकता से भरा पल था। ऐशन्या ने बताया कि पीएम मोदी ने आपरेशन सिंदूर अभी जारी रखने की बात कहीं है। साथ ही, आतंक के खिलाफ लड़ाई जारी रहने के लिए भी कहा।

डिफेंस कॉरिडोर के लिए आगरा, अलीगढ़ नोड को आगे ले जाने की तैयारी

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में डिफेंस कॉरिडोर परियोजना (यूपीडीआईसी) के अंतर्गत डिफेंस मैनुफैक्चरिंग फ्रेमवर्क स्थापित करने का काम जारी है। यूपीडीआईसी के आगरा और अलीगढ़ नोड में आंतरिक संरचनाओं के विकास की प्रक्रिया को धरातल पर उतारने का काम चल रहा है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने खाका तैयार किया है।

यूपीडा द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार, आगरा में 120.98 करोड़ की लागत से 123.13 हेक्टेयर तथा अलीगढ़ में फेज-2 के तहत 87.89 हेक्टेयर में 64.31 करोड़ रुपए खर्च कर आंतरिक संरचना का निर्माण व विकास किया जाएगा। इस प्रकार, दोनों नोड्स में कुल मिलाकर 12 महीने में 211.02 हेक्टेयर क्षेत्र में लगभग 185.30 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण व विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा। यूपीडा द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार, आगरा व अलीगढ़ में होने वाले आंतरिक संरचनाओं से जुड़े निर्माण व विकास कार्यों को ईपीसी मोड पर पूरा किया जाएगा।

प्रक्रिया के अंतर्गत आगरा में बड़े स्तर पर कार्य तो प्रस्तावित हैं ही, साथ ही अलीगढ़ में फेज-2 के कार्यों की भी शुरुआत होगी। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) डबल इंजन की सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसका उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

यह कॉरिडोर छह प्रमुख नोड्स-लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट में फैला हुआ है, जिन्हें उत्कृष्ट परिवहन नेटवर्क से जोड़ा गया है।

हाल ही में, लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई का उद्घाटन हुआ है, जो 300 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित की गई है। इसके अलावा, अलीगढ़ नोड में भी हजारों करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आकर्षित किए हैं, जिसमें ड्रोन और एडवांस्ड वारफेयर सिस्टम के निर्माण की परियोजनाएं शामिल हैं।

यूपीडा द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार आगरा में तथा अलीगढ़ में फेज-2 के तहत होने वाले कार्यों में आंतरिक सड़कों, कई खंड की इमारतों समेत विभिन्न सुविधाओं का निर्माण व विकास होगा। इसमें 24 मीटर व 18 मीटर चौड़ी सड़कें, पुलिया, सड़क यातायात के साइन बोर्ड की स्थापना, फायर स्टेशन, गार्ड रूम, एंट्री गेट्स का निर्माण, पंप रूम, ओवरहेड टैंक, बोरवेल, जल निकासी प्रणाली, बाउंड्री वॉल के निर्माण, उत्तम प्रकाश व्यवस्था, विद्युतीकरण समेत विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में औद्योगिक भूखंडों के आवंटन की स्कीम लाई यूपी सरकार

ग्रेटर नोएडा, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रेटर नोएडा में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नई स्कीम लेकर आई है। सीएम योगी के विजन को मिशन मानकर ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्कीम के अंतर्गत गौतमबुद्ध नगर के ग्रेटर नोएडा स्थित इकोटेक, उद्योग केंद्र और उद्योग विहार समेत विभिन्न सेक्टर्स में कुल मिलाकर 40 औद्योगिक भूखंडों के आवंटन का मार्ग प्रशस्त होगा। इस स्कीम के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए भूखंड तलाश रहे आवेदनकर्ताओं के लिए 450 से लेकर 8000 स्क्वेयर मीटर के प्लॉट उपलब्ध होंगे। इनका रिजर्व प्राइस प्रति स्क्वेयर मीटर 28,600 से 33,950 के बीच निर्धारित है।

खास बात यह है कि इस स्कीम के अंतर्गत आवेदन करने वाले आवेदनकर्ता 242 केटेगरी के अंतर्गत औद्योगिक इकाई लगा सकेंगे। वहीं, डिस्टिलरी, पेट्रोकेमिकल्स, उर्वरक समेत 27 कैटेगरी के उद्योग इस स्कीम के पात्र नहीं होंगे। जबकि, डाई, ब्लीचिंग समेत 5 प्रकार के उद्योग को रिस्ट्रिक्टिव बेसिस पर औद्योगिक इकाई लगाने की स्वीकृति दी जा सकती है। इसके अतिरिक्त, एक अन्य स्कीम के अंतर्गत दादरी के पास मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना के लिए बल्क लैंड अलॉटमेंट प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा जिन 40 औद्योगिक प्लॉटों के आवंटन की स्कीम लायी गई है उनके अंतर्गत अगरबत्ती, हैंडीक्राफ्ट प्रोडक्ट से लेकर इलेक्ट्रिक कॉम्पोनेंट्स मैनुफैक्चरिंग इकाइयों की स्थापना होगी। इस स्कीम के अंतर्गत ब्रोशर डाउनलोड की प्रक्रिया शुरू हो गई है। रजिस्ट्रेशन दाखिल करने की अंतिम तिथि 16 जून, रजिस्ट्रेशन, ईएमडी व प्रोसेसिंग फीस जमा करने की अंतिम तिथि 18 जून तथा फाइनल सबमिशन की अंतिम तिथि 20 जून निर्धारित है। प्रक्रिया के अंतर्गत, ग्रेटर नोएडा के इकोटेक-11, इकोटेक-3, उद्योग केंद्र एक्सटेंशन-1, इकोटेक-1 एक्सटेंशन, इकोटेक-2, उद्योग विहार एक्सटेंशन, इकोटेक-6 ब्लॉक बी तथा इकोटेक-10 में औद्योगिक भूखंड आवंटन के लिए उपलब्ध हैं। भू-आवंटन को ई-ऑक्शन प्रक्रिया के जरिए पूरा किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण तथा निवेश मित्र की साइट को देखा जा सकता है।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा गौतमबुद्ध नगर में दादरी के समीप मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना के लिए बल्क लैंड अलॉटमेंट प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके लिए स्कीम लायी गई है जिसके अंतर्गत इंटर मोडल कंटेनर टर्मिनल, कार्गो हैंडलिंग यार्ड, मैकेनाज्ड वेयरहाउस, स्पेशलाइज्ड कोल्ड स्टोरेज, लॉजिस्टिक्स और कार्गो टर्मिनल बिजनेस, कस्टम क्लियरेंस, फ्रेट फॉर्वर्डिंग सर्विस और ट्रांसपोर्टेशन जैसी सर्विसेस की स्थापना हो सकेगी। सेक्टर कप्पा-2 के प्लॉट नंबर-1 पर इन सर्विसेस की स्थापना के लिए स्कीम लायी गई है। इसके अंतर्गत 174.12 एकड़ क्षेत्र में विभिन्न सुविधाओं की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा। उल्लेखनीय है कि यह जेवर एयरपोर्ट के समीप है तथा ईस्टर्न व वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ा हुआ है जिससे यह उत्तम रोड व एयर कनेक्टिविटी को सुनिश्चित करता है।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना के लिए स्कीम के अंतर्गत 11 हजार रुपए प्रति स्क्वेयर मीटर लैंड अलॉटमेंट रेट निर्धारित किया गया है।

यहां लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना करने वाली पात्र इकाइयों को मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) पॉलिसी-2024 के अंतर्गत विशेष लाभ मिलेंगे। यहां इकाई स्थापना के लिए प्रक्रिया शुरू हो चुकी है जो 23 जून 2025 तक जारी रहेगी। 1200 करोड़ का निवेश करने के साथ ही लॉजिस्टिक्स सेक्टर में कार्य करने के विए 10 वर्षों का अनुभव रखने वाले डेवलपर ही स्कीम के अंतर्गत पात्र होंगे

मुरादाबाद में यूपी निर्यात वृद्धि अभियान का शुभारंभ

निर्यातकों के लिए सुनहरा अध्याय बनेगा अभियान

मुरादाबाद, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम (यूपीएसआईसी) और इंडिया एसएमई फोरम के संयुक्त प्रयास से उत्तर प्रदेश निर्यात वृद्धि अभियान की शुरुआत की गई। यह अभियान राइजिंग एंड एक्सलरेटिंग एएसएमई परफर्मेंस योजना के तहत क्रियान्वित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य राज्य के 500 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाना है। यह विशेष रूप से हस्तशिल्प, हथकरघा और होम डेकोर क्षेत्रों में पहली बार निर्यातक बनने में सहायता प्रदान करने पर केंद्रित है।

यह अभियान एक समग्र क्षमतावर्धन कार्यक्रम है, जो एमएसएमई की निर्यात क्षमता को साकार करने के लिए एक तीन-चरणीय संरचित प्रक्रिया अपनाता है। इसमें व्यावहारिक प्रशिक्षण और व्यक्तिगत मेंटरशिप, उत्पाद विकास, पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन, अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़ाव और खरीदार डाटा तक पहुंच, ई-कॉमर्स मंचों का उपयोग और वैश्विक प्रदर्शनियों में भागीदारी तथा पहली बार निर्यातकों के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में सहायता प्रमुख हैं। उत्तर प्रदेश निर्यात वृद्धि अभियान का लक्ष्य नवाचार, स्थिरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार एक एमएसएमई इकोसिस्टम तैयार करना है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय व्यापार का गहन समझ देने के साथ-साथ एक मजबूत बायर-सेलर नेटवर्क तैयार करने में मदद करेगा, जिससे राज्य में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बल मिलेगा।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव (एमएसएमई) आलोक कुमार ने एमएसएमई क्षेत्र को मिल रही अभूतपूर्व प्राथमिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आप किसी भी ऐसे विकसित देश को देखेंगे जिसने 25-30 वर्षों में तेज़ी से प्रगति की है, वहां दो मुख्य स्तंभ देखने को मिलते हैं- पहला, उन्होंने निर्यात के क्षेत्र में अद्भुत प्रगति की है, और दूसरा, उनका एमएसएमई क्षेत्र अत्यंत सक्रिय और जीवंत रहा है। ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। वहीं, यूपीएसआईसी के प्रबंध निदेशक राज कमल यादव ने कहा कि हम एक मजबूत और सहायक इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि हमारे उद्यमी वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा कर सकें। इस अवसर पर इंडिया एसएमई फोरम के अध्यक्ष विनोद कुमार ने कहा कि एमएसएमई राज्य के कुल निर्यात में लगभग 45 प्रतिशत का योगदान करते हैं। जैसे ही डी2सी और ई-कॉमर्स निर्यात के नए अवसर खुलते हैं, यूपी के एमएसएमई को दुनिया के सामने अपनी रचनात्मकता दिखाने का अवसर मिलता है।

मुरादाबाद के होटल हॉलिडे रिजेंसी में आयोजित इस शुभारंभ कार्यक्रम में निर्यात को बढ़ावा देने हेतु इकोसिस्टम और वैश्विक प्रतिस्पर्धी निर्यात को सक्षम बनाना, विषय पर पैनल सत्र आयोजित किए गए, जिनमें डीजीएफटी, एक्जिम बैंक, इंडिया पोस्ट, ईपीसीएच और शिप ग्लोबल के विशेषज्ञों ने उपयोगी जानकारी साझा की। यह लॉन्च कार्यक्रम एमएसएमई को विशेषज्ञों और सरकारी प्रतिनिधियों से संवाद, नेटवर्किंग और हैंड होल्डिंग सहायता प्रदान करने का एक उत्कृष्ट मंच रहा। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव (एमएसएमई एवं निर्यात विभाग) आलोक कुमार तथा उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के प्रबंध निदेशक राज कमल यादव समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी व पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

शहरों में श्रमिकों के लिए बनेंगे सुविधा केंद्र और श्रमिक सराय

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में योगी योगी सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में राज्य सरकार डॉ. भीमराव अंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र और विश्वकर्मा श्रमिक सराय योजना जैसी अभिनव योजनाओं के माध्यम से न सिर्फ श्रमिकों की दैनिक समस्याओं को हल करने जा रही है, बल्कि उन्हें गरिमा और सुविधा के साथ जीने का अवसर भी प्रदान कर रही है।

योगी सरकार ने तय किया है कि प्रथम चरण में राज्य के 17 नगर निगम क्षेत्रों और नोएडा व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों को श्रमिकों के लिए एक वन-स्टॉप समाधान केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां उन्हें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, पंजीकरण सुविधा, सरकारी योजनाओं की जानकारी, और आवश्यक सेवाएं मिलेंगी। बीते दिनों श्रम विभाग ने सीएम योगी के समक्ष इन योजनाओं का विस्तृत खाका पेश किया। इन केंद्रों के माध्यम से योगी सरकार का लक्ष्य है कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को योजनाओं से जोड़ने में तेजी लाई जाए, ताकि कोई भी श्रमिक सरकारी लाभों से वंचित न रहे।

प्रदेश में प्रवासी निर्माण श्रमिकों की संख्या बड़ी है जो काम की तलाश में एक शहर से दूसरे शहर जाते रहते हैं। इनकी रातें अक्सर फुटपाथ या असुरक्षित स्थानों पर गुजरती हैं। ऐसे में योगी सरकार की विश्वकर्मा श्रमिक सराय योजना प्रवासी श्रमिकों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल के रूप में राहत लेकर आ रही है। इन सरायों में स्वच्छ शौचालय, स्नानगृह, क्लॉक रूम और अस्थायी आवास की सुविधा होगी, जिससे श्रमिक न केवल सुरक्षित रह सकेंगे बल्कि अगली सुबह नए काम की तलाश में बेहतर ढंग से निकल सकेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रमिक कल्याण को लेकर गंभीर हैं और कई मौकों पर उन्होंने कहा है कि राज्य का निर्माण करने वाले श्रमिकों को सुविधाएं देना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उनकी इसी सोच का परिणाम है कि यूपी में पहली बार श्रमिकों के लिए इस तरह के स्थाई ढांचे की योजना बनाई जा रही है, जो श्रमिकों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सके। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि भविष्य में इन योजनाओं का विस्तार हर नगर क्षेत्र और बड़े औद्योगिक क्षेत्रों तक किया जाए, ताकि कोई भी श्रमिक सुविधाओं से वंचित न रहे।

पटना में युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से मिले प्रधानमंत्री मोदी

पटना,30 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पटना एयरपोर्ट पर भारत के युवा क्रिकेटिंग सितारे वैभव सूर्यवंशी और उनके परिवार से मुलाकात की। इस विशेष भेंट के दौरान प्रधानमंत्री ने वैभव को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल क्रिकेट भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने वैभव की क्रिकेट प्रतिभा की सराहना की और कहा कि देशभर में उनके खेल की खूब तारीफ हो रही है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर लिखा, पटना एयरपोर्ट पर भारत के युवा क्रिकेट सितारे वैभव सूर्यवंशी और उनके परिवार से मुलाकात हुई। उनकी क्रिकेट प्रतिभा को पूरे देश में सराहा जा रहा है! उन्हें भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएँ।

बीसीए अध्यक्ष की पहल से हुई खास मुलाकात

इस मुलाकात को संभव बनाने का श्रेय बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) के अध्यक्ष राकेश तिवारी को जाता है। उन्होंने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) और बीसीसीआई से विशेष अनुमति लेकर वैभव को गुरुवार को पटना बुलाया और प्रधानमंत्री से भेंट करवाई।

बीसीए अध्यक्ष ने कहा, यह सिर्फ वैभव के लिए नहीं, बल्कि पूरे बिहार क्रिकेट के लिए एक उपलब्धि है। इससे साबित होता है कि बिहार में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस ज़रूरत है सही मंच, अवसर और मार्गदर्शन की।

आईपीएल में धमाल मचा चुके हैं वैभव

बिहार से ताल्लुक रखने वाले वैभव सूर्यवंशी ने इस साल आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए जबरदस्त प्रदर्शन किया था। उन्होंने 7 मैचों में 206.56 की स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए थे और सबका ध्यान खींचा था। पिछले साल वह आईपीएल नीलामी में खरीदे जाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे, जब राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ में टीम में शामिल किया था।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चमके

वैभव ने विजय हजारे ट्रॉफी 2024–25 में बड़ौदा के खिलाफ 42 गेंदों में 71 रन की पारी खेलकर लिस्ट–ए में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में खेले गए यूथ टेस्ट मैच में सिर्फ 58 गेंदों में शतक जड़कर भारत की ओर से सबसे तेज़ यूथ टेस्ट सेंचुरी बनाने का कारनामा किया। इसके अलावा एसीसी अंडर–19 एशिया कप में भी दो अहम अर्धशतकों के साथ भारत को फाइनल तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। वैभव की यह मुलाकात उनके करियर के लिए प्रेरणास्रोत साबित हो सकती है और बिहार क्रिकेट के उज्जवल भविष्य की एक नई उम्मीद भी।

न्यूज़ ब्रीफ

सिंगापुर ओपन 2025: सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शुक्रवार को सिंगापुर इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में जीत दर्ज कर सिंगापुर ओपन 2025 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने मलेशिया की जोड़ी गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन को सीधे गेमों में 21–17, 21–15 से हराया। यह मुकाबला 39 मिनट तक चला। इस सीजन बीडब्ल्यूएफ टूर पर भारतीय जोड़ी इंडिया ओपन और मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में हार चुकी है। खास बात यह है कि इंडिया ओपन में सात्विक–चिराग को हराने वाली जोड़ी भी गोह और इज्जुद्दीन ही थी, जिनसे इस बार उन्होंने बदला लिया। अब सात्विक और चिराग की नजर इस सीजन के अपने पहले फाइनल में जगह बनाने पर होगी। इसके लिए उन्हें मलेशिया की एक और जोड़ी से भिड़ना होगा। इनमें मान वेई चोंग–काई वुन टी या फिर आरोन चिया–सोह वूई यिक की जोड़ी हो सकती है। दोनों ही जोड़ियां टूर्नामेंट में सीडेड हैं। गौरतलब है कि सात्विक–चिराग इस टूर्नामेंट में भारत की इकलौती चुनौती बचे हैं। पीवी सिंधु, एचएस प्रणय और ट्रीसा जॉली–गायत्री गोपीचंद समेत अन्य खिलाड़ी पहले ही बाहर हो चुके हैं।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप : भारत की पुरुष 4×100 मीटर रिले टीम हीट में अयोग्य घोषित

गुमी (दक्षिण कोरिया)। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत की पुरुष 4×100 मीटर रिले टीम को हीट्स के दौरान अयोग्य (डिसक्वालिफाई) घोषित कर दिया गया। यह घटना शुक्रवार को गुमी में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान हुई। मणिकंता होब्लिदार, अम्लान बोर्गोहेन, राहुल कुमार और प्रणव गुरव की चौकड़ी ने हीट रेस में दूसरा स्थान हासिल किया था, जो सामान्यत: फाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त होता है, लेकिन टाइमिंग डिस्प्ले के दौरान टीम के नाम के आगे डिसक्वालिफाई लिखा नजर आया।

बाद में पुष्टि हुई कि भारतीय टीम ने बैटन एक्सचेंज टेकओवर ज़ोन से बाहर किया, जो वर्ल्ड एथलेटिक्स के तकनीकी नियम 24.7 का उल्लंघन है। इसी कारण उन्हें रेस से बाहर कर दिया गया। भारत ही नहीं, मलेशिया की टीम भी इसी गलती के चलते अयोग्य घोषित कर दी गई। सूत्रों के अनुसार, भारत ने इस फैसले के खिलाफ अपील नहीं करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि भारतीय टीम में इस रेस के दौरान दो नियमित धावक गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजुर नहीं खेले, जिनकी जगह प्रणव और राहुल को मौका दिया गया था। यही बदलाव भी टीम के तालमेल में कमी का कारण माना जा रहा है।

फोर नेशंस हॉकी टूर्नामेंट: भारतीय जूनियर महिला टीम को चिली ने शूटआउट में हराया

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के रोसारियो में चल रहे फ्रेंडली फोर नेशंस हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय जूनियर महिला

हॉकी टीम को चिली के खिलाफ शूटआउट में 1–3 से हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक दोनों टीमों के बीच मुकाबला 2–2 की बराबरी पर रहा। सुखवीर कौर और कनिका सिवाच ने भारत के लिए किए गोल भारत के लिए सुखवीर कौर (35) और कनिका सिवाच (47) ने गोल किए, जबकि चिली की ओर से जासिंटा सोलारी (27) और कप्तान लॉरा म्यूलर (42) ने गोल दागे। चिली ने दूसरे क्वार्टर में जासिंटा सोलारी के पेनल्टी कॉर्नर गोल की मदद से 27वें मिनट में बढ़त हासिल की। इसके जवाब में भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही वापसी की और सुखवीर कौर ने 35वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1–1 कर दिया। इसके बाद चिली ने एक बार फिर बढ़त बनाई, जब कप्तान लॉरा म्यूलर ने 42वें मिनट में शानदार फील्ड गोल किया। लेकिन भारत ने चौथे क्वार्टर की जोरदार शुरुआत की और कनिका सिवाच ने 47वें मिनट में बराबरी का गोल कर मैच को रोमांचक बना दिया। निर्धारित समय तक स्कोर बराबरी पर रहने के कारण मुकाबला शूटआउट में गया, जहां चिली ने 3–1 से जीत दर्ज की। चिली के लिए जोसेफिना कॉन्सटांज़ा गुटिरेज, इसाबेल लियोनोर मेसेन, और ट्रिनिडैड एंटोनिया बारियोज़ ने शूटआउट में गोल किए, जबकि भारत की ओर से केवल सोनम ही स्कोर कर सकीं। भारतीय टीम अब 1 जून 2025 (भारतीय समयानुसार) को अपने अगले मुकाबले में उरुग्वे से भिड़ेगी।

आखिरी 12 गेंदों में मुंबई इंडियंस ने यूं पलट दी बाजी

रोमांचक एलिमिनेटर में गुजरात को रौंदा, क्वालिफायर-2 में पंजाब से भिड़ंत

मुल्लांपुर, 30 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के रोमांचक एलिमिनेटर में मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस को हराते हुए अपने छठे खिताब की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। गुजरात टाइटंस को आखिरी ओवर में 24 रनों की जरूरत थी और राहुल तेवतिया मैदान पर थे, लेकिन ग्लीसन ने शुरुआती 3 गेंदों में सिर्फ 3 रन दिए, जबकि आखिरी 3 गेंदें अश्वनी कुमार ने कीं और मैच बचा लिया। उन्होंने शाहरुख खान को आउट भी किया। मैच में मुंबई इंडियंस ने पहले बैटिंग करते हुए 228 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया था। जवाब में गुजरात टाइटंस की टीम 6 विकेट पर 208 रनों तक ही पहुंच सकी। उसके लिए सबसे अधिक साई सुदर्शन ने 49 गेंदों में 10 चौके और एक छक्का के दम पर 80 रनों की पारी खेली, जबकि ट्रेंट बोल्ट ने 2 विकेट झटके, हालांकि जसप्रीत बुमराह 4 ओवरों में 27 रन देकर एक विकेट झटकने के साथ ही सबसे किफायती रहे। अब क्वालिफायर–2 में मुंबई इंडियंस की भिड़ंत एक जून को पंजाब किंग्स के साथ अहमदाबाद में होगी, जिसकी विनर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ 3 जून को फाइनल खेलेगी।

229 रनों के पहाड़ सरीखे लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआती अच्छी नहीं रही। कप्तान शुभमन गिल पहले ही ओवर की चौथी गेंद पर ट्रेंट बोल्ट के शिकार बने। वह एक रन पर डइथ आउट दिए गए, जबकि तुरंत उछड लिया लेकिन काम नहीं बना। अगले ओवर में जसप्रीत बुमराह ने सिर्फ 4 रन देकर दबाव बनाया तो तीसरे ओवर में साई सुदर्शन ने ट्रेंट बोल्ट को दूसरी गेंद पर छक्का लगाया, जबकि कुसल मेंडिस ने दो और छक्के जड़ते हुए इस ओवर में कुल 21 रन कूट डाले। इन दोनों ने रनों के बहाव को कम नहीं होने दिया और यही वजह है कि गुजरात ने कप्तान का विकेट गंवाने के बावजूद 50 रन 5 ओवरों में पूरे कर लिए।

गुजरात की पारी संभलते दिख रही थी कि बड़ी हिट लगाने के चक्कर में अपना बैलेंस खोने वाले कुसल मेंडिस ने पिछला पैर स्टंप्स पर दे मारा। सेंटनर की गेंद पर अजीब तरीके से आउट होने वाले कुसल ने 10 गेंदों में 2 छक्के और एक चौका के दम पर 20 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद गुजरात के खेमे में सन्नाटा पसर गया। हर किसी को इस विकेट की कीमत पता थी। कप्तान शुभमन गिल और हेड कोच आशीष नेहरा का चेहरा पीला पड़ गया था। इस तरह से 64 रनों की साझेदारी टूट गई।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

भारत ने मारी ज़ोरदार छलांग, पदक तालिका में पहुंचा दूसरे स्थान पर

गुमी (दक्षिण कोरिया),30 मई (एजेंसियां)। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत ने तीसरे दिन गुरुवार को दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। अविनाश साबले, ज्योति याराजी और महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम की स्वर्णिम जीत ने भारत को यह बड़ी उपलब्धि दिलाई।

तीन गोल्ड से बदली तस्वीर, जापान को छोड़ा पीछे

तीसरे दिन भारत ने तीन गोल्ड मेडल जीतकर पदक तालिका में बड़ा उलटफेर कर दिया। अविनाश साबले ने पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में अपनी श्रेष्ठता साबित की, वहीं ज्योति याराजी ने महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में शानदार फिनिश करते हुए गोल्ड अपने नाम किया। इसके अलावा, महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम ने देश को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाकर सभी को गर्व से भर दिया। चीन शीर्ष पर, भारत ने बनाई कड़ी चुनौती अब तक के आंकड़ों के अनुसार चीन 21 पदकों (12 स्वर्ण, 6 रजत, 3 कांस्य) के साथ पदक तालिका में पहले स्थान पर बना हुआ है। भारत 5 स्वर्ण, 6 रजत और 3 कांस्य पदकों के साथ कुल 14 मेडल जीतकर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। जापान भी चीन जितने ही (21) पदक जीत चुका है, लेकिन उसके पास केवल 4 स्वर्ण हैं, इसी वजह से वह तीसरे स्थान पर है। कतर और ईरान भी दौड़ में शामिल चौथे स्थान पर कतर है, जिसने अब तक 2 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। ईरान 2 स्वर्ण पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है, हालांकि उसके खाते में अभी तक कोई रजत या कांस्य पदक नहीं आया। अब सबकी निगाहें 31 मई पर एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का समापन 31 मई को होगा और उम्मीद की जा रही है कि भारत अपनी पदकों की संख्या में और इज़ाफा कर सकेगा। मौजूदा प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय एथलीट अब एशिया में शीर्ष स्थान के लिए सशक्त दावेदार बन चुके हैं।

नॉर्वे शतरंज में मैग्नस कार्लसन की दमदार वापसी, चौथे राउंड के बाद ली बढ़त

विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने भारतीय नंबर 2 अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ एंडगेम में शानदार जीत दर्ज कर यह दिखा दिया कि वह क्यों विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। पिछले दो राउंड में आर्मागेडन गेम हारने के बाद कार्लसन ने अपने घरेलू मैदान पर जोरदार वापसी की है। विश्व चैंपियन डी गुकेश और विश्व नंबर 3 फाबियानो कारुआना के बीच मुकाबले में कारुआना लगभग पूरे खेल में बेहतर स्थिति में थे और जीत के प्रबल दावेदार दिख रहे थे। लेकिन गुकेश की बेहतरीन डिफेंसिव क्षमता के चलते वे अपनी बढ़त को जीत में नहीं बदल सके। इसके बाद गुकेश ने आर्मागेडन मुकाबला आसानी से जीत लिया। विश्व नंबर 2 हिकारु नाकामुरा और चीनी खिलाड़ी वे यी के बीच क्लासिकल मुकाबला रोमांचक ड्रॉ पर खत्म हुआ। हालांकि आर्मागेडन टाईब्रेकर में वे यी ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए। नॉर्वे शतरंज महिला स्पर्धा में अन्ना मुझ्यचुक और कोनेरु हम्पी संयुक्त बढ़त पर नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट के चौथे दिन भी मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। टूर्नामेंट में पहली बार खेल रही सारा खदेमालशरीह ने तिंगजी लेई के खिलाफ आक्रामक अंदाज में जीत दर्ज करते हुए अपना खाता खोला।

न्यूज़ीलैंड के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का निधन, 77 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली ,30 मई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का गुरुवार को 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए उक्त जानकारी दी। ट्रिस्ट ने न्यूजीलैंड को साल 2000 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (अब चैंपियंस ट्रॉफी) जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। यह न्यूजीलैंड पुरुष टीम का पहला वैश्विक खिताब था।

14 साल तक खेले घरेलू क्रिकेट, फिर बने सफल कोच

डेविड ट्रिस्ट ने अपने करियर में 14 वर्षों तक कैंटरबरी के लिए तेज गेंदबाज के रूप में क्रिकेट खेला। इसके बाद उन्होंने कोचिंग की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने कैंटरबरी के अलावा दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग और नीदरलैंड्स की टीमों के साथ भी काम किया। साल 1999 में उन्होंने स्टीव रिक्सन की जगह न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय टीम के कोच का पद संभाला।

2000 में भारत को हराकर दिलाई खिताबी जीत

डेविड ट्रिस्ट के कार्यकाल में न्यूजीलैंड ने नैरोबी में खेले गए फाइनल में भारत को चार विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस मुकाबले में क्रिस केयर्न्स ने नाबाद शतक जड़ा था और टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। ट्रिस्ट का कार्यकाल भले ही केवल दो साल का रहा, लेकिन उन्होंने टीम को पहली बार वैश्विक स्तर पर विजयी बनाया।

कोचिंग के बाद भी जुड़े रहे क्रिकेट से

न्यूजीलैंड टीम से विदा लेने के बाद ट्रिस्ट क्राइस्टचर्च के ओल्ड कोलेजियंस क्रिकेट क्लब के कोचिंग डायरेक्टर बने। इसके अलावा उन्होंने भारत और इंग्लैंड में भी कोचिंग के क्षेत्र में काम किया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने दी श्रद्धांजलि

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करते हुए कहा, न्यूजीलैंड क्रिकेट को यह पुष्टि करते हुए गहरा दुख हो रहा है कि पूर्व ब्लैककैप्स कोच डेविड ट्रिस्ट का क्राइस्टचर्च में निधन हो गया है। वह 77 वर्ष के थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट, डेविड के परिवार और मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

आईपीएल 2025 के फाइनल में पहुंचने पर कप्तान पाटीदार ने कहा–हम अपनी योजनाओं को लेकर स्पष्ट थे

मुल्लांपुर,30 मई (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने गुरुवार को पंजाब किंग्स को आठ विकेट से हराकर आईपीएल 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। यह चौथा मौका है जब बैंगलोर की टीम फाइनल में पहुंची है। इस जीत के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने प्रशंसकों का आभार जताते हुए कहा कि टीम जहां खेलती है, ऐसा लगता है जैसे अपने होम ग्राउंड पर हों। कृपया ऐसे ही समर्थन करते रहिए।

मैच के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा,हम अपनी योजनाओं को लेकर स्पष्ट थे, खासकर गेंदबाजी में। तेज गेंदबाजों ने पिच का अच्छे से इस्तेमाल किया। सुयश ने भी बहुत अच्छी लाइन–लेंथ में गेंदबाजी की। मैं उसके रोल को लेकर हमेशा स्पष्ट रहता हूं– उसे सिर्फ स्टंप्स पर निशाना लगाना होता है। उसकी गूगली पढ़ना बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होता। मैं उसे ज्यादा निर्देश नहीं देता, ताकि वह कंफ्यूज न हो।

पाटीदार ने आगे कहा, फिल सॉल्ट जिस अंदाज़ में शुरुआत देते हैं, वह देखने लायक होता है। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। आरसीबी फैंस का हमेशा शुक्रगुज़ार हूं – हम जहां भी खेलते हैं, ऐसा लगता है जैसे अपने होम ग्राउंड पर खेल रहे हों। कृपया इसी तरह हमारा समर्थन करते रहिए।

56 रन की नाबाद पारी खेलने वाले फिल सॉल्ट ने कहा,बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। गेंद थोड़ी मूव हो रही थी, लेकिन ये इस सीजन की सबसे खराब पिच नहीं थी। मेरे दिमाग में एक ही बात चल रही थी – अर्शदीप से आउट मत होना। वह लीग स्टेज में दो बार मुझे अलग–अलग तरीके से आउट कर चुका है, इसलिए बस बॉल पर रिएक्ट करने पर ध्यान था।

उन्होंने आगे कहा, मैंने मैच से पहले कोच एंडी फ्लावर से कहा था कि सफर और ब्रेक शायद हमारे लिए फायदे का सौदा बनें। अब इस जीत से हमें जरूरी मोमेंटम मिल गया है, जो टूर्नामेंट के इस चरण में बेहद अहम है।

प्लेयर ऑफ द मैच रहे लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने 4 ओवर में 3 विकेट लेकर पंजाब की कमर तोड़ दी।

उन्होंने कहा,मैंने बस वही किया जो कोच ने प्लान दिया था। आज गेंदबाजी करते समय बहुत अच्छा महसूस कर रहा था। मुझे लगा कि कोई भी मेरी गूगली नहीं पढ़ पा रहा था, जिससे आत्मविश्वास बढ़ गया। हमने इसे एक सामान्य मैच की तरह लिया और सेमीफाइनल जैसा दबाव खुद पर नहीं डाला।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप : अफ्रीकन लायंस ने जीता अपना पहला मुकाबला

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग में गुरुवार रात अफ्रीकन लायंस ने एशियन किंग्स को 6 विकेट से हराकर आसान जीत दर्ज दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एशियन किंग्स को तीसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज परवेज अजीज (8) के रूप में पहला झटका लगा। हालांकि एक छोर पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज और लायंस के कप्तान तिलकरत्ने दिलशान ने संभाले रखा, पर दूसरी तरफ से लगातार विकेट गिरते रहे। उमंग शर्मा (31) ने उनका साथ निभाने की कोशिश जरूर करी, लेकिन दबाव के चलते छठे ओवर में दिलशान को भी 26 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा। जिसके बाद पूरी टीम धराशाई हो गई, अंत में इम्तियाज ने बहुमूल्य 35 रन बनाकर टीम को 138 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। पूर्व अफ्रीकाई दिग्गज हर्षेल गिब्स की कप्तानी में लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफ्रीकन लायंस के सलामी बल्लेबाज राहुल यादव ने 54 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए मैच को शुरुआत में ही एकतरफा कर दिया। जिसके बाद शेखर सिरोही (22) , शिवम शर्मा (21) और अंत में अली मुर्तजा ने 5 गेंद में 18 रन बनाकर टीम को 16.4 ओवर में 6 विकेट से आसान सी जीत दिला दी।

भारतीय कागज विनिर्माता संघ ने बढ़ते आयात पर चिंता व्यक्त की

वाशिंगटन, 30 मई (एजेंसियां)। **भारतीय कागज विनिर्माता संघ (आईपीएमए) ने बढ़ते आयात पर चिंता जताते हुए कहा कि चीन से आयात में 33 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2024-25 में कागज एवं पेपरबोर्ड का आयात रिकॉर्ड 20.5 लाख टन हो गया। आईपीएमए ने कहा कि आयात में यह वृद्धि घरेलू कागज उद्योग के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है।**

वित्त वर्ष 2024-25 में कागज, पेपरबोर्ड का आयात 20.5 लाख टन के पार

इससे घरेलू उद्योग की वृद्धि क्षमता पर असर पड़ा है और क्षमता विस्तार में निवेश पर संकट उत्पन्न हुआ है। भारतीय कागज विनिर्माता संघ ने वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि पिछले चार वर्ष में कागज एवं पेपरबोर्ड का आयात दोगुना से अधिक होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 20.5 लाख टन हो गया। यह वित्त वर्ष 2020-21 में 10.8 लाख टन था।

आईपीएमए ने कहा कि भारत में कुल कागज एवं पेपरबोर्ड आयात में चीन की हिस्सेदारी अब 27 प्रतिशत और आसियान समूह की 20 प्रतिशत है। मूल्य के संदर्भ में वित्त वर्ष 2024-25 में कागज एवं पेपरबोर्ड का आयात करीब 15,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

आईपीएमए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कागज के आयात में लगातार वृद्धि घरेलू कागज उद्योग के लिए चिंता का विषय है, जिसने क्षमता निर्माण और स्थिरता पहलों में काफी निवेश किया है। उन्होंने कहा कि आयात ने भारत में अधिकतर छोटी एवं मध्यम कागज मिल को व्यावसायिक रूप से अव्यवहारिक बना दिया है।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार देश में 850-900 से अधिक कागज मिल में से केवल 550 ही अब चालू हैं। उन्होंने कहा कि हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह गुणवत्ता नियंत्रण के कड़े उपायों को लागू करे तथा व्यापार समझौतों की समीक्षा करे जो कागज आयात के लिए शुल्क-मुक्त या कम-शुल्क पहुंच प्रदान करते हैं। इसके साथ ही व्यापार में सुधार लाने के उपाय करें और भारतीय कागज उद्योग के लिए समान अवसर सुनिश्चित करें।

न्यूज ब्रीफ

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की बिक्री पर रोक, केंद्र सरकार ने रोकथाम के लिए दिशा-निर्देश जारी किये

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की अवैध लिस्टिंग और बिक्री पर रोक लगा दी है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स साइटों पर रेडियो उपकरणों की अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए मानदंड जारी किए हैं। सीसीपीए ने ऐसे उपकरणों की 16,970 लिस्टिंग की जांच के बाद ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को नोटिस जारी किए है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि गृह मंत्रालय और दूरसंचार विभाग के साथ अंतर-मंत्रालयी परामर्श के बाद इस दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दिया गया है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की अवैध लिस्टिंग और बिक्री की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश, 2025 का उद्देश्य उन वायरलेस उपकरणों की अनधिकृत बिक्री पर अंकुश लगाना है, जो उपभोक्ता सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं।

अब पाकिस्तान भी कैशलेस इकॉनमी की ओर दे रहा ध्यान

नई दिल्ली। पाकिस्तान में अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कैशलेस इकॉनमी की ओर ध्यान दिया जा रहा है। प्री-बजट चर्चा में पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने कर का लोड हटाकर अन्य वर्गों पर डालने का वादा किया है। बजट 2025-26 के लिए 2 जून को पेश हो सकता है। कुछ सेक्टरों में कैश भुगतान को अकेले करने के भी बन रहे हैं प्रस्ताव
पाकिस्तानी सरकार डिजिटाइजेशन को बढ़ाने का निर्णय लेने के लिए कैशलेस भुगतान पर भारत की तरफ ध्यान दे रही है। इसके तहत कैश लेनदेन पर टैक्स और डिजिटल पेमेंट पर इंसेंटिव देने के साथ कुछ सेक्टोरों में कैश भुगतान को अकेले करने के प्रस्ताव भी बन रहे हैं।
पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की दरिद्रता बढ़ रही है, जिसके लिए वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से फिर लोन की मांग कर रही है। दूसरी ओर, भारत ने अपने पासिव डिजिटल इकोसिस्टम को पूरी तरह से विकसित किया है और यूपीआई के माध्यम से देशों रहने की लेनदेन में बढ़ोतरी की है। इस संबंध में भारत के साथ ही भूटान, मलेशिया, यूएई, और अन्य देशों में भी सुविधा उपलब्ध है। पाकिस्तान के प्रयासों का परिणाम स्थितियों में सुधार लाने में मददगार साबित हो सकता है, लेकिन स्थायी समृद्धि के लिए यह आवश्यक है कि देश अपने स्वतंत्र लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें।

ओयो अपनी मूल कंपनी का बदलेगी नाम, मांगे सुझाव

नई दिल्ली। भारतीय उद्यमी और ओयो के संस्थापक ने अपनी मूल कंपनी ऑरेवेल स्टे के लिए नए नाम के सुझाव मांगने के रूप में अपनी तरफ से एक सार्वजनिक आमंत्रण जारी किया है। ओयो जल्द ही अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की योजना बना रही है, और इसके साथ ही प्रीमियम खंड में उतारने की भी तैयारी कर रही है। विजेता को 3 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा उन्होंने एक नई पहचान बनाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर नाम के सुझाव मांगने का तरीका अपनाया है। इस प्रक्रिया के दौरान विजेता को 3 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा और उन्हें ओयो के संस्थापक से मिलने का भी अवसर मिलेगा। उनका कहना है कि हम मूल कंपनी का नाम बदल रहे हैं। होटल श्रृंखला नहीं, उपभोक्ता उत्पाद नहीं – बल्कि शहरी नवाचार एवं आधुनिक जीवन के वैश्विक परिवेश को सशक्त बनाने वाली मूल कंपनी। ओयो अपने प्रीमियम होटल और 'मिड-मार्केट' सेगमेंट के लिए अलग ऐप की योजना बना रही है, क्योंकि इस खंड में वृद्धि का सुझाव है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दुश्मन कहीं...

हमने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों को घर में घुसकर, सैकड़ो मील अंदर जाकर तबाह कर दिया। हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम किया कि पाकिस्तान सेना को गिड़गिड़ा कर युद्ध रोकने की मांग करने पर मजबूर होना पड़ा। स्वतंत्रता संग्राम की धरती से सेना के शौर्य को बार-बार सैल्यूट करता हूं। मैं फिर कहना चाहता हूं ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था, वह किसी धोखे में न रहे, ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है।

पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने भारत के स्वदेशी हथियारों और मेक इन इंडिया की ताकत भी देखी है। हमारे भारतीय हथियारों ने, ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन के घर में घुसकर तबाही मचाई है। जहां टारगेट तय किया, वहां धमाके किए। यह ताकत हमें आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से मिली है। एक समय था जब भारत अपनी सैन्य जरूरतों के लिए, अपनी रक्षा के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था। हमने उन हालातों को बदलने की शुरुआत की। यह पूरे यूपी के लिए गर्व की बात है कि डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता में वह बड़ी भूमिका निभा रहा है। जैसे कानपुर में पुरानी ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियां हैं, वैसी ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों को हमने बड़ी आधुनिक कंपनियों में बदल दिया है। आज यूपी में देश का बड़ा डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है। इस कॉरिडोर का कानपुर नोड रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत का बड़ा केंद्र है। एक समय यहां से पारंपरिक उद्योग पलायन कर रहे थे, वहां अब डिफेंस सेक्टर की बड़ी कंपनियां आ रही हैं। यहां पास में ही अमेठी में एके-20 राइफल का निर्माण शुरू हो चुका है। ऑपरेशन सिंदूर में जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मनों को सोने नहीं दिया उस ब्रह्मोस मिसाइल का नया पता है उत्तर प्रदेश। भविष्य में कानपुर और यूपी, भारत को डिफेंस का नया एक्सपोर्टर बनाने में सबसे आगे रहेंगे। यहां नई फैक्ट्रियां लगेंगी, बड़े पैमाने पर निवेश आएगा। यहां के हजारों युवाओं को रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि यूपी और कानपुर को नई ऊंचाई पर लेकर जाना डबल इंजन सरकार की पहली प्राथमिकता है। यह तभी होगा जब यहां पर उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, जब कानपुर का पुराना गौरव फिर से लौटेगा। पिछली सरकारों ने आधुनिक उद्योगों की जरूरतों को नजर अंदाज करके रखा था। कानपुर से उद्योगों का पलायन होता गया, परिवारवादी सरकारें आंख बंद करके बैठी रहीं। नतीजा, केवल कानपुर ही नहीं पूरा यूपी पीछे हो गया। राज्य की औद्योगिक प्रगति के लिए दो सबसे जरूरी शर्तें हैं, पहली ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और दूसरी इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी। आज यहां कई पावर प्लांट्स का लोकार्पण हुआ है जो यूपी की ऊर्जा जरूरत को पूरा करने के लिए बहुत बड़ा कदम है। इन पावर प्लांट्स के बाद यूपी में बिजली की उपलब्धता और बढ़ेगी। इससे यहां के उद्योगों को भी गति मिलेगी। आज 47,000 करोड रुपए से अधिक की लागत के कई और विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। यहां बुजुर्गों को मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान वय वंदना कार्ड भी दिए गए हैं। अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को भी आर्थिक मदद प्रदान की गई है। यह योजनाएं, यह विकास कार्य, कानपुर और यूपी की प्रगति के लिए हमारे कमिटमेंट को दिखाते हैं।आज केंद्र और प्रदेश की सरकार आधुनिक और विकसित यूपी के निर्माण के लिए काम कर रहे हैं। इसी का परिणाम है जो इंफ्रास्ट्रक्चर, जो सुविधा, जो संसाधन, बड़ी-बड़ी मेट्रो सिटीज में होते हैं वह सब आप अपने कानपुर में भी देखने लगे हैं। कुछ साल पहले हमारी सरकार ने कानपुर को पहली मेट्रो की सौगात दी थी। आज कानपुर मेट्रो की ऑरेंज लाइन कानपुर सेंट्रल तक पहुंच गई है। पहले एलिवेटेड और अब अंडरग्राउंड, इस तरह का मेट्रो नेटवर्क कानपुर के महत्वपूर्ण इलाकों को जोड़ रहा है। कानपुर मेट्रो का यह विस्तार कोई साधारण प्रोजेक्ट नहीं है। कानपुर मेट्रो इस बात का सबूत है कि अगर सही इरादों, मजबूत इच्छा शक्ति और नेक नीयत वाली सरकार हो तो देश के विकास के लिए, प्रदेश के विकास के लिए कैसे ईमानदारी से प्रयास होते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज कानपुर और यूपी विकास के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। मेट्रो सेवा से कानपुर के लोगों को कितना फायदा होने जा रहा है। कानपुर व्यापार का इतना बड़ा केंद्र है। मेट्रो के कारण आज हमारे व्यापारियों और ग्राहकों दोनों के लिए नवीन मार्केट और बड़ा चौराहा पहुंचना आसान हो गया है। कानपुर आने जाने वाले लोग, आईआईटी के स्टूडेंट्स, सामान्य मानवीय, इन सबके लिए सेंट्रल रेलवे स्टेशन पहुंचने में कितना समय बचेगा। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि शहर की गति ही शहर की प्रगति बनती है। यह सुविधा, यह कनेक्टिविटी, ट्रांसपोर्ट की आधुनिक फैसिलिटी आज यूपी के आधुनिक विकास की नई तस्वीर बन रही है।पीएम मोदी बोले, आज हमारा यूपी आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के मामले में बहुत आगे निकल रहा है। जिस यूपी की पहचान टूटी फूटी सड़कों और गड्ढों से होती थी, वह अब एक्सप्रेस-वे के नेटवर्क के लिए जाना जाता है। जिस यूपी में लोग शाम के समय बाहर जाने से बचते थे वहां अब हाईवे पर 24 घंटे लोग ट्रैवल करते हैं। यूपी कैसे बदला है यह कानपुर वालों से बेहतर भला कौन जानता है। कुछ ही दिनों में कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे बनकर तैयार हो जाएगा, जिससे लखनऊ का सफर सिर्फ 40 से 45 मिनट का होने वाला है। लखनऊ से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से सीधे कनेक्टिविटी भी मिलेगी। कानपुर लखनऊ एक्सप्रेस-वे को गंगा एक्सप्रेस-वे से भी जोड़ा जाएगा। इससे पूरब और पश्चिम दोनों तरफ जाने के लिए दूरी भी और समय भी बचेगा। कानपुर के लोगों को अब तक फर्रुखाबाद-अनवरगंज सेक्शन में सिंगल लाइन से दिक्कत होती रही है। एक-दो नहीं 18 रेलवे क्रॉसिंग से आपको संघर्ष करना पड़ता था। कभी यह फाटक बंद तो कभी वह फाटक बंद। आप लोग कब से परेशानी से मुक्ति की मांग कर रहे थे। अब यहां भी 1000 करोड रुपए खर्च करके एलिवेटेड रेल कॉरिडोर बनने जा रहा है। इससे यहां ट्रैफिक सुधरेगा, स्पीड बढ़ेगी और प्रदूषण भी कम होगा। सबसे बड़ी बात कानपुर के लोगों का समय बचेगा। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन को भी अपग्रेड करके विश्व स्तरीय लुक दिया जा रहा है। थोड़े ही समय में कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन भी एयरपोर्ट की तरह आधुनिक वर्ल्ड क्लास नजर आएगा। हमारी सरकार यूपी के 150 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित कर रही है। यूपी पहले ही देश में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला राज्य बन चुका है यानी हाईवेज, रेलवेज और एयरवेज, यूपी हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि हम यूपी को औद्योगिक संभावनाओं का राज्य बना रहे हैं। इस साल के बजट में हमने मेक इन इंडिया के लिए मिशन मैनुफैक्चरिंग की घोषणा की है। इसके तहत लोकल उद्योगों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। कानपुर जैसे शहरों को इसका बहुत बड़ा लाभ मिलेगा। कानपुर के औद्योगिक सामर्थ्य में सबसे बड़ा योगदान यहां की एमएसएमई का होता था। आज हम यहां लघु उद्योगों की अपेक्षाओं को पूरा करते हुए काम कर रहे हैं। कुछ समय पहले तक हमारी एमएसएमई को इस तरह परिभाषित किया जाता था कि उन्हें विस्तार करने में भी डर लगता था। हमने उन पर पुरानी परिभाषाओं को बदला। हमने लघु उद्योगों को टर्नओवर और स्केल की सीमा को बढ़ाया। इस बजट में सरकार ने एक बार फिर एमएसएमईस के दायरे को बढ़ाते हुए उन्हें और भी छूट दी है। पहले के समय में एमएसएमई के सामने बड़ी दिक्कत क्रेडिट की भी होती थी, लेकिन पिछले 10 वर्षों में हमने क्रेडिट की समस्या को खत्म करने के लिए एक के बाद एक कई बड़े फैसले लिए हैं। आज युवा अपना उद्योग शुरू करना चाहते हैं तो उन्हें मुद्रा योजना के तहत तुरंत पूंजी मिल जाती है। छोटे और मध्य मुद्दों को आर्थिक मजबूती देने के लिए हमने क्रेडिट गारंटी स्कीम चलाई। इस साल के बजट में एमएसएमई लोन पर गारंटी को बढ़ाकर 20 करोड़ कर दिया है। एमएसएमई के लिए 5 लाख तक की लिमिट वाले क्रेडिट कार्ड भी दिए जा रहे हैं।पीएम मोदी ने कहा कि हम यहां पर नए उद्योगों खासकर एमएसएमई के लिए अनुकूल माहौल बना रहे हैं। इसके लिए प्रक्रियाओं को सरल किया जा रहा है। कानपुर के पारंपरिक चमड़ा और होजरी उद्योग को वन जिला वन प्रोडक्ट के माध्यम से सशक्त किया जा रहा है। हमारे इन प्रयासों का लाभ कानपुर के साथ-साथ यूपी के सभी जिलों को भी मिलेगा। पीएम ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में निवेश का एक अभूतपूर्व सुरक्षित माहौल बना है। गरीब कल्याण की योजनाओं को जमीन पर उतारा जा रहा है। मध्यम वर्ग के सपनों को पूरा करने के लिए भी सरकार उनके साथ खड़ी है। इस बजट में हमने 12 लाख रुपए तक की आय को पूरी तरह टैक्स से मुक्त कर दिया है। इससे करोड़ों मध्यम वर्गीय परिवारों में नया विश्वास जागा है। हम सेवा और विकास के संकल्प के साथ इसी तरह तेजी से आगे बढ़ेंगे। हम देश को, यूपी को नई ऊंचाई तक ले जाने के लिए मेहनत करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, मंत्री राकेश सचान, एके शर्मा, प्रतिभा शुक्ला, अजीत पाल, सोमेंद्र तोमर, सांसद अशोक रावत, देवेंद्र सिंह भोले, रमेश अवस्थी, महापौर प्रमिला पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल अरुण समेत अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी मौजूद थे।

ऑपरेशन सिंदूर ...

यह प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा 10 वर्ष पूर्व प्रारंभ किए गए मेड इन इंडिया की उस ताकत का भी एहसास दुनिया को करवाता है जो इस बार ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया ने देखा है। यह आत्मनिर्भर भारत की सफलता का भी एक बेहतरीन उदाहरण है।सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश को मिली 47,600 करोड़ की परियोजनाएं विकसित भारत की नींव है। सीएम योगी ने मां गंगा के पावन तट पर बसे औद्योगिक नगरी कानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री का उत्तर प्रदेश की धरती पर यह प्रथम आगमन है। मैं प्रदेशवासियों की ओर से उनका हृदय से स्वागत करता हूं। यह धरती कभी औद्योगिक क्रांति की अग्रदूत रही है और आज विकास की नई गाथा लिखने जा रही है।सीएम योगी ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की सैन्य शक्ति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताते हुए कहा कि पहले सर्जिकल स्ट्राइक, फिर एयर स्ट्राइक और अब ऑपरेशन सिंदूर, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने दुनिया को दिखा दिया कि भारत अब जवाब देने में नहीं, जवाब देने की शैली भी तय करने में यकीन रखता है। यह मेड इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की सशक्त मिसाल है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कानपुर में 47,600 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किए जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश को विकसित भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में आगे बढ़ाने का एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में पीएम मोदी द्वारा शुरू की गई कानपुर मेट्रो के पहले चरण के बाद अब दूसरे चरण का लोकार्पण हुआ है, जिससे शहर का पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम आधुनिक और सुविधाजनक बनेगा।उत्तर प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पनकी, घाटमपुर, जवाहरपुर (एटा), ओबरा (सोनभद्र) और खुर्जा (बुलंदशहर) में थर्मल पावर प्लांट्स की शुरुआत से प्रदेश की विद्युत क्षमता 15,000 मेगावाट से बढ़कर 25,000 मेगावाट तक पहुंच गई है। वर्ष के अंत तक इसमें 4000 मेगावाट की और बढ़ोतरी होगी। यूपी की उपलब्धियों को गिनाते हुए सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश के एक लाख 21 हजार मजरे तक बिजली पहुंच चुकी है और 1.78 करोड़ गरीब परिवारों को मुफ्त कनेक्शन दिए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत अब तक 1.31 लाख घरों में मुफ्त रूफटॉप सोलर की सुविधा पहुंचाई गई है और 11 लाख से अधिक आवेदनों का लक्ष्य जल्द ही पूर्ण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानपुर से शुरू हुई यह विकास यात्रा सिर्फ एक शहर की नहीं, बल्कि समूचे उत्तर प्रदेश की प्रगति की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यूपी आज सुरक्षा से लेकर समृद्धि तक हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

कश्मीर में सबसे...

यह चर्चा पाकिस्तान से उत्पन्न सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने के लिए भारत की रणनीतिक पहुंच की निरंतरता को चिह्नित करती है। यह समूह इंडोनेशिया, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर में हितधारकों को भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानकारी दे रहा है।

'अब सिर्फ दयालु ...

कांग्रेस नेता और ऑल पार्टी डिलगेशन ग्रुप-5 के लीडर शशि थरूर ने आगे कहा कि भारत ने इस संधि के तहत अपनी उदारता दिखाई है। उन्होंने बताया कि भारत, एक ऊपरी तटवर्ती देश होने के नाते, पाकिस्तान को संधि के तहत पानी का पूरा हक देता रहा है, जबकि भारत ने अपने हिस्से का पूरा पानी भी इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने कहा, हम एक ऊपरी तटवर्ती देश हैं। हमने पाकिस्तान को संधि के तहत पानी बहुत उदारता से दिया और अपने हिस्से का पूरा पानी भी इस्तेमाल नहीं किया। लेकिन अब केवल नेकनीयति के आधार पर चलने का वक्त नहीं रहा।

ऑपरेशन सिंदूर...

पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए हमने महज कुछ ही समय में पाकिस्तान के आतंकी अड्डे और उसके इरादों को ध्वस्त कर दिया। हमारा प्रहार इतना तगड़ा था कि पाकिस्तान पूरी दुनिया से भारत को रोकने की गुहार लगाने लग गया। अंत में हमने अपनी शर्तों पर, मैं फिर दोहरा रहा हूं कि हमने अपनी शर्तों पर अपने सैन्य एक्शन को रोका है। अभी तो हमारी सेनाओं ने अपनी आस्तीनें पूरी मोड़ी भी नहीं थी, अभी तो हमने अपना पराक्रम दिखाना शुरू भी नहीं किया था। इस पूरे एकीकृत ऑपरेशन में नौसेना की भूमिका गौरवशाली रही है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के दौरान अरब सागर में आपकी आक्रामक भूमिका, बेजोड़ समुद्री डोमेन जागरुकता और समुद्री वर्चस्व ने पाकिस्तानी नेवी को उसके ही तटों के पास सीमित कर दिया। वे खुले समुद्र में आने का साहस तक नहीं जुटा सके। समुद्र में हमारे पश्चिमी बेड़े के जहाजों ने आतंकवादी हमले के 96 घंटे के भीतर पश्चिमी और पूर्वी तट पर सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और टॉरपीडो से कई सफल फायरिंग की, जो प्लेटफॉर्म, सिस्टम और चालक दल की युद्ध तत्परता को दिखाता है। इन लंबी दूरी के सटीक हमलों ने दुश्मन के खिलाफ हमारे इरादों और तत्परता को भी दिखाया और दुश्मन इसी से रक्षात्मक मुद्रा में आ गया।ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान आईएनएस विक्रांत की तैनाती ने हमारे इरादे और क्षमता का प्रभावशाली संकेत दिया। आपकी इस मजबूत तैयारी ने दुश्मन के हौसले को पहले ही पस्त कर दिया। पाकिस्तान के लिए आपकी तैयारी मात्र ही बहुत थी। आपको तो एक्शन की जरूरत ही नहीं पड़ी, आपकी तैयारी से ही दुश्मन सकते में आ गया। पाकिस्तान ने भारतीय नौसेना की प्रचंड शक्ति, उसकी सैन्य सूझबूझ और विध्वंसक क्षमताओं को न सिर्फ महसूस किया, बल्कि वे उससे भयभीत भी हुए। आपकी मौजूदगी ने दुश्मन को शुरू होने से पहले ही रोक दिया।रक्षा मंत्री ने कहा कि आज हम गोवा के तट से कुछ ही दूरी पर हैं। आप सभी जानते होंगे कि 1961 में गोवा की आजादी के ऑपरेशन में भी भारतीय नौसेना ने दुश्मनों के युद्धपोतों और उनके सैन्य ठिकानों पर अलग-अलग ऑपरेशन किया था। उस अभियान ने भारत से उपनिवेशीकरण को खत्म कर दिया था। उस ऑपरेशन में भी पूर्ववर्ती आईएनएस विक्रांत ने भारतीय नौसेना के बेड़े की अगुवाई की थी। आज एक बार फिर आईएनएस विक्रांत अपने नए अवतार में उग्रवादियों के खिलाफ भारत के संकल्प का नेतृत्व कर रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर से...

एक ही सांस में आपने सांसदों और आतंकवादियों को समान कर दिया? सांसद घूमने नहीं गए हैं, वे भारत के पक्ष को विश्व के सामने रखने गए हैं, उसमें आपके भी सांसद हैं। अमेरिका के एक बड़े मिलिट्री एक्सपर्ट जॉन स्पेंसर के एक आलेख का हवाला देते हुए संबित पात्रा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से हराया, बल्कि एक बड़ी तकनीकी जीत भी हासिल की, क्योंकि पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर चीन के प्रॉक्सी के रूप में काम किया, जो चीनी प्रणालियों पर बहुत अधिक निर्भर था। भारत के बारे में वैश्विक धारणा तेजी से सकारात्मक हुई है।

उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल, विशेष रूप से कांग्रेस, भारतीय सशस्त्र बलों पर लगातार सवाल उठाकर राष्ट्रीय एकता का विरोध करना जारी रखते हैं। कांग्रेस ने आरंभ में कहा कि हम देश के साथ खड़े हैं मगर एक दिन भी ये भारत के साथ नहीं खड़े थे।

चाहे राहुल गांधी हों, जयराम रमेश हों या रेवंत रेड्डी, उन्होंने जिस तरह के बयान दिए हैं, उससे भारतीय सेना का मनोबल गिराने की कोशिश की गई है।

जम्मू-कश्मीर का...

जिसमें आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि यह करोड़ों भारतीयों की ओर से आतंकियों को करारा जवाब था। इस ऑपरेशन में सैकड़ों आतंकी मारे गए। उन्होंने कहा कि हमने आतंकियों पर हमला किया, लेकिन पाकिस्तान ने इसे खुद पर हमला माना। उन्होंने दुनिया को दिखा दिया कि वह ही आतंकियों को पनाह दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने संदेश दिया है कि भारत निर्दोष नागरिकों, भारतीय सशस्त्र बलों पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और हर हमले का और अधिक सटीकता के साथ जवाब दिया जाएगा।

गृह मंत्री ने खानेतर में यूनिट मुख्यालय में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से भी बातचीत की और ऑपरेशन सिंदूर में उनकी भूमिका की प्रशंसा की। शाह ने गोलाबारी में क्षतिग्रस्त धार्मिक स्थलों का दौरा किया और अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का विकास जो 2014 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के तहत शुरू हुआ था। हालिया उकसावे के बावजूद जम्मू-कश्मीर का विकास न रुकेगा, न धीमा होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वालों को कड़ी और निर्णायक प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा।

अंकिता भंडारी मर्डर...

24 सितंबर 2022 को अंकिता का शव चीला नहर में मिला था।कोर्ट का फैसला आने से पहले अंकिता भंडारी के पिता वीरेंद्र सिंह ने बेटी के हत्यारों को फांसी की सजा देने की मांग की थी। उन्होंने कहा- जिन दरिंदों ने उनकी निर्दोष बेटी को मारा, उन्हें मौत की सजा मिलनी चाहिए।

क्या फिर से...

नायडू ने कहा कि अगर किसी को पार्टी के कामों के लिए चंदा देना होता था तो हमें लिस्ट देखनी पड़ती थी, लेकिन अब सिर्फ़ एक क्यूआर कोड से कार्यकर्ता और आम जनता चंदा दे सकती है। 500, 1000 और 2000 के नोट बाँटने की ज़रूरत नहीं है। प्रस्ताव पर जनता से समर्थन का आह्वान करते हुए नायडू ने उपस्थित समर्थकों से उच्च मूल्य वाले नोटों को रद्द करने के पक्ष में हाथ उठाकर तालियां बजाने का आग्रह किया।

ऑपरेशन सिंदूर की ...

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों से दागी गई ब्रह्मोस मिसाइलों ने अहम भूमिका निभाई। यह हमला 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाबी कार्रवाई में किया गया था। इसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (झेघ) में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया। इसके बाद, पाकिस्तानी सेना ने भारत के पश्चिमी हिस्सों पर ड्रोन और मिसाइलें दागीं, जिन्हें सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया गया। फिर, भारत ने पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में कुछ सैन्य ठिकानों और खासकर एयरबेस पर हमला किया। इस दौरान, भारतीय नौसेना के युद्धपोत भी तैयार थे। पाकिस्तान के पास चीन की वायु रक्षा प्रणाली है, लेकिन वह ब्रह्मोस मिसाइलों को रोकने में नाकाम रहे। इससे उसकी मिसाइल रक्षा क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अब ब्रह्मोस मिसाइल को और भी बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहा है। इनमें पांच योजनाएं शामिल हैं-

1. ब्रह्मोस मिसाइल की मारक क्षमता को 800 किलोमीटर तक बढ़ाने पर काम चल रहा है।
2. पनडुब्बी से लॉन्च की जा सकने वाली ब्रह्मोस मिसाइल का परीक्षण जल्द ही किया जाएगा। इसे भारत के झ75ख कार्यक्रम के तहत पनडुब्बियों पर तैनात किया जाएगा।
3. राफेल और अन्य लड़ाकू विमानों के लिए एक छोटी और हल्की ब्रह्मोस मिसाइल बनाई जा रही है।
4. एक हाइपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल भी बनाई जा रही है, जो और भी तेज गति से हमला कर सकेगी।
5. भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइलें दी हैं। वियतनाम और मध्य पूर्व के कई देशों ने भी इस मिसाइल में दिलचस्पी दिखाई है। मतलब, भारत इसे बेचने की योजना पर भी तेजी से काम करने जा रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 31 मई, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

बीडीएल नराकास 'राजभाषा शील्ड' और 'उत्तम पत्रिका पुरस्कार' से सम्मानित

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षा मंत्रालय के उद्यम भारत डायनामिक्स लिमिटेड को वर्ष 2024-25 के लिए बड़े उपक्रमों (600 से अधिक कार्मिक) की श्रेणी में नगर स्तर पर राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा 'राजभाषा शील्ड' से सम्मानित किया गया। साथ ही, समिति की 'उत्तम पत्र-पत्रिका पुरस्कार' योजना के अंतर्गत ई-पत्रिका वर्ग में उद्यम की हिंदी ई-पत्रिका 'बीडीएल भारती' को 'उत्तम पत्रिका पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

दि. 29 मई, 2025 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद की 61वीं अर्द्धवार्षिक बैठक में ये दोनों पुरस्कार समिति के अध्यक्ष एवं सी एम डी, ई सी आई एल श्री अनुराग कुमार ने श्री होमनिधि शर्मा, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन - राजभाषा) बी डी एल को प्रदान किये।

इस अवसर पर राजभाषा विभाग के उप निदेशक (कार्यान्वयन), दक्षिण क्षेत्र श्री अनिर्बान कुमार विश्वास, हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद के प्रभारी अधिकारी सहित नगरद्वय स्थित उपक्रमों के प्रधान तथा राजभाषा अधिकारी उपस्थित थे।

इस उपलब्धि के लिए सी एम डी, बी डी एल कमोडोर ए माधवाराव (से.नि.) ने उद्यम के राजभाषा विभाग सहित राजभाषा कार्यान्वयन में सहयोग देने वाले अधिकारी-कर्मचारियों और पत्रिका के संपादक मंडल व पत्रिका में रचनात्मक योगदान देने वाले लेखकों को बधाई दी।

बैंक ऑफ बड़ौदा व हिन्दी प्रचार सभा हैदराबाद के सह-सौजन्य में हिन्दी परिचर्चा का आयोजन

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हिन्दी प्रचार सभा हैदराबाद के स्थापना दिवस के 90 वर्ष पूर्ण होने तथा राजभाषा हिन्दी के 50 स्वर्णिम वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक संदर्भ में बैंक ऑफ बडौदा द्वारा हिन्दी प्रचार सभा, हैदरबाद के संयुक्त तत्वावधान में जनसंपर्क भाषा हिन्दी के 90 वर्ष और राजभाषा हिन्दी के 50 स्वर्ण की यात्रा पर हिन्दी परिचर्चा का आयोजन किया गया। समिति के प्रधानमन्त्री शेख गैबुवली, संस्थापक मंडली सदस्य हिन्दी सेवी श्रुतिकान्त भारती, रामचन्द्र, हिन्दी प्रचार सभा-तेलंगाना राज्य के प्रमुख, डॉ.वेंकटेश्वर राव, एजीएम-(से.नि.-केनरा बैंक), तेलुगु हिन्दी साहित्यविद डॉ. जे. लक्ष्मीरेड्डी, अनुवादक व अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में परिचर्चा का आयोजन किया गया।

प्रार्थना गीत से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। फिर हिन्दी प्रचार सभा-हैदराबाद के 90 वर्ष पूर्ण होने की यात्रा पर और जनसंपर्क भाषा से बैंकों में प्रोद्योगिकी भाषा तक हिन्दी के बदलते आयामों पर चर्चा हुई।

इसमें विद्यार्थियों, अध्यापन कार्य में जुटे शिक्षकगण, साहित्यकारों तथा हिन्दी सेवियों का एक मंच पर आना हुआ। हिन्दी पर विविध कौतूहल और जिज्ञासा भरे प्रश्नों और प्राप्त उत्तर से नए परिप्रेक्ष्य उभरकर आए। हिन्दी सेवी अतिथियों को ज्ञापिकाएं भेंट की गईं और अल्पाहार के बाद फोटो लिए गए। राष्ट्रगान से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल के नेतृत्व में शुक्रवार को हिंदी नगर, जामबाग डिवीजन में फॉगिंग पायलट प्रोजेक्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने श्री जायसवाल ने व्यक्तिगत रूप से मच्छर फॉगिंग गतिविधि में भाग लिया। इस अवसर पर जीएचएमसी की कीट विज्ञान विभाग की पूरी टीम भी मौजूद थी। श्री जायसवाल ने कहा कि हमारा मिशन जामबाग डिविजन को एक स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ है।

अग्रवाल समाज श्रीनगर कॉलोनी शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव सम्पन्न

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज श्रीनगर कॉलोनी शाखा की वार्षिक साधारण सभा की बैठक क्लब हाउस, स्टोन वैली, रोड नंबर 3 बंजारा हिल्स में सम्पन्न हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार बैठक की शुरुआत प्रार्थना से हुई और इसकी अध्यक्षता शाखा के संस्थापक और अग्रवाल समाज तेलंगाना के पूर्व अध्यक्ष आर.एन. गुप्ता ने की। बैठक में गुलजार हाउस अग्निदुर्घटना में मारे गये लोगों के प्रति 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।अपने स्वागत भाषण में अध्यक्ष ने सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया कि यह श्रीनगर कॉलोनी शाखा सबसे अच्छी शाखाओं में से एक है और इसने कई कार्यक्रम आयोजित किए हैं। कोषाध्यक्ष हंट समाज के सबसे प्रशंसित कार्यकर्ताओं में से एक थे। उन्होंने यह भी बताया कि हमारे पूर्व अध्यक्ष डॉ. अजय अग्रवाल को ब्रिटिश संसद लंदन में भारत गौरव पुरस्कार, दिल्ली में अखिल भारतीय महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकॉनिक अवार्ड, युवा शक्ति मीडिया हाउस कोलकाता द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है और इसके अलावा उन्हें एफटीसी-सीआई की पीआर समिति का अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया है।

श्री गुप्ता ने नए सदस्यों नरेंद्र गोयल (पूर्व अध्यक्ष शिक्षा समिति, अग्रसेन भवन आदि), उमा शंकर गोयनका और समाज के अन्य लोगों का स्वागत किया, जो अन्य शाखाओं से स्थानांतरित होकर श्रीनगर कॉलोनी शाखा की सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं। श्री गुप्ता ने आगे बताया कि उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल के साथ विस्त-ारपूर्वक चर्चा की और तेलंगाना में अग्रवाल समाज की समस्याओं पर प्रकाश डाला। वर्तमान सचिव की अनुपस्थिति में सचिव की रिपोर्ट डॉ. अजय अग्रवाल ने प्रस्तुत कीऔर बताया कि अन्य कई कार्यक्रमों के अलावा वर्तमान में शाखा द्वारा श्रीनगर कॉलोनी मेन रोड स्थित स्टोन कल्चर शोरूम के पास गर्मियों में जरूरतमंद लोगों में शीतल जल उपलब्ध कराने के लिए प्याऊ चला रही है। आरएन गुप्ता ने अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष का पद्भार संभाला है वे दक्षिण भारत समाज के संरक्षक सदस्य भी हैं और शाखा के अन्य सदस्यों की मदद से उन्होंने हैदराबाद के सिटाडेल में अग्रवाल संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की। कोषाध्यक्ष ने 2023-25 के लिए लेखा प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। उन्होंने 2025-27 के लिए बजट भी प्रस्तुत किया। उन्होंने आगे बताया कि अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति के बैंक खाते में 28 सदस्यों की फीस जमा कर दी गई है। कोषाध्यक्ष ने यह भी बताया कि हमारी शाखा आईटी विभाग में पंजीकृत हो गई है और उसे पैन कार्ड भी मिल गया है।

इस अवसर पर आरएन गुप्ता ने नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए बताया कि अध्यक्ष पर पर उमा शंकर गोयनका, उपाध्यक्ष-राजेश अग्रवाल (बिन्नी), सचिव श्याम सुंदर अग्रवाल, संयुक्त सचिव- उज्ज्वल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष- श्रीमती विभा अग्रवाल को चयनित किया गया है। समाज सेवी एवं समाज के वरिष्ठ बंधु नरेंद्र गोयल (प्रिंस) ने केंद्रीय समिति के सदस्य के रूप में शाखा का प्रतिनिधित्व करने पर सहमति व्यक्त की। सीताराम मोर, पंकज बंसल और डॉ. अजय अग्रवाल शाखा के सलाहकार होंगे। बैठक मेंराजेश अग्रवाल, अजय अग्रवाल, अजय अग्रवाल (ललिता लॉजिस्टिक्स) व अन्य उपस्थित थे।

सी एल गिरिधर ने दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी लि. क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद के उप महाप्रबंधक का कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सी एल गिरिधर ने दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी लि. क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद के उप महाप्रबंधक का कार्यभार संभाला।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार सीएल गिरिधर ने अपनी सेवा का सफर सहायक से प्रारम्भ किया और क्षेत्रीय प्रबंधक बेंगलुरू से पदोन्नत होकर उप महाप्रबंधक के पद पर क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद में कार्यभार ग्रहण किया। श्री गिरिधर ने बेंगलुरू, बल्लारी, हुबली और नई दिल्ली स्थित विभिन्न कार्यालयों में अपनी अमूल्य सेवाएँ प्रदान की। बेंगलुरू एस.वी.सी के प्रभारी के रूप मे उनकी सेवाएँ अविस्मरणीय एवं प्रशंसनीय रही । 35 वर्षों की दीर्घ एवं महत्वपूर्ण सेवा में आपकी पहचान एक निर्भीक, अनुशासन प्रिय एवं कर्मठ अधिकारी के रूप मे की जाती है। हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय के कार्मिको ने श्री गिरिधर जी का गरम जोशी से स्वागत किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शुक्रवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य एवं अन्य उपस्थित थे।

श्री हनुमान देवस्थान ओल्ड मलकाजगिरी पुलिस स्टेशन रोड स्थित जीर्णोद्धार प्राण प्रतिष्ठा एवं महाकुंभाभिषेक महोत्सव में उपस्थित बिहार से पधारे ज्ञान स्वामी, धरती माता पुजारी बाबू गुरु, आचार्य श्रीनिवास केवी श्रीनिवास, सुनील पाण्डेय, चितला मल्लेश गौड, रंगा विजय मंडला राधा कृष्ण यादव और मंदिर कमेटी के सदस्य।

1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी का वार्षिक शिविर सम्पन्न

राष्ट्र का युवा सुरक्षा कवच है एनसीसी : कर्नल प्रशांत कुमार

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राष्ट्रीय कैडेट कोर, 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित वार्षिक शिक्षा शिविर-3, बोडुप्पल स्थित पल्लवी मॉडल स्कूल में आयोजित किया गया। यह शिविर 10 दिनों के लिए आयोजित किया गया था, जिसका आरंभ 21 मई को हुआ और 30 मई को संपन्न हुआ।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार बटालियन के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल के. एस. पांडियन ने इसकी जानकारी दी । उन्होंने बताया कि उक्त शिविर का मुख्य उद्देश्य एनसीसी कैडेट्स को सेना का हुनर सिखाना और नेतृत्व गुणवत्ता की जानकारी देना। उन्होंने आगे कहा कि इस

शिविर के दौरान हैदराबाद ग्रुप के कमांडर कर्नल प्रशांत कुमार ने भी दौरा किया था और उन्होंने शिविर में उपस्थिति कैडेट्स को अनुशासन, नेतृत्व लक्षण और उन्हें एक श्रेष्ठ नागरिक बनने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर शिविर कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल के. एस. पांडियन एवं एनसीसी कैडेट्स ने सलामी देकर उनका स्वागत किया गया। इस शिविर का भव्य समापन 30 मई को हुआ । शिविर समापन के संदर्भ में शिविर कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल के एस पांडियन ने कैडेट्स को शिविर की विशिष्टता और सेना के साथ रहकर उनकी जीवन शैली को समझने एवं एनसीसी विषयों व सेना के विभिन्न विषयों की जानकारी देना है। उक्त शिविर में कैडेट्स के लिए स्वास्थ्य एवं सफाई पर क्लास का आयोजन किया गया था जिसमें आर्मी मेडिकल कोर के अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल एम एस ब्रार ने भाग लिया और व्यक्तिगत सफाई एवं स्वस्थता पर अपने विचार रखे। इस शिविर में प्रगति महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ टी पी सिंह, बटालियन के प्रभारी सूबेदार मेजर बीजेंदर यादव, सूबेदार ब्रीजेश, सूबेदार फिरदौस इकबाल, चीफ अफसर बी के साहू, लेफ्टिनेंट किरण, राजेन्द्र, लव कुमार, सीरीशा, जेसिका, मनीषा व अन्य जवानों एवं 600 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया।

शिविर के दौरान कैडेट्स को फायरिंग का प्रशिक्षण एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शिविर के अंतिम दिन एनसीसी कैडेट्स द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया और प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ

रंगा रेड्डी जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान आयोजित

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), रंगा रेड्डी जिला और केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान (सीआरआईडीए) के संयुक्त तत्वावधान में, विकसित कृषि संकल्प अभियान की अवधारणा पर एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आज (30.05.2025 शुक्रवार) किसान मंच पर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें रविचेडु , कडथल , नमथापुर , आकुथोटापल्ली , सेट्टीपल्ली , कोनापुर , मडगुल, नागिला और सुद्दापल्ली गांवों से उत्साही भागीदारी हुई ।इस पहल का मुख्य उद्देश्य उत्पादकता और आय बढ़ाने के लिए उभरती कृषि प्रौद्योगिकियों और संधारणीय प्रथाओं को अपनाने के बारे में कृषक समुदाय को जागरूक करना था। किसानों को कृषि में नवीन विकास से परिचित कराया गया, जिसमें उन्नत फसल पैटर्न, उच्च उपज और उच्च लाभ वाली बागवानी तकनीकें, और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (खेढ), रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कृषि कार्यों में स्वचालन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के व्यावहारिक अनुप्रयोग शामिल हैं।विशेषज्ञों ने बताया कि किस प्रकार इन प्रौद्योगिकियों का उपयोग परिशुद्ध कृषि, संसाधनों के कुशल उपयोग, फसल स्वास्थ्य की वास्तविक समय निगरानी, स्वचालित सिंचाई प्रणाली और बेहतर कृषि निर्णय लेने के लिए किया जा सकता है।कार्यक्रम के एक प्रमुख घटक में किसानों के खेतों से मिट्टी के नमूनों का वैज्ञानिक संग्रह शामिल था, जिसका विश्-लेषण मिट्टी के पोषक तत्व प्रोफ़ाइल को निर्धारित करने के लिए किया जाएगा, जिससे विशेषज्ञ दीर्घकालिक मिट्टी के स्वास्थ्य और बेहतर फसल उपज को बढ़ावा देने के लिए उचित और संतुलित उर्वरक आवेदन कार्यक्रम की सिफारिश करने में सक्षम होंगे। इसके अतिरिक्त, पशुधन स्वास्थ्य प्रबंधन पर विस्तृत सत्र आयोजित किए गए, जिसमें मवेशियों को प्रभावित करने वाली सामान्य बीमारियों, निवारक देखभाल रणनीतियों और उच्च पोषण वाली चारा फसलों और उन्नत घास प्रजातियों के बारे में जानकारी दी गई।

किसानों को विभिन्न केंद्रीय और राज्य सरकार की योजनाओं, जैसे कि पीएम-किसान, पीएमएफबीवाई, रायथु बंधु और कृषि मशीनीकरण सब्सिडी के बारे में व्यापक मार्गदर्शन प्रदान किया गया, साथ ही वित्तीय सहायता, सब्सिडी और तकनीकी सहायता तक कैसे पहुँचें और उसका प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे करें, इस बारे में चरण-दर-चरण निर्देश दिए गए। यह कार्यक्रम किसान-वैज्ञानिक बातचीत के लिए एक एकीकृत मंच के रूप में कार्य करता है, जिससे जमीनी स्तर पर ज्ञान के आदान-प्रदान और क्षमता निर्माण को बढ़ावा मिलता है।कार्यक्रम में भाग लेने वाले गांवों के कुल 1254 किसानों ने सक्रिय भागीदारी की और इसका नेतृत्व वैज्ञानिकों और कृषि अधिकारियों की एक समर्पित टीम ने किया, जिसमें डॉ. आर. नागार्जुन कुमार, डॉ. भार्गवी, डॉ. प्रिया, डॉ. डी. सुधीर, डॉ. विजय कुमार, डॉ. श्रीकृष्ण, डॉ. दिलीप श्रास्तवेता , कृषि अधिकारी श्रीमती श्री लता और श्रीमती अरुणा कुमारी, और कृषि विस्तार अधिकारी श्री श्रीकांत रेड्डी और श्रीमती श्री भूदेवी शामिल थे। उनकी सामूहिक विशेषज्ञता और क्षेत्र-स्तरीय सहभागिता ने कार्यक्रम को काफी समृद्ध बनाया, जिससे यह एक प्रभावशाली कार्यक्रम बन गया जिसका उद्देश्य थाग्रामीण कृषि लचीलेपन को मजबूत करना, कृषि लाभप्रदता को बढ़ाना, और एक आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से सशक्त कृषक समुदाय के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना ।

पित्ती ट्रस्ट-सेवा दल दमा रोगियों की सुविधा हेतु चार दिवसीय सेवा शिविर लगाएगा

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा नुमाईश मैदान में बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा दमा रोग बेक निवारण हेतु दिए जाने बाले मछली प्रसाद लेने के लिए देश के विभिन्न स्थानों से आने वाले लोगों के भोजन आदि की व्यवस्था एवं सुविधा हेतु बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा एक विशाल चार दिवसीय शिविर स्थापित किया जाएगा जिसका शुभारंभ 6 जून को होगा।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार हर वर्ष मछली प्रसाद वितरण के दौरान पिती ट्रस्ट एवंअग्रवाल सेवा दल के सहयोग से चार दिवसीय शिविर का आयोजन किया जाता हैं। बत्तिनी गौड़ परिवार के सदस्यों के साथ ट्रस्ट के चेयरमैन शरद बी. पित्ती के साथ हुई बैठक में चर्चा के बाद पिछले कई वर्षो की तरह ही इस वर्ष भी विशाल चार दिवसीय शिविर लगाने का निर्णय लिया गया। शरद बी. पित्ती के नेतुत्व में आयोजित इस विशाल चार दिवसीय शिविर का शुभारभ 6 जून तथा समापन 9 जून को होगा। इस शिविर में आपातककालीन चिकित्सा, ऑक्सीजन सिलेंडर, जरूरत की दवाई तथा रोगियों आवश्यकता पड़ने पर आपातकाल एम्बुलेंस की सेवा उपलब्ध रहेगी। इस वर्ष 2 लाख से अधिक लोगों के मछली प्रसाद ग्रहण करने की संभावना हैं। देश के दूर दराज से दवा लेने के लिए दो तीन दिन पहले ही वितरण स्थल पर लोग पहुँच जाते हैं। दमा रोगियों तथा उनके परिजनों की सुविधा हेतु इस विशाल चार दिवसीय सेवा शिविर द्वारा 6 जून से 9 जून तक उपमा, पोहा, इडली, बड़ा, छांछ, पूरी सब्जी, सांभर चांवल, बिस्कुट, चाय, पेय जल आदि का वितरण निरंतर जारी रहेगा। मछली प्रसाद के विवरण तथा परहेज आदि की सम्पूर्ण जानकारी देने के लिए कर पत्रों का वितरण भी किया जाएगा ख परहेज के भोजन में प्रयोग में आने वाली खाद्य सामग्री की प्रदर्शनी भी शिविर में लगाई जाएगी ख

शिविर में अग्रवाल सेवा दल के संयोजक रतन गुप्ता, अजीत गुप्ता, विनय सी. अगवाल, कैलाश केडिया, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, दीपक गुप्ता, निखिल रानासरिया, उर्मिला अग्रवाल, पित्ती इंजीनियरिंग के कर्मचारी, समाज सेवी गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव आदि अपनी सेवाए प्रदान करेंगे। सभी दमा रोगियों और उनके सहयोगियों से पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा उपरोक्त सेवा का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया गया है।

आगामी बकरीद के संदर्भ में चारमीनार स्थित शिव मंदिर में सेंट्रल पीस एवं वेलफेयर कमेटी साउथ जोन की बैठक आयोजित की गई। जिसमें एसएचओ श्रीचंद्रशेखर, एसआई उजय एवं पीस कमेटी ऑल जोन सचिव श्रीकिशन शर्मा, साउथ जोन अध्यक्ष के.ए. मोइजउद्दीन, गोपाल दास, अनीस रहमान, मीर असली अली एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

गेनालाल कुशवाहा और कवि गोविंद अक्षय कोटा में सम्मानित होंगे

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कछवाहा (कुशवाहा) क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन शनिवार-रविवार, 31 मई और 1 जून, 2025 को नूतन महाराष्ट्र सभा भवन, दादाबाड़ी थाने के पीछे, छोटा चौराहा, कोटा (राजस्थान) में संपन्न होगा। इस कार्यक्रम में प्रतिभा सम्मान, वरिष्ठ नागरिक सम्मान, युवक-युवती परिचय सम्मेलन, कुशवाहा सैनिकों का सम्मान, भामाशाह सम्मान प्रदान किये जाएँगे। सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नूर सिंह कुशवाहा और राष्ट्रीय महासचिव श्री मुकुट कुशवाहा (विद्यालय निदेशक) के अनुसार महासभा के इस कार्यक्रम में रविवार 1 जून, 2025 को हैदराबाद (तेलंगाना) के सुप्रसिद्ध समाज सेवी व उद्योगपति श्री गेनालाल कुशवाहा और कवि गोविंद अक्षय का भव्य सम्मान किया जाएगा। श्री गेनालाल

कुशवाहा कई बरसों से समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रूप से अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करते हुए आ रहे हैं। इन्होंने अपने अथक परिश्रम से हैदराबाद में कुशवाहा समाज के सदस्यों को एकत्रित करने और उन्हें एक मंच पर लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। श्री गेनालाल कुशवहा हैदराबाद तेलंगाना कुशवाहा समाज के अध्यक्ष हैं। अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के उपाध्यक्ष रह चुके हैं और संप्रति कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। आप एम. बी. सी. कल्याण संस्था तेलंगाना के उपाध्यक्ष हैं। इन संस्थाओं के अतिरिक्त आप तेलंगाना की अनेक सामाजिक संस्थाओं के पदों को भी सुशोभित कर रहे हैं। पिछले दिनों इन्होंने सम्राट अशोक की 2329वीं जयंती का कार्यक्रम हैदराबाद के मूसापेट क्षेत्र में भव्यता के साथ आयोजित किया था, जिसमें समाज के विद्वानों ने सम्राट अशोक के व्यक्तित्व और उनकी सेवाओं को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इनके द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह और परिचय सम्मेलन भी अपना विशेष महत्व रखते हैं। देश की विभिन्न संस्थाओं ने आपकी सेवाओं के लिए आपको सम्मानित किया है।

इस अवसर पर श्री टी. गोविंद सिंह काछी (कवि गोविंद अक्षय) को उनकी 35 वर्षों की हिंदी और उर्दू की साहित्यिक सेवाओं और सामाजिक सेवाओं के लिए भव्य सम्मान किया जाएगा। कवि गोविंद अक्षय 51 वर्षों से निरंतर चलने वाले हिंदी लेखक संघ हैदराबाद, 44 वर्षों से नियमित और सक्रिय रूप से चलने वाली हैदराबाद के कवियों की लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी काव्य यात्रा, 332 माह से पत्र-पत्रिकाओं पर नियमित चलने वाली सीता युद्धवीर पुस्तकालय और शोध संस्थान की मूल्यांकन गोष्ठी, 24 वर्षों से दक्षिण से प्रकाशित होने वाली कविता प्रधान साहित्यिक पत्रिका गोलकोण्डा दर्पण के संपादक, अंतरिक्ष शक्ति, प्रवाह के संपादक और बच्चन अकादमी हैदराबाद आदि देश की अनेक साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्थाओं के परामर्शदाता, महासचिव, समन्वयक, संयोजक आदि हैं। 1995 और 1996 में महामहिम राष्ट्रपति डॉ. शंकरदयाल शर्मा ने आपको सम्मानित किया है। देश के अनेक पुरस्कार और सम्मानों से आप सम्मानित व पुरस्कृत हो चुके हैं। कुशवाहा समाज के अनेक सम्मेलनों में भी आप सम्मानित हुए हैं। अखिल भारतीय कवि सम्मेलनों और मुशायरों में कविता पाठ द्वारा आपने ख़ूब ख्याति अर्जित की है। आप बहुमुखी प्रतिभा संपन्न साहित्यकार हैं। संप्रति कवि गोविंद अक्षय भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय, रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी व क्लास वन गजेटेड ऑफ़िसर हैं।

अग्रवाल समाज चेलापुरा शाखा की वार्षिक साधारण सभा व चुनाव सम्पन्न

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज चेलापुरा शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव होटल वेज पार्क मेंआयोजित की गई । सभा में सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेनजी की पुजा-अर्चना की गई। तत्पश्चात वर्तमान कोषाध्यक्ष उमेश कुमार अग्रवाल ने आय-व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। शाखा के नवनिर्वाचित पदाधिकारी निर्विरोध चयनीत किए गए। जिसमें अध्यक्ष- अशोक पोद्दार, उपाध्यक्ष- विष्णु दोचानिया, मंत्री- उमेश कुमार अग्रवाल, सहमंत्री- महावीर लाल पित्ती, कोषाध्यक्ष- धरमेन्द्र कानोडीया तथा केंद्रीय समिति सदस्य विजय कुमार जैन को नियुक्त किया गया।

सभा में विजय अग्रवाल, विष्णु दोचानिया, धरमेन्द्र, राजेन्द्र अग्रवाल, विजय जैन, महावीर पित्ती, उमेश कुमार, शीवलाल पित्ती, सुरेश अग्रवाल, अशोक पोद्दार, राजेश कुमार आदी उपस्थित थे।

आईसीएआर ने बाजरा अनुसंधान और कृषि व्यवसाय नवाचार में अग्रणी भूमिका के लिए

डॉ. बी. दयाकर राव को सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दूरदर्शी वैज्ञानिक को श्रद्धांजलि देते हुए, हैदराबाद के ऐतिहासिक निज़ाम क्लब ने आईसीएआर-भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईएमआर) के प्रधान वैज्ञानिक और न्यूट्रीहब के सीईओ/निदेशक डॉ. बी. दयाकर राव के सेवानिवृत्त होने के अवसर पर उनके लिए भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम में बाजरा अनुसंधान, मूल्य श्रृंखला विकास और भारत के कृषि-उद्यमिता परिदृश्य के परिवर्तन में उनके उल्लेखनीय योगदान का जश्न मनाया गया।

आईसीएआर में भर्ती किए गए वैज्ञानिकों के 38वें बैच का हिस्सा डॉ. राव अपने पीछे नवाचार, समर्पण और राष्ट्रीय प्रभाव से परिभाषित विरासत छोड़ गए हैं। तीन दशकों से अधिक की सेवा के साथ, वे भारत के बाजरा आंदोलन का पर्याय बन गए हैं, जिन्होंने इन प्राचीन अनाजों को राष्ट्रीय और वैश्विक खाद्य सुरक्षा एजेंडे के केंद्र में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।निजाम क्लब में आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम में तेलंगाना सरकार के सचिव (कृषि) श्री रघुनंदन राव, आईएएस ने अपनी गरिमामयी

उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। उन्होंने भारत के बाजरा पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने के लिए डॉ. दयाकर राव के अटूट समर्पण के लिए उनका हार्दिक सम्मान किया और उनकी सराहना की। सराहना के प्रतीक के रूप में, उन्होंने डॉ. राव को उनके उल्लेखनीय योगदान के सम्मान में एक शॉल भेंट की। इस समारोह में देश भर से वैज्ञानिकों, नौकरशाहों, नीति निर्माताओं, धार्मिक नेताओं, मशहूर हस्तियों, मीडिया पेशेवरों और शुभचिंतकों सहित गणमान्य व्यक्तियों की एक प्रतिष्ठित सभा ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में डॉ. एम.वी.एल.एन. राजू, डॉ. बी.एल.एन. रेड्डी, डॉ. मुकेश सहगल, डॉ. अशोकन आर. और डॉ. अमरीश त्यागी सहित आईसीएआर बैच के उनके साथी छात्रों की सेवानिवृत्ति पर भी प्रकाश डाला गया, जो अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिष्ठित हैं। स्नेप्स इंडिया के संपादक मोहम्मद शम्स-ुद्दीन ने भी कृषि उद्योग में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए डॉ. दयाकर राव की प्रशंसा की, बाजरा क्रांति का नेतृत्व करने में उनके काम को उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया। अमेरिका में रहने वाले परोपकारी फ़रीद बरलास ने कनाडा और फिनलैंड, स्वीडन, डेनमार्क और नॉर्वे सहित नॉर्डिक देशों पर ध्यान केंद्रित करते हुए बाजरा आधारित उत्पादों को वैश्विक बनाने के लिए अपना समर्थन दिया है। उन्होंने बाजरा क्रांति में डॉ. दयाकर राव की अग्रणी भूमिका की सराहना की, इसे कृषि के लिए एक बड़ा बदलाव बताया। उनके सहयोग का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय बाजरा बाजारों को बढ़ावा देना, अभिनव उत्पाद विकास और वैश्विक मूल्य श्रृंखला एकीकरण के माध्यम से स्वास्थ्य, स्थिरता और ग्रामीण आजीविका को आगे बढ़ाना है।

कृषि अधिकारियों के मार्गदर्शन में वैज्ञानिकों ने कार्यक्रम का आयोजन किया

राजन्ना सिरसिला ,30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) । प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय, बाबू जगजीवन राम कृषि महाविद्यालय, बागवानी अधिकारियों और कृषि अधिकारियों के मार्गदर्शन में वैज्ञानिकों ने सिरसिला जिले के गंभीररावपेटा मंडल के मल्लारेड्डीपेटा गांव में रायथु वेदिका में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर, किसानों को विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया। वैज्ञानिकों द्वारा फसलों के लिए सही मात्रा में यूरिया का उपयोग और कच्ची रोटी उर्वरकों का उपयोग किया गया। वर्मीकम्पोस्ट, पशु खाद का उपयोग, आवश्यक मात्रा में रसायनों का उपयोग, सिंचाई प्रबंधन, सब्जी की खेती, पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाना, नीम से संबंधित कीटनाशकों का उपयोग, फसल चक्रीकरण वैज्ञानिकों ने किसानों को अन्य मुद्दों पर समझाया।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB

I, VIJAYA LAKSHMI Spouse of Service No. 13916924N Ex.Nk K PEDDANNA RAO, R/o.H.No.11-53, Gopi Nagar, Alind, Serilingampally, Ranga Reddy Dist-500019, Telangana have changed my name and DOB from VIJAYA LAKSHMI, DOB:20-03-1954 to KALAGOTLA VIJAYA LAXMI, DOB:01-02-1962 vide affidavit dt:30-05-2025 before B. Ramesh, Advocate and Notary, Indira Nagar, Trimulgherry, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Waghamode Puja Dadaso wife of No 15199173Y LNK (DMT) Pokale Rajkumar Vilas resident of Vill-Hangirage, Post- Hangirage, Teh-Sangola, Distt-Solapur, State - Maharashtra PIN-413309 have changed my name from WAGHAMODE PUJA DADASO to PUKALE PUJA RAJKUMAR respectively vide affidavit No A before High Court Tolichowki, Hyderabad (TS). Vide Affidavit No.41 AA.337863, Dated. 29 May' 2025

CHANGE OF NAME &DOB

I, Service No-JC-783217M,Rank-Nb Sub, Name-Alok, Residing at Vill-Khurma, PO-Tisen Tulapur, TO-Allahabad,Teh-Meja, Dist-Prayagraj, State-Uttar Pradesh. I have changed my Father name from D N SINGH to DEW NARAYAN SINGH(as per PAN Card) and Dewnarayan Singh (as per Aadhar Card) and DOB also changed from 01/09/1960 to 10/09/1960 Affidavit dated 30 May 2025 before Notary M.B Santosh Kumar Secunderabad.

CHANGE OF NAME &DOB

I, Service No-17011454M,Rank-HAV, Name-Mudarakola Veera Swamy Residing at H.No-2-74/B, Yerrabodu, Singareni,Manikyaram, PO-Manikyaram, Dist- Khammam,PIN-507122, State-Telangana. I have changed my Father name from VENKATESWARLU to MUDARAKOLA VENKANNA and DOB also changed from 10/05/1965 to 01/01/1960 Affidavit dated 28 May 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Service No-17011454M, Rank-HAV, Name-Mudarakola Veera Swamy Residing at H.No-2-74/B, Yerrabodu, Singareni,Manikyaram, PO-Manikyaram, Dist- Khammam,PIN-507122,State-Telangana. I have changed my Mother name from BHARATHAMMA to MUDARAKOLA BHARATHAMMA and DOB also changed from 02/04/1969 to 01/01/1968 Affidavit dated 28 May 2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार और अंतर्राष्ट्रीय देवनागरी सेवा सम्मान समारोह आयोजित

बैंकॉक/हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। इतिहास में पहली बार 57 हिंदी शिक्षकों को मानवता, शिक्षा और वैश्विक शांति के लिए उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए 'बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार 2025' और 'अंतर्राष्ट्रीय देवनागरी सेवा सम्मान' से सम्मानित किया गया।

बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित एक ऐतिहासिक वैश्विक कार्यक्रम में शिक्षकों को प्रतिष्ठित गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 और अंतर्राष्ट्रीय देवनागरी सेवा सम्मान प्रदान किया गया। ये सम्मान शिक्षा, करुणा और वैश्विक शांति के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान को मान्यता देते हैं।यह समारोह केवल पुरस्कार वितरण से कहीं अधिक था – यह एक आध्यात्मिक भव्य समारोह था जिसका उद्देश्य बुद्ध के करुणा के मार्ग और भारत के सांस्कृतिक मूल्यों को वैश्विक मंच पर पुनः स्थापित करना था।

इस कार्यक्रम का आयोजन एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, यूनाइटेड गिल्ड यूके और धरा धाम इंटरनेशनल के सहयोग से देवनागरी उत्थान फाउंडेशन द्वारा किया गया था।

हिंदी शिक्षकों की विशिष्ट उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को और भी ऐतिहासिक बना दिया। उन्हें शिक्षा और मानवीय सेवा में उनके उत्कृष्ट और प्रेरक योगदान के लिए सम्मानित किया गया, जो आज की दुनिया में बुद्ध के करुणा के दर्शन को जीवित रखते हैं।कार्यक्रम में विभिन्न देशों के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व, धार्मिक नेता, अंतर्राष्ट्रीय विद्वान और सांस्कृतिक प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे जिसमें–महामहिम राजा जनरल ग्रैंड मास्टर प्रो. दातो सेरी ,डॉ. सुमचंद रथपट्टया, डॉ. मोनरुडी सोमार्ट, डॉ. परविंदर सिंह, फ्रा अचन विचान, हिरह हे महाराजा पैंगर्न ड्यूक प्रिंस राडेन मास नागाबी, पवन मिश्रा, सुशील कुमार धानुका, डॉ. प्रेम प्रकाश,शांतनु पाल एवं कीर्तन त्रिपाठी।देवनागरी उत्थान फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. सुनील दुबे ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षकों का सम्मान ईश्वर के सम्मान के बराबर है। जो समाज अपने शिक्षकों का सम्मान करता है, वह विकास और उत्थान सुनिश्चित करता है।कार्यक्रम का सफल नेतृत्व डॉ. सौरभ पाण्डेय डॉ. सुनील दुबे, डॉ. पूजा निगम और ने किया, जिन्होंने वैश्विक इवेंट मैनेजमेंट में एक मानक स्थापित किया।यह सम्मान न केवल शिक्षकों की अंतर्राष्ट्रीय मान्यता है, बल्कि भारत की समृद्ध ज्ञान परंपराओं और मानवीय मूल्यों को वैश्विक स्तर पर अपनाए जाने का प्रमाण भी है। सम्मानित शिक्षकों में डॉ. गीता दुबे, हैदराबाद, डॉ. केवीएन लक्ष्मी, हैदराबाद , डॉ सीमा बनर्जी, हैदराबाद , डॉ. सरस्वती आचार्य, हैदराबाद, डॉ. आभा शर्मा हैदराबाद , डॉ प्रतिमा सिंह, हैदराबाद, डॉ. मुख्तार अहमद, विकाराबाद, डॉ.माधुरी के मिश्रा, मुंबई , मुनचुन, हैदराबाद, डॉ रक्षा मेहता, हैदराबाद, डॉ सोना कपूर, हैदराबाद, सुलभा जोशी, हैदराबाद, डॉ ख़ुशी दुबे, तेलंगाना , चारुमति देसाई, बेंगलुरु, डॉ. वंदना महाजन, हैदराबाद, डॉ. जेपी नारायण सिंह, हैदराबाद , डॉ. विजया ओझा हैदराबाद , डॉ अफ्शा प्रवीण, चेन्नई , डॉ सौम्या लक्ष्मी पसुमर्थी, हैदराबाद रीना सिंह, हैदराबाद, डॉ पद्मा तिवारी, मप्र, डॉ ओजेन्द्र तिवारी, मप्र , डॉ. जे.रंजन दीपक, हैदराबाद, डॉ. पूजा निगम चेन्नई , डॉ. सुनील दुबे, हैदराबाद , डॉ विक्रम सिंह, दिल्ली , डॉ. आराधना वर्मा, भोपाल , डॉ. अंजनी शर्मा, गुरूग्राम , दीप्ति खरे, यू पी , संदीप कुमार,चंडीगढ़, डॉ.सुधीर वर्मा, भोपाल , डॉ. अभिषेक कुमार, बिहार, डॉ. श्याम शरण, बिहार , डॉ.सौरभ पांडे यू पी , डॉ. विदिशा पंवार यूपी, सुमन यादव, यूपी, डॉ.विनय कुमार श्रीवास्तव, उ.प्र, डॉ. शशि रानी सिंह, यूपी, प्रीति शर्मा, यू पी, यशोदा कोरी, मप्र, श्री चंद पंजाब , विनय श्रीवास्तव, यूपी, डॉ. बबिता पंजाब , डॉ किरन कुमारी,पंजाब,डॉ. संजय यल्लप्पा चोपड़े, मुंबई,डॉ. सुरुचि मिश्रा , देहरादून,कल्पना श्रीवास्तव, मुंबई,अर्चना यतिन परब, मुंबई,डॉ. श्री चंद, पंजाब शामिल हैं। सभी कार्यक्रमों के लिए यह मील का पत्थर साबित होगा श्र शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति और दुनिया को आकार देने में शिक्षकों की भूमिका के लिए एक उदाहरण के रूप में देखा जाएगा।

मुर्मू ने 15 नर्सों को प्रदान किए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में विभिन्न वर्ग की 15 नर्सों को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए वर्ष 2025 के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से सम्मानित किया।

पुरस्कृत नर्सों में एएनएम (सहायक नर्स मिडवाइफ) वर्ग में अंडमान निकोबार की रेबा रानी सरकार, आंध्र प्रदेश की वलिवेती सुभावती, दादर–नगर हमेली एवं दमन–दीव की सरोज फकीरभाई पटेल, लक्षद्वीप की रजिया बेगम पीबी और महाराष्ट्र की सुजाता अशोक बागुल , एलएचवी (लेडी हेल्थ विजिटर) वर्ग में असम की बीना पानी डेका, नर्स वर्ग में अरुणाचल प्रदेश की किजुम सोरा कारगा, दिल्ली की डिम्पल अरोड़ा और मेजर जनरल शीना पी डी, कर्नाटक की डॉ बानू एमआर, मणिपुर की लीमापोकपम रंजीता देवी, मिजोरम की वी लालमंगई, पुडुचेरी की एलएस मणिमोझ़ी, तमिलनाडु की के अलामेलु मंगयारकरसी और पश्चिम बंगाल की डॉली बिस्वास शामिल हैं।

राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से दिया जाता है। इसका उद्येश्य उत्कृष्ट नर्सिंग कर्मियों को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मान देना है।

तेजस राजधानी एक्सप्रेस को पलटने की साजिश नाकाम

प्रयागराज, 30 मई (एजेंसियां)।

सुपरफास्ट ट्रेन तेजस राजधानी एक्सप्रेस को प्रयागराज के भीरपुर और मेजा रेलवे स्टेशन के बीच पलटाने की साजिश की गई। बृहस्पतिवार की देर रात अराजकतत्वों ने ट्रेन आने से पहले ट्रैक पर बोल्डर रख दिया। लोको पायलट की सतर्कता से हादसा टल गया। ट्रेन 10 मिनट तक खड़ी रही। आरपीएफ ने मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।तेजस राजधानी एक्सप्रेस के रेलवे ट्रैक पर अराजक तत्वों ने देर रात बोल्डर रख दिया। इसकी जानकारी होने पर लोको पायलट ने भीरपुर और मेजा रोड रेलवे स्टेशन के बीच ट्रेन रोक दी और इसकी सूचना अधिकारियों को दी। जानकारी मिलते ही महकमे में खलबली मच गई। आरपीएफ के साथ तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए। छिवकी से पहुंची आरपीएफ ने सघन जांच की।

लोको पायलट के बयान और मौके पर की गई फोटोग्राफी के आधार पर संयुक्त निरीक्षण नोट तैयार किया गया।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार अज्ञात व्यक्ति ने डाउन ट्रैक पर किलोमीटर संख्या 794/18–16 भीरपुर और मेजा स्टेशन के मध्य गिट्टी और बोल्डर रख दिया था, जिसके कारण यह घटना हुई। हालांकि इसमें रेलवे विभाग को किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई है। इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध आरपीएफ छिवकी में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पाटनचेरु फर्नीचर गोदाम में भीषण आग लगी, हाइड्रा की त्वरित प्रतिक्रिया से बड़ा हादसा टला

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पाटनचेरू औद्योगिक क्षेत्र के पाटी गांव में शुक्रवार दोपहर एक बड़ी आग दुर्घटना बाल–बाल टल गई, जब एक स्थानीय फर्नीचर गोदाम में आग लग गई। बताया जा रहा है कि आग दोपहर करीब साढ़े तीन बजे लगी, जब अनु फर्नीचर गोदाम के अंदर लोहे के फ्रेम पर वेल्डिंग का काम चल रहा था। वेल्डिंग के दौरान निकली चिंगारी पास में रखे फोम मटेरियल पर गिरी, जिससे भीषण आग लग गई और देखते ही देखते पूरे परिसर और बगल के गोदाम में फैल गई।

हाइड्रा कंट्रोल रूम से सूचना मिलने पर स्टेशन फायर ऑफिसर सतीश राव तीन हाइड्रा फायर टीमों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। आग की लपटों की तीव्रता के बावजूद, अग्निशमन कर्मियों और आपदा प्रतिक्रिया बल (डीआरएफ) की टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

गोदाम, जो एक जी+3 संरचना है और जिसकी चारदीवारी है, ने आग पर काबू पाने में मदद की और उसे आस–पास की इमारतों तक फैलने से रोका। हालाँकि, पूरा फर्नीचर स्टॉक जलकर खाक हो गया।

आग बुझाने के अभियान में मदद के लिए कुकटपल्ली और माधापुर से दमकल गाड़ियां भेजी गईं। टीम ने माधापुर से ब्रोंटो स्काईलिफ्ट का इस्तेमाल करके ऊपर से आग बुझाई। क्षेत्रीय अग्निशमन अधिकारी जयप्रकाश और स्टेशन अग्निशमन अधिकारी सतीश राव ने पुष्टि की कि डेढ़ घंटे में आग पर काबू पा लिया गया।

कोविड का नया रूप : हैदराबाद में मानसून के दौरान स्वास्थ्य संकट के बीच नए लक्षण सामने आए

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैसे–जैसे हैदराबाद गर्मियों से मानसून के मौसम में प्रवेश कर रहा है, स्वास्थ्य विशेषज्ञ मौसमी बीमारियों में वृद्धि के बारे में चेतावनी दे रहे हैं – जिसमें कोविड–19, डेंगू, चिकनगुनिया, इन्फ्लूएंजा, टाइफाइड और अन्य श्वसन संक्रमण शामिल हैं । बदलते मौसम और उभरते संक्रमणों के अभिसरण को सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा परफेक्ट स्टॉर्म के रूप में देखा जा रहा है।गांधी अस्पताल, फीवर अस्पताल, उस्मानिया जनरल अस्पताल और कई बस्ती दवाखानों के आउट पेशेंट विंग में पिछले 24 घंटों में वायरल बुखार, फ्लू और सर्दी के लक्षणों वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि देखी गई है । स्थानीय निजी क्लीनिक और नर्सिंग होम भी मामलों में बढ़ोतरी की रिपोर्ट कर रहे हैं।डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि मौसमी बदलाव के दौरान तापमान में उतार–चढ़ाव शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर देता है, जिससे संक्रमण के प्रति शरीर अधिक संवेदनशील हो जाता है। तेलंगाना के सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक (डीपीएच) डॉ. बी रविंदर नायक ने कहा, यह वह समय है जब कोविड–19 जैसे वायरल संक्रमण फिर से उभर आते हैं।कुछ दावों के बावजूद कि पिछले वर्ष की वृद्धि के कारण इस वर्ष डेंगू और चिकनगुनिया में कमी आ सकती है, अधिकारी आगाह करते हैं कि ऐतिहासिक रुझान दर्शाते हैं कि प्रकोप लगातार वर्षों में भी हो सकता है ।डेंगू और चिकनगुनिया का वाहक एडीज एजिप्टी मच्छर मानसून के दौरान घरों के आसपास जमा पानी में पनपता है । सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी नागरिकों से हर शुक्रवार को 'ड्राई डे' मनाकर प्रजनन स्थलों को खत्म करने का आग्रह कर रहे हैं ।वर्तमान कोविड–19 लहर में लैरींगाइटिस, आवाज़ में बदलाव, स्वर बैठना और यहाँ तक कि त्वचा पर चकत्ते (पित्ती) जैसे असामान्य लक्षण दिखाई दे रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि ये लक्षण सामान्य फ्लू से ज़्यादा समय तक बने रहते हैं।

कोविड–19 रोगियों में विशिष्ट लक्षण इस प्रकार हैं: लम्बे समय तक बुखार रहना, थकान और शरीर में दर्द, गले में दर्द और जलन, स्वरयंत्रशोथ और स्वर बैठना, खुजली वाली त्वचा पर चकत्तेडॉक्टर बंद स्थानों में मास्क पहनने और संक्रमित व्यक्तियों के निकट संपर्क से बचने की सलाह देते हैं।डेंगू और चिकनगुनिया के लिए: मच्छर भगाने वाली दवाइयों और जालियों का प्रयोग करें।

मानसून की तबाही की चेतावनी : जीएचएमसी, एचएमडब्ल्यूएसएसबीब ओवरफ्लो नालों से गाद निकालने में जुटे

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। याकूतपुरा निर्वाचन क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही जल निकासी की समस्या को दूर करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जीएचएमसी आयुक्त के. कर्णन और हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) के प्रबंध निदेशक अशोक रेड्डी ने स्थानीय विधायक जाफर हुसैन के साथ संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण मौलाना चिल्ला में गंगनगर नाला क्षेत्र पर केंद्रित था, जहां मानसून के मौसम में सीवेज का अत्यधिक बहाव होता है, जिससे स्थानीय निवासियों को परेशानी होती है।

निरीक्षण में पता चला कि जीएचएमसी परियोजना प्रभाग द्वारा हाल ही में सड़क चौड़ीकरण और नाला विस्तार कार्यों ने जीएचएमसी के वर्षा जल नालों और एचएमडब्ल्यूएसएसबी की सीवरेज लाइनों दोनों में तलछट निर्माण में योगदान दिया है। इस संचय ने बारिश के दौरान सीवेज ओवरफ्लो की समस्या को और बढ़ा दिया है। अधिकारियों ने आकलन किया कि नालों और सीवरेज लाइनों की एक साथ सफाई करने से यह समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी।निरीक्षण के दौरान, अधिकारियों ने कुछ क्षेत्रों में घरों के नीचे बह रहे नालों की पहचान की, जिससे जल निकासी का प्रवाह जटिल हो रहा था। टीमों को इन नालों को बेहतर बनाने की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने और निर्माण शुरू करने से पहले बेहतर योजना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। एचएमडब्ल्यूएसएसबी के एमडी अशोक रेड्डी ने अपने अधिकारियों को नाला विस्तार के साथ–साथ सीवरेज लाइन निर्माण को पूरा करने और उचित प्रवाह सुनिश्चित करने और ढाल में बेमेल से बचने के लिए सीवर लाइनों को संरेखित करने का निर्देश दिया। ज–ीएचएमसी और एचएमडब्लूएसएसबी ने समाधानों को लागू करने में अधिक प्रभावी और समकालिक सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की। क्षेत्र में मौसमी सीवेज बाढ़ को रोकने के लिए एक स्पष्ट कार्य योजना बनाई गई। स्थानीय विधायक की सक्रिय पहल को इस संयुक्त निरीक्षण और अनुवर्ती कार्य को शुरू करने के लिए महत्वपूर्ण माना गया।

अमीरपेट अपार्टमेंट में आग लगी डबिंग स्टूडियो क्षतिग्रस्त

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शुक्रवार दोपहर को अमीरपेट में सारथी स्टूडियो के पास पांच मंजिला दिव्यशक्ति अपार्टमेंट की दूसरी मंजिल पर आग लग गई। यह घटना अग्नि टेक्नो स्क्रिप्ट क्रिएशंस डबिंग स्टूडियो में हुई, जहां 25 वर्षीय राजेश चौधरी काम कर रहे थे। हैदराबाद डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (ऊठऋ) की त्वरित प्रतिक्रिया की बदौलत उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया।आग दोपहर करीब 3:30 बजे एयर कंडीशनिंग यूनिट के कंप्रेसर में विस्फोट के कारण लगी, जिसके कारण आग तेजी से पूरे स्टूडियो में फैल गई। हैदराबाद हाइड्रा कंट्रोल रूम को सूचित किया गया और स्थानीय स्टेशन फायर ऑफिसर मोहन राव ने दो टीमों के साथ तुरंत प्रतिक्रिया दी।

जुबली हिल्स और अन्नपूर्णा स्टूडियो से भी दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की तीव्रता के बावजूद, टीमों ने एक घंटे के भीतर स्थिति पर काबू पा लिया। हालांकि डबिंग स्टूडियो को काफी नुकसान पहुंचा, लेकिन आग को ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने से रोक दिया गया।

स्टूडियो मालिक किशोर पहले ही परिसर से बाहर निकल चुके थे, लेकिन राजेश चौधरी अंदर फंस गए थे। डीआरएफ टीम के सदस्य श्रीकांत सीढ़ी के सहारे ऊपर चढ़े और साहसी बचाव कार्य किया। उनकी त्वरित और सामरिक प्रतिक्रिया ने एक बड़ी त्रासदी को टाल दिया।

हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन आग और धुएं के कारण डबिंग स्टूडियो का आधे से ज़्यादा हिस्सा नष्ट हो गया। अधिकारियों ने नुकसान का आकलन करना शुरू कर दिया है, और घटना की पूरी सीमा निर्धारित करने के लिए जांच चल रही है।

किशन रेड्डी ने भारतीय सेना की जीत को कमतर बताने पर तेलंगाना मुख्यमंत्री रेवंत को घेरा

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री और भाजपा नेता जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों की जीत को कमतर आंकने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश सशस्त्र बलों की जीत का जश्न मना रहा है, रेवंत रेड्डी इसे भाजपा का कार्यक्रम बता रहे हैं। नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने गुरुवार को हैदराबाद में कांग्रेस की जय हिंद यात्रा के दौरान रेवंत रेड्डी द्वारा की गई टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। किशन रेड्डी, जो कि राज्य भाजपा के अध्यक्ष हैं, ने कहा कि पार्टी लाइन से हटकर सांसद दुनिया भर में जाकर यह बता रहे हैं कि भारत को 'ऑपरेशन सिंदूर' क्यों चलाना पड़ा। रेवंत रेड्डी के इस दावे पर कि अगर राहुल गांधी प्रधानमंत्री होते तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारत में मिला दिया जाता, किशन रेड्डी ने उनसे पूछा कि पाकिस्तान को पीओके किसने दिया।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की नीतियों के कारण पीओके एक जटिल समस्या बनी हुई है। किशन रेड्डी ने कहा कि पिछली सरकारों के विपरीत, जो आतंकवादी हमलों के पीड़ितों को सांत्वना देने तक ही सीमित थीं, नरेंद्र मोदी सरकार ने करारा जवाब दिया।सरकार ने सर्जिकल स्ट्राइक करने के लिए पाकिस्तान की धरती में प्रवेश किया। पूरी दुनिया ने देखा है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को कैसे नरक दिखाया।इससे पहले, भाजपा की तेलंगाना इकाई ने पोस्ट कियाभाजपा ने आरोप लगाया कि सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई हमलों पर सवाल उठाने से लेकर सशस्त्र बलों का मजाक उड़ाने और अग्निपथ योजना का विरोध करने तक, भारत के खिलाफ खड़ा होना कांग्रेस पार्टी के डीएनए में है।

भाजपा ने मुख्यमंत्री को मिस वर्ल्ड फोटो अवसर तक ही सीमित रहने की सलाह दी, कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा उनका रैंप नहीं है।रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम की घोषणा करने से पहले सर्वदलीय बैठक नहीं बुलाने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर निशाना साधा।उन्होंने केंद्र सरकार के एकतरफा दृष्टिकोण पर सवाल उठाया और उस पर रणनीति, साहस और पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री ने नरेंद्र मोदी सरकार से यह भी पूछा कि उसने पाकिस्तान के साथ अचानक संघर्ष विराम की घोषणा क्यों की।उन्होंने केंद्र सरकार पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इशारे पर युद्ध विराम की घोषणा करने का भी आरोप लगाया।उन्होंने केंद्र सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा कि देश ने कितने राफेल विमान खोए हैं।

इस बीच, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता रावुला श्रीधर रेड्डी ने भी रेवंत रेड्डी की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना पर उनकी टिप्पणी गैरजिम्मेदाराना है।उन्होंने कांग्रेस आलाकमान को खुश करने के लिए भारतीय सेना की ताकत पर सवाल उठाने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की।रेवंत रेड्डी के इस दावे को खारिज करते हुए कि अगर राहुल गांधी प्रधानमंत्री होते तो पीओके का भारत में विलय हो जाता, उन्होंने मुख्यमंत्री को याद दिलाया कि कश्मीर मुद्दे के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है।

राचकोंडा पुलिस ने अवैध बाइक साइलेंसर पर कार्रवाई की

1,297 नष्ट किए गए, 2,325 मामले दर्ज किए गए

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ध्वनि प्रदूषण को कम करने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, राचकोंडा पुलिस ने अवैध रूप से संशोधित मोटरसाइकिल साइलेंसर पर कड़ी कार्रवाई शुरू की है। कमिश्नरेट में एक विशेष अभियान के तहत, पुलिस ने 2,325 मामले दर्ज किए हैं और उल्लंघनकर्ताओं से 1,297 संशोधित साइलेंसर जब्त किए हैं ।जब्त किए गए साइलेंसर को उप्पल भगयथ में रोड रोलर के नीचे नष्ट कर दिया गया, जिससे ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ एक कड़ा संदेश गया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में की गई, जिनमें श्री चौधरी प्रवीण कुमार, आईपीएस (डीसीपी एलबी नगर) , एस मल्ला रेड्डी (डीसीपी ट्रैफिक–ख) , वी श्रीनिवासुलु (डीसीपी ट्रैफिक आरसीके) , श्रीमती टी उषा रानी (डीसीपी महिला सुरक्षा) और श्रीमती ए लक्ष्मी (एडीसीपी ट्रैफिक–ख) शामिल थे।यह पहल राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एन–सीएपी) और मिशन लाइफ अभियान के साथ जुड़ी हुई है, जिसमें टिकाऊ जीवन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर जोर दिया गया है। यह अभियान श्री जी. सुधीर बाबू, आईपीएस, पुलिस आयुक्त, राचकोंडा के मार्गदर्शन में चलाया गया ।

गुलजार हाउस अग्निकांड

चश्मदीदों ने मीडिया को बताया हादसे का खौफनाक सच

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गत 18 मई को गुलजार हौज में घटित दुर्दैवी अग्नि दुर्घटना जिसमें एक ही परिवार के 17 निरपराध व्यक्तियों की मृत्यु हुई थी। उसी के संदर्भ में सोमाजिगुडा प्रेस क्लब में श्रीमती संतोष गुप्ता द्वारा संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया गया एवं घटना के बारे में जानकारी दी। जिसकी वह स्वयं साक्षीदार थी।

उन्होंने जानकारी साझा करते हुए यह बताया कि किस तरह अग्निशमन विभाग व सरकारी स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण 17 निर्दोषों की मृत्यु हुई। उन्होंने विस्तार से घटनाक्रम बताते हुए यह जानकारी दी कि अग्निशमन दस्ते के पास न ही पर्याप्त व उचित उपकरण थे और ना ही अग्निशमन दस्ते के कर्मचारियों को बचाव का प्रशिक्षण था। उन्होंने बताया कि जब एम्बुलेंस बुलाई गई तब घटनास्थल से पीड़ितों को ले जा रही एम्बुलेंस में न उचित स्वास्थ्य उपकरण और ना ही ऑक्सीजन मास्क उपलब्ध थे।

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए नीतीश गुप्ता जो स्वयं पीड़ित परिवार के सदस्य व घटना स्थल उपस्थित थे ने बताया कि पीड़ितों को जब उस्मानिया अस्पताल ले जाया गया तब उन्हें पुलिस द्वारा एफआईआर न होने का हवाला दियास गया और वहां उपस्थित महिला डॉक्टर ने इलाज करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि जब पीड़ितों को दवाखाने में ले जाया गया तब पीड़ितों की सांसें चल रही थी अगर तभी तत्काल पीड़ितों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाती तो बहुतों के प्राण बचाए जा सकते थे।

संवाददाता सम्मेलन में उपस्थित अतुल अग्रवाल ने घटना का विवरण देते हुए घटनास्थल का नक्शा प्रस्तुत किया और अग्निघटना के क्रम को समझाया व संबंधित सरकारी कार्यप्रणाली व अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए इसे सरकारी मशिनरी की सबसे बड़ी विफलता बताते हुए 17 मासूम लोगों के मृत्यु का कारण बताया।

श्रीमती संतोष गुप्ता ने विफल सरकारी तंत्र की आलोचना करते हुए कहा कि पीड़ितों की मृत्यु अग्नि में झुलसने से नहीं बल्कि दम घुटने से हुई। अगर समय पर अग्निशमन विभाग ने ऑक्सीजन मास्क व उचित उपकरण उपयोग किये होते तो इस दुर्दैवी घटना से बचा जा सकता था। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के बयान को निचले स्तर के कर्मचारियों के द्वारा दी गयी जानकारी और झूठा करार दिया।

इस अवसर पर गोशामहल निवासी बी. एल. श्रीनिवास जो संवाददाता सम्मेलन की अगुवाई कर रहे थे ने कहा कि सरकारी तंत्र पूरी तरह विफल रहा, उपकरणों के अभाव के कारण ही 17 लोगों की मृत्यु हुई।

श्रीमती संतोष गुप्ता ने केंद्र सरकार से गुहार लगाई कि घटना की उचित जांच के लिए एक न्यायिक जांच आयोग का गठन किया जाए। जिसकी अगुवाई किसी अवकासप्राप्त जज अथवा उच्चतम न्यायालय के जज द्वारा कराई जाए । उन्होंने प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति को भी अग्निदुर्घना से संबंधित याचिका देने की बात कही। उन्होंने राज्य सरकार की जांच पर सवाल खड़ा करते हुए उसपर भरोसा न होने की बात दोहराई और पीड़ितों के परिव-ारजनों को मुआवजे अथवा किसी को सजा की मांग न करते हुए घटना के मुख्य कारणों का पता लगाने और विफलताओं का कारण सबके समक्ष प्रस्तुत कर इस तरह की दुर्दैवी घटना पुनः न घटित हो ऐसी मांग की।

तेलंगाना में 3 करोड़ से अधिक मूल्य का नशीला पदार्थ जब्त, ड्रग तस्कर गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस ने शुक्रवार को शादनगर के पास एक सड़क किनारे स्थित ढाबे से 3 करोड़ रुपये से ज़्यादा कीमत के मादक पदार्थ जब्त किए। विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर अधिकारियों ने एक सफल अभियान चलाया, जिसके तहत राजस्थान के एक ड्रग तस्कर को गिरफ़्तार किया गया।

गिरफ्तार व्यक्ति फिलहाल पुलिस की हिरासत में है। इस बीच, मामले से जुड़े दो अन्य संदिग्ध अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस ने प्रयास तेज कर दिए हैं।

पुलिस ने छापेमारी में विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थ बरामद किए, जिनमें शामिल हैं: 1.5 किलोग्राम हेरोइन, 1 किलो गांजा और 360 ग्राम से अधिक अफीम शामिल है।

जब्त की गई इन दवाओं की अनुमानित कीमत 3 करोड़ रुपये से अधिक है।अधिकारियों ने जनता को मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले नेटवर्क के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है और नागरिकों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देकर सहयोग करने का आग्रह किया है। मादक पदार्थों के स्रोत और वितरण श्रृंखला की जांच जारी है।

दूध बावली अपार्टमेंट में लगी आग

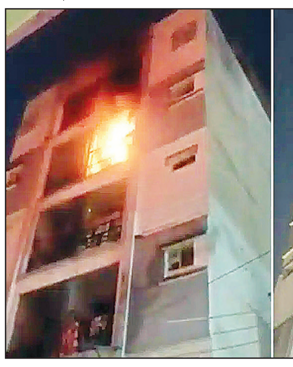

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के पुराने शहर के हुसैनी आलम पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में स्थित दूध बाउली में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग के निवासियों के बीच शुक्रवार देर रात दहशत फैल गई। दूसरी मंजिल पर आग लग गई, जिससे अंदर मौजूद लोगों की सुरक्षा को लेकर तत्काल चिंता बढ़ गई।

हैदराबाद अग्निशमन विभाग ने आपातकालीन कॉल पर तुरंत प्रतिक्रिया दी और इमारत के अन्य हिस्सों में आग फैलने से पहले ही आग को सफलतापूर्वक बुझा दिया। उनकी त्वरित कार्रवाई ने महत्वपूर्ण क्षति को रोकने में मदद की और निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित की।शुक्र है कि सभी निवासियों को बिना किसी चोट या हताहत के सुरक्षित रूप से बाहर निकाल लिया गया। अग्निशमन अधिकारियों ने पुष्टि की कि सभी लोग सुरक्षित बच गए, और आग की घटना के संबंध में किसी भी तरह की जान-माल की हानि की सूचना नहीं मिली है।प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट हो सकता है। पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी फिलहाल आग लगने के पीछे की सटीक वजह का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच कर रहे हैं।अधिकारियों ने निवासियों को भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बिजली के तारों और उपकरणों के संबंध में एहतियाती उपाय करने की याद दिलाई है। जांच के बारे में आगे की जानकारी उपलब्ध होने पर जारी की जाएगी।

प्रतिभूति मुद्रणालय हैदराबाद को राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन हेतु राजभाषा शील्ड से सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद को वर्ष 2024-25 के दौरान राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए लघु उपक्रमों की श्रेणी में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) उपक्रम (उ), हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा प्रथम पुरस्कार (राजभाषा शील्ड) से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार दिनांक 29.05.2025 को भारत हेवी इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीएचईएल), अनुसंधान और विकास, हैदराबाद में आयोजित नराकास की अर्द्धवार्षिक बैठक में प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार इलेक्ट्रानिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं अध्यक्ष तथा नराकास अध्यक्ष श्री अनुराग कुमार जी की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया गया। प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद की ओर से श्री आ. दुर्गा प्रसाद, अपर महाप्रबंधक (मा.सं.) और श्री मेहुल राठोड़, प्रबंधक (मा.सं.) एवं प्रभारी (राजभाषा) ने यह शील्ड और प्रशस्ति पत्र ग्रहण किया। इस अवसर पर, प्रतिभूति मुद्रणालय की गृह पत्रिका प्रतिमुद्रा को भी उत्तम पत्रिका हेतु पुरस्कृत किया गया, जो राजभाषा के प्रचार-प्रसार में इकाई के प्रयासों को रेखांकित करता है।यह सम्मान प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद के कर्मचारियों के हिंदी के प्रति समर्पण और सम्मान का एक स्पष्ट प्रमाण है, और यह राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 97,960/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 99,965/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,451.01 -182.01 -0.22% ↓

एनएसई :24,750.70 -82.90 (-0.33%) ↓

मानसून 2025 की तैयारी: चेन-लिंक झीलें हैदराबाद की बाढ़ सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण : रंगनाथ

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाइड्रा आयुक्त एवी रंगनाथ ने शहरी बाढ़ को नियंत्रित करने में श्रृंखलाबद्ध झीलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। मैरी चेन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान में आयोजित दो दिवसीय आपदा प्रबंधन सम्मेलन में बोलते हुए आयुक्त ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में बाढ़ से बचने के लिए उचित जल निकासी प्रणालियों के माध्यम से वर्षा जल को झीलों में निर्देशित करना आवश्यक है।उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों में कई झीलों और वर्षा जल निकासी नालों पर अतिक्रमण किया गया है, जिससे मानसून के दौरान नियमित रूप से जलमग्नता होती है। उन्होंने कहा, अकेले हैदराबाद में, लगभग 61% झीलें गायब हो गई हैं, इस तथ्य की पुष्टि राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर ने भी की है। उन्होंने कहा कि शेष 39% को बचाना बहुत ज़रूरी है, उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर भयावह परिणाम सामने आएंगे, जिनका पूर्वानुमान लगाना या उनका प्रबंधन करना मुश्किल है।

रंगनाथ ने हाल ही में बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली में आई बाढ़ को जल निकायों की सुरक्षा की आवश्यकता की एक मजबूत याद के रूप में उद्धृत किया। उन्होंने बताया, एक एकड़ की झील, जिसकी गहराई सिर्फ़ एक मीटर हो, उसमें चार मिलियन लीटर पानी जमा हो सकता है। ज़रा कल्पना कीजिए कि दसियों या सैकड़ों एकड़ में फैली झीलों की क्षमता कितनी होगी।

हाइड्रा किसी भी तरह की गलती की गुंजाइश से बचने के लिए फुल टैंक लेवल सीमाओं को स्पष्ट रूप से सीमांकित करके झीलों के संरक्षण को प्राथमिकता दे रहा है। आयुक्त ने कहा, हम जल भंडारण क्षमता में सुधार के लिए मौजूदा झीलों से गाद निकालने पर भी काम कर रहे हैं।

शहर में प्राथमिक और द्वितीयक वर्षा जल चैनलों के लुप्त होने पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण के कारण तीसरे और चौथे स्तर के नाले भी सिकुड़ गए हैं। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार द्वारा हाल ही में बेंगलुरु में वर्षा जल नालों पर अतिक्रमण हटाने के आदेश का उल्लेख करते हुए रंगनाथ ने कहा कि तेलंगाना को भी इसी तरह की शहरी आपदाओं को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने चाहिए।

उन्होंने हैदराबाद के निवासियों से चेन-लिंक झीलों को बहाल करने और संरक्षित करने में राज्य सरकार और हाइड्रा के प्रयासों का समर्थन करने का आग्रह करते हुए अपना भाषण समाप्त किया।

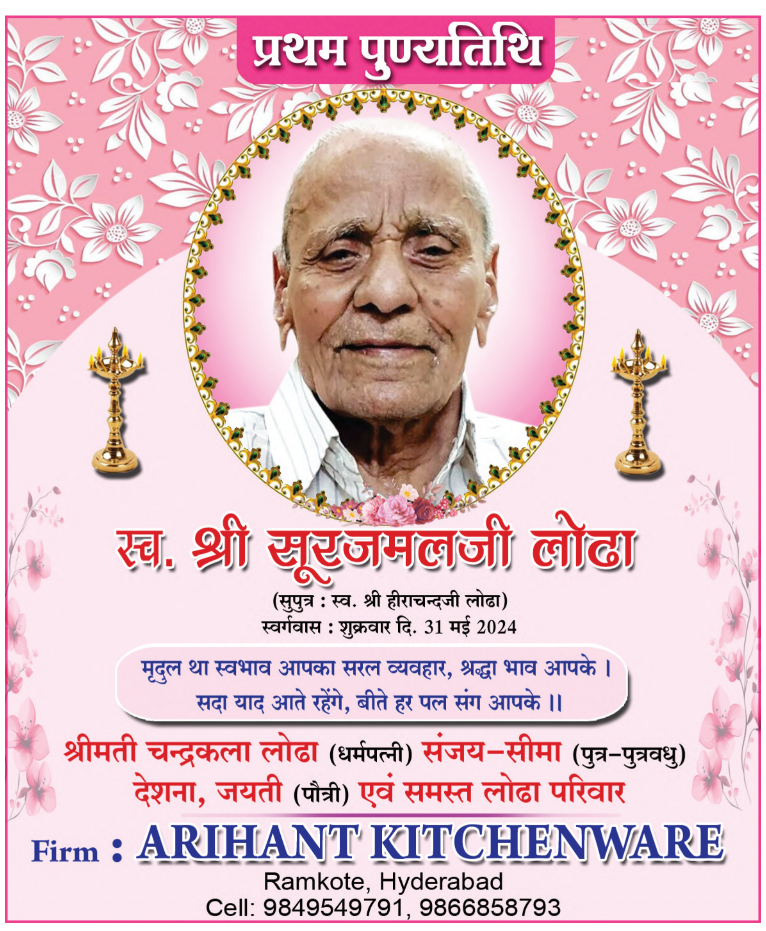

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.